स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

स्वतंत्र भारत

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

लखनऊ, सोमवार
21 जुलाई, 2025
श्रावण मास कृष्ण पक्ष 11
सं. 2082 वि.
वर्ष 78, अंक - 329 पृष्ठ 12
संस्करण : नगर

मूल्य : 3 रुपये
epaper : epaper.swatantrabharat.net

इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट से पहले अंशुल टीम में शामिल

संसद का मानसून सत्र आज से होगा शुरू

हर सवाल का मिलेगा जवाब : रिजिजू

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है जो 21 अगस्त तक चलेगा। इसमें कुल 21 बैठकें होंगी। इससे पहले हुई सर्वदलीय बैठक के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तमाम मुद्दों पर चर्चा हुई। सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि संसद को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार-विपक्ष के बीच समन्वय होना चाहिए। हम मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाने के प्रस्ताव पर सांसदों के

■ ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए सरकार तैयार

हस्ताक्षरों की संख्या पहले ही 100 को पार कर चुकी है।

सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि संसद सत्र शुरू होने से पहले सभी दलों के नेताओं की एक बैठक हुई। इस सत्र में कुल 51 राजनीतिक दल और स्वतंत्र सांसद भाग लेंगे। इन 51 दलों के 54 सदस्यों ने बैठक में भाग लिया। 40 सांसदों ने अपनी पार्टियों की ओर से अपनी राय रखी। यह बहुत रचनात्मक थी। सभी राजनीतिक नेताओं ने अपनी पार्टियों की स्थिति और उन मुद्दों को बताया जो वे इस सत्र में लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने सभी की बातों पर ध्यान दिया है। हमने अनुरोध किया है कि सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चले, इसके लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष को अच्छे समन्वय के साथ मिलकर काम करना चाहिए। हम अलग-अलग विचारधाराओं वाले राजनीतिक दल हो सकते हैं, लेकिन यह सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी है कि संसद सुचारू रूप से चले। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दावों के मुद्दे पर सरकार संसद में उचित जवाब देगी। कई मुद्दे ऐसे हैं जिन पर पार्टियों ने कहा है कि इन पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। हम खुले दिल से चर्चा के लिए तैयार हैं। हम नियमों और परंपराओं के अनुसार काम करते हैं और इनका बहुत महत्व रखते हैं। इसलिए हम हर मुद्दे पर चर्चा करेंगे लेकिन नियमों और परंपराओं के अनुसार। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने अपनी राय रखी। एनडीए, यूपीए (इंडिया गठबंधन) और उनके बीच के दलों ने अपनी राय रखी है। हम इन सभी मुद्दों को संसद में ले जाएंगे, क्या चर्चा करनी है और क्या नहीं, इसका फैसला बीएसी (कार्य मंत्रणा समिति) में किया जाएगा।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि छोटे राजनीतिक दलों, खासकर जिनके 1-2 सांसद हैं, को बोलने के लिए समय नहीं मिलता है क्योंकि समय उनकी संख्या के अनुसार आवंटित किया जाता है। लेकिन हमने इसका संज्ञान लिया है। हम छोटे दलों को पर्याप्त समय आवंटित करने पर सहमत हुए हैं। हम इसे लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति के समक्ष रखेंगे और फिर हम इस मुद्दे को कार्य मंत्रणा समिति में उठाएंगे।

न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ आएगा महाभियोग प्रस्ताव

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि जस्टिस वर्मा मामले में सभी पक्ष मिलकर प्रक्रिया अपनाएंगे। यह अकेले सरकार का कदम नहीं है। मामले को लेकर हस्ताक्षर की प्रक्रिया चल रही है और यह पहले ही 100 को पार कर चुका है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद विभिन्न दलों के साथ सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों की बैठकें बहुत अच्छी और प्रभावी रहीं और उन सभी अच्छे अनुभवों को राष्ट्र के सामने साझा किया जाना चाहिए। हमें इसका स्वागत करना चाहिए।

सरकार को घेरने के लिए विपक्ष एकजुट

मानसून सत्र में केंद्र सरकार को घेरने के लिए विपक्ष एकजुट हो गया है। रविवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने तमाम मुद्दे उठाए। इस दौरान विपक्ष ने पहलगाम हमला, भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम पर ट्रंप के दावे पर सरकार के जवाब, बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण पर बात की। सर्वदलीय बैठक में भाग लेने के बाद कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि इस सत्र में हम पहलगाम हमला, बांग्लादेश सीमाओं पर संघर्ष, बिहार में विशेष मतदाता पुनरीक्षण, ट्रंप के दावों समेत कई मुद्दे उठाएंगे। प्रधानमंत्री का यह कर्तव्य और नैतिक जिम्मेदारी है कि वह संसद के माध्यम से राष्ट्र को संबोधित करें। उन्होंने कहा कि कई अहम मुद्दे हैं जिन पर सरकार को अपनी बात रखनी चाहिए। पहला मुद्दा पहलगाम का है और उस पर उपराज्यपाल द्वारा दिए गए बयान भी गंभीर हैं। काफी समय बीत चुका है और अब सरकार को इस पर स्पष्ट रूप से अपनी स्थिति संसद में रखनी चाहिए। उन्होंने कहा, दूसरा मुद्दा अमेरिकी राष्ट्रपति के हालिया बयान से जुड़ा है, जो भारत की गरिमा और हमारी सेना की वीरता पर सवाल उठाने का है। इसका जवाब सिर्फ भारत के प्रधानमंत्री ही दे सकते हैं। तीसरा अहम मुद्दा मतदान के अधिकार और चुनाव प्रक्रिया से जुड़ा है। आज जब चुनाव आयोग विभिन्न राजनीतिक दलों से संवाद से बच रहा है, स्पष्टता नहीं दे रहा है, तो आगामी राज्य चुनावों और लोकतांत्रिक ढांचे पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे संसद में आकर सरकार का पक्ष रखें।

योगी ने कांवड़ियों पर बरसाए फूल

मेरठ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को मेरठ पहुंचे और कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा की। सीएम ने साफ कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान हुड़दंग मचाने वाले और तोड़फोड़ करने वालों का बख्शा नहीं जाएगा। सीसीटीवी के माध्यम से उन्हें चिह्नित कर कार्रवाई की जाएगी। कानून हाथ में लेने का किसी को हक नहीं है। मोदीपुरम की शोभित यूनिवर्सिटी में सीएम का हेलीकॉप्टर उतरा। दुल्हेड़ा चौकी के पास लगे स्टेज से सीएम ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की। स्टेज पर राज्यसभा सांसद डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपई, राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर,

■ दूधेश्वर नाथ मंदिर में किये दर्शन पूजन

निवर्तमान दर्ज प्राप्त मंत्री पंडित सुनील भराला, कैंट विधायक अमित अग्रवाल समेत अन्य भाजपा नेता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मेरठ आगमन पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। शोभित यूनिवर्सिटी में सीएम योगी के हेलीकॉप्टर के उतरने का कार्यक्रम था। शोभित विवि के बाहर पूर्व विधायक संगीत सोम को रोक दिया गया। संगीत सोम अपनी गाड़ी से अंदर जाने के लिए अड़ गए, लेकिन पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने उन्हें अंदर नहीं जाने दिया। इस बीच संगीत सोम इधर उधर फोन घुमाते रहे। फिर वह अपनी गाड़ी से आगे चले गए।

छांगुर बाबा का एक और सहयोगी गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। अवैध धर्मांतरण करवाने में माहिर जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा का एक और सहयोगी राजेश कुमार उपाध्याय को यूपी एटीएस टीम ने गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि आरोपी राजेश कुमार उपाध्याय सीजेएम बलरामपुर अदालत में क्लर्क के पद कार्यरत है। जिसकी पत्नी के नाम छांगुर नें पुणे में 16 करोड़ की प्रापर्टी खरीदी थी। राजेश कुमार उपाध्याय के पास कितनी संपत्ति है इसके बारे में एटीएस टीम उसकी कुंडली खंगालने में जुट गई है।इससे पहले एटीएस टीम ने कईयों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज चुकी है। अवैध धर्मांतरण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में दो दिनों के भीतर सबसे बड़े आपरेशन में अब तक कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जानकार बताते हैं कि सभी आरोपियों से जांच एजेंसियां गहनता से पूछताछ कर रही है। गिरफ्तार सभी आरोपी शातिराना दिमाग वाले छांगुर बाबा के संपर्क में थे। खास बात यह है कि इस गोरखधंधे में कुछ महिलाएं भी शामिल हैं। सिलसिलेवार हो रही गिरफ्तारियां इस बात का संकेत दे रहीं हैं कि छांगुर बाबा से जुड़े लोगों की लंबी फेहरिस्त है।

सेना की बहादुरी का श्रेय न ले सरकार : उद्धव

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सवाल उठाया कि जब सेना ने साहस दिखाया, तो फिर सरकार ने उनके कदम क्यों रोके? क्या सरकार किसी दबाव में थी? उन्होंने कहा कि सेना की बहादुरी का श्रेय किसी सरकार को नहीं जाना चाहिए। उद्धव ने ये बातें पार्टी के मुखपत्र सामना को दिए इंटरव्यू में कहीं। दरअसल विपक्ष के सभी नेता 21 जुलाई से शुरू हो रहे मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर का मुद्दा उठाने वाले हैं। भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम पर डोनाल्ड ट्रम्प के दावों पर भी विपक्ष सरकार से जवाब चाहती है।

'ड्रोन या सुपर कॉप नहीं जो मनमर्जी से कार्रवाई करें'

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्यशैली पर सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि ईडी कोई ड्रोन नहीं है जो अपनी मर्जी से कहीं भी हमला कर दें, और न ही वह कोई सुपर कॉप है जो हर उस मामले की जांच शुरू कर दें जो

■ ईडी की कार्यशैली पर हाईकोर्ट की टिप्पणी

उसके संज्ञान में आए। यह टिप्पणी हाईकोर्ट की दो सदस्यीय पीठ न्यायमूर्ति एमएस रमेश और न्यायमूर्ति वी लक्ष्मीनारायणन ने की। वे चेन्नई स्थित आरकेएम पावरजेन प्राइवेट लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई कर रहे थे, जिसमें कंपनी ने ईडी की तरफ से 901 करोड़ रुपये की फिक्स्ड डिपॉजिट जब्त करने के आदेश को चुनौती दी थी।

मामले में कोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए कहा कि ईडी कोई घूमता हुआ बम नहीं है जो जहां चाहे वहां फट जाए। उसे हर बात में कूदने का अधिकार नहीं है। बेंच ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून (पीएमएलए) की धारा 66(2) के मुताबिक, अगर जांच के दौरान ईडी को किसी अन्य कानून के उल्लंघन की जानकारी मिलती है, तो वह खुद उस अपराध की जांच नहीं कर सकती। पीठ ने कहा कि ईडी उस एजेंसी को जानकारी देनी होती है, जो उस अपराध की जांच के लिए अधिकृत है। कोर्ट ने यह भी कहा कि ईडी को किसी भी मामले की जांच तभी करनी चाहिए जब प्रारंभिक अपराध मौजूद हो और उसके कारण अपराध की आय उत्पन्न हुई हो। बिना इसके ईडी सीधे जांच नहीं कर सकती। बता दें कि यह मामला छत्तीसगढ़ में कोयला खदान आवंटन को लेकर 2014 में दर्ज सीबीआई की एक एफआईआर से जुड़ा है। हालांकि 2017 में सीबीआई ने इस मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी थी, जिसमें कहा गया कि कोई गड़बड़ी नहीं मिली। लेकिन सीबीआई कोर्ट इस रिपोर्ट से सहमत नहीं हुई और कुछ बिंदुओं पर आगे जांच का आदेश दिया।

पार्टी नहीं, देश पहले : शशि थरूर

कोच्चि। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से कांग्रेस और सांसद शशि थरूर के बीच चल रहा मनमुटाव अब खुलकर सामने आ गया है। थरूर ने एक बार फिर कांग्रेस को अपना अडिग रवैया दिखाया है। हाल ही में एक छात्र के

■ कांग्रेस नेतृत्व से चल रहा मनमुटाव और गहराया

सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने साफ कह दिया कि चाहे जितनी आलोचना हो, वह अपने रुख पर कायम रहेंगे, क्योंकि उनका मानना है कि यह देश के लिए सही है। तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर कोच्चि में एक कार्यक्रम में थे, तभी एक हाई स्कूल के छात्र ने उनसे पार्टी के साथ उनके असहज संबंधों के बारे में सवाल पूछ लिया। थरूर ने अपनी टिप्पणी का वीडियो शेयर करते हुए एक्स पर लिखा, हालांकि मैं ऐसी राजनीतिक चर्चाओं से दूर रहता हूं,

लेकिन मुझे लगा कि एक छात्र को जवाब मिलना चाहिए। उन्होंने अपनी बात समझाते हुए कहा, दुर्भाग्य से, या जैसे भी कह लें, किसी भी लोकतंत्र में राजनीति हमेशा प्रतिस्पर्धा पर आधारित होती है। जब मेरे जैसे लोग कहते हैं कि हम अपनी पार्टियों का सम्मान करते हैं, हमारे कुछ ऐसे मूल्य और विश्वास हैं जो हमें अपनी पार्टियों में बनाए रखते हैं, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में हमें दूसरी पार्टियों के साथ भी सहयोग करने की जरूरत है।

घोड़े से गिरकर घायल हुईं मीनाक्षी लेखी

पिथौरागढ़। कैलाश मानसरोवर यात्रा के दूसरे दल में शामिल पूर्व केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी तिब्बत के दारचिन में घोड़े से गिरकर घायल हो गईं। उनकी कमर में गंभीर चोट आई है। मीनाक्षी लेखी कैलाश मानसरोवर यात्रा के दूसरे दल में शामिल थी। सूत्रों के मुताबिक शनिवार यात्री तिब्बत के दारचिन में पहुंचे थे और मीनाक्षी लेखी घोड़े पर सवार थीं। इसी बीच वह घोड़े से गिर गईं। जमीन पर गिरने से उनकी कमर में गंभीर चोट आ गई। उन्हें यात्रा मार्ग पर संचालित अस्पताल ले जाया गया जहां उनका एक्स-रे हुआ इसमें उनकी रीढ़ की हड्डी में चोट लगने की पुष्टि हुई। उनकी हालत को देखते हुए उन्हें वापस भारत लाने का निर्णय लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, उन्हें रेस्क्यू कर वापस लाया जा रहा है।

'करगिल युद्ध से पहले हुई थी वाजपेयी-नवाज की गुप्त वार्ता'

नई दिल्ली। करगिल युद्ध शुरू होने से कुछ हफ्ते पहले भारत के तत्कालीन पीएम अटल बिहारी वाजपेयी और पाकिस्तान के

पीएम नवाज शरीफ की सरकारों के बीच जम्मू-कश्मीर मुद्दे को सुलझाने के लिए गुप्त वार्ता हुई थी। इसमें

■ किताब में दावा-चिनाब फॉर्मूले से कश्मीर को सांप्रदायिक आधार पर बांटने की चर्चा थी

चिनाब नदी के आधार पर राज्य को सांप्रदायिक आधार पर बांटने का प्रस्ताव रखा गया था। इसका खुलासा पत्रकार और लेखक अभिषेक चौधरी की नई किताब 'द बिलीवर्स डिलेमा : वाजपेयी एंड द हिंदू राइट्स पाथ टू पावर' में किया गया है।किताब के मुताबिक, वाजपेयी की 1999 की पाक यात्रा व लाहौर घोषणापत्र के बाद दिल्ली के एक होटल में पाक के पूर्व राजनयिक नियाज नाइक और भारत के मध्यस्थ आरके मिश्रा के बीच 5 दिन तक गुप्त वार्ता हुई। इस दौरान दोनों ने कश्मीर मुद्दे का समाधान तलाशने की कोशिश की थी। इन बैठकों में वाजपेयी ने दोनों को 'नई सोच' अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके बाद नाइक और मिश्रा ने मिलकर चिनाब फॉर्मूला तैयार किया। इसके तहत चिनाब नदी के पश्चिमी हिस्से के मुस्लिम बहुल जिलों को पाक को देना था। पूर्वी हिस्से के हिंदू बहुल जिलों को भारत में बनाए रखना था। किताब में बताया गया है कि इस फॉर्मूले से पहले कई अन्य विकल्पों पर भी चर्चा हुई थी, जैसे- नियंत्रण रेखा को अंतरराष्ट्रीय सीमा मानना (नाइक ने खारिज किया), कश्मीर को स्वायत्तता देना (नाइक ने खारिज किया), कश्मीर को स्वतंत्र करना (मिश्रा ने खारिज किया) और क्षेत्रवार जनमत संग्रह (मिश्रा ने खारिज किया)। 1 अप्रैल 1999 को इस्लामाबाद लौटने से पहले नाइक ने वाजपेयी से मुलाकात की।

'तेज होने के लिए कभी-कभी धीमा होना जरूरी'

वॉशिंगटन। भारतीय अंतरिक्षयात्री शुभांशु शुक्ला ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया है। इस वीडियो में शुभांशु अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन

■ शुभांशु शुक्ला ने पोस्ट किया आईएसएस का वीडियो

पर योग करते दिख रहे हैं। इस वीडियो के साथ शुभांशु ने लिखा कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचने के बाद से ही तय समयसीमा में अपने कामों और प्रयोगों को करने में व्यस्त थे। शुरुआत में यह थोड़ा चुनौतीपूर्ण होता है क्योंकि आप सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण (माइक्रोग्रैविटी) में चलना सीख रहे होते हैं और स्टेशन के बारे में जान रहे होते हैं। शुभांशु शुक्ला ने लिखा कि यह वीडियो मिशन के कुछ दिनों बाद का है जब मैं आखिरकार अपनी गतिविधियों पर बेहतर नियंत्रण कर पा रहा था। मैं बस स्थिर रहना चाहता था,

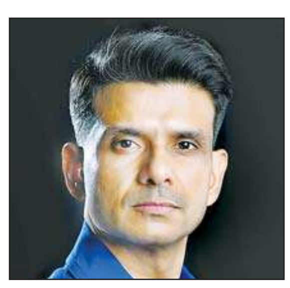

लेकिन इसमें असफल हो रहा था। कोई भी छोटी सी गड़बड़ी अंतरिक्ष में आपके शरीर को हिला सकती है और पूरी तरह से स्थिर रहने के लिए बेहद कौशल की जरूरत होती है। इस तेज गति से भागती दुनिया में हमारे मन की तरह। आज कुछ समय के लिए स्थिर रहें। तेज होने के लिए कभी-कभी धीमा होना भी जरूरी है। एक्सिओम-4 मिशन के तहत आईएसएस पर 18 दिन बिताने के बाद शुभांशु शुक्ला बीती 15 जुलाई को धरती पर वापस लौट आए हैं।

अमरनाथ यात्रियों का एक और जत्था रवाना

जम्मू। दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर में बाबा बर्फानी के दर्शन करने के लिए भगवती नगर आधार शिविर से 900 महिलाओं सहित 4,388 तीर्थयात्रियों का 20वां जत्था रविवार को रवाना हुआ। अनंतनाग में नुनवान-पहलगाम और गांदरबल में बालटाल मार्गों से यह 38 दिवसीय वार्षिक यात्रा तीन जुलाई को शुरू हुई थी। उन्होंने बताया कि अब तक 2.90 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार, दोनों मार्गों पर यात्रा सुचारू रूप से जारी है और आज दिन में तीर्थयात्रियों की संख्या तीन लाख के आंकड़े को पार कर जाने की संभावना है। उन्होंने बताया कि 130 साधुओं एवं साध्वियों सहित तीर्थयात्रियों का एक और जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अलग-अलग काफिलों में आधार शिविर से पहलगाम और बालटाल के लिए रवाना हुआ।

'जितना चिल्लात है, ओतना चोटान थोड़े है'

नवकांत ठाकुर

'तू जेतना समझत हौ ओतना महान थोड़े है / खान तो लिखत हैं लेकिन पठान थोड़े है / हम ई मानित है मोहब्बत में चोट खाईस है / जितना चिल्लात है ओतना चोटान थोड़े है / 'रफ़ीक' मेकअप औ मेंहदी के ई कमाल है सब / तू जेतना समझत हौ ओतनी जवान थोड़े है।' इन पंक्तियों के लेखक रफ़ीक शादानी साहब ने दिखावे के पीछे की हकीकत को जिस सरलता से सामने रखा है उतनी सहजता समाज के किसी भी क्षेत्र में कतई सुलभ नहीं है। खास तौर से सियासत में तो बिल्कुल भी नहीं। अलबत्ता व्याकरणाचार्यों से अग्रिम माफी के साथ संधिविच्छेद और शब्दार्थ के लिए थोड़ी स्वतंत्रता मांगते हुए अगर सियासत को 'सियाह' और 'असत' का सम्मिलत रूप, या फिर 'स्याह असत्य' का प्रतिरूप कहें, तो शायद गलत नहीं होगा। ऐसा इसलिए,

नज़र और नज़रिया

क्योंकि सियासत में 'सत' यानी 'सत्य' का वजूद उतना ही रहता है जितना 'गुलाब जामुन' में 'गुलाब' और 'जामुन' का। यानी सिर्फ नाम भर के लिए, वर्ना इसका पूरा आधार, विस्तार और प्रचार अक्सर 'असत' पर ही टिका होता है। रफ़ीक के शब्दों में कहें सियासत 'मेकअप औ मेंहदी' के दम पर ही लुभाती, ललचाती और आकृष्ट करती है और इसके दिखावे की हकीकत आम तौर पर बिल्कुल ही अलग–उलट और काफी हद तक इतनी विकृत–विद्रूप होती है, कि जो सामने आ जाए तो कोई उसके सामने भी ना पड़ना चाहे।

'तिल का तार' बनाना हो या 'राई को पहाड़' बताना हो। 'शिखर को सपाट' दिखाना हो या 'संपूर्ण को शून्य' साबित करना हो। इस सबमें सियासत को इस कदर महारथ हासिल है कि पूरे आत्मविश्वास के साथ उस पर उंगली उठाना भी अच्छे–अच्छों के लिए संभव नहीं हो पाता है। तभी तो पैदा होने के फौरन बाद देवकी मैया ने श्रीकृष्ण को यशोदा मैया के पास भेजने से पहले किस नाम से पुकारा था, इस बेतुकी जिज्ञासा को तूल देकर जगतगुरु रामभद्राचार्य जी के परमप्रिय सुयोग्य शिष्य आचार्य अनिरुद्धाचार्य की विद्वता पर प्रश्नचिन्ह लगाने वाले का सवाल सही है या गलत, इस पर चर्चा भी नहीं हो सकी। वह भी तब, जबकि सबको पता है कि कोई नाम तो तब होगा, जब नामकरण संस्कार होगा। लेकिन अनिरुद्धाचार्य की आड़ लेकर कथावाचकों की जातिगत योग्यता पर छिड़ी बहस में अपने पुश्तैनी परंपरागत वोटबैंक की संवेदनाओं को सहलाने का काम बखूबी कर लिया गया और किसी को इस असली मंशा पर सवाल उठाने का मौका भी नहीं मिला। इसी प्रकार सैकड़ों करोड़ की विदेशी फंडिंग के दम पर देश की डेमोग्राफी बदल देने के मकसद से लव जिहाद और अवैध धर्मांतरण के जिला स्तर तक संचालित हो रहे राष्ट्रव्यापी नेटवर्क के मास्टरमाइंड छांगुर पीर के कानून के शिकंजे में आने के बाद भी मजाल है कि किसी भी कथित धर्मनिरपेक्षतावादी ने एक शब्द भी बोला हो। इस पर ऐसी शांति और सन्नाटा है, मानो कुछ हुआ ही ना हो। अलबत्ता लगे हाथों छांगुर को 'पीर' के बजाय 'बाबा' कहा जा रहा है ताकि चर्चा छिड़े भी तो 'बाबाओं' पर केंद्रित रहे। लेकिन 'शिखर को सपाट' दिखाने वाले ही 'तिल का तार' कैसे बनाते हैं, वह लाखों कांवड़ियों में से कुछ गिने–चुने की उद्दंडता को तूल दिए जाने और अदालती आदेश पर बांग्लादेशी घुसपैठियों और अवैध अतिक्रमणकारियों पर हो रही कार्रवाई को सांप्रदायिक चश्में से देखे जाने सरीखे मामलों से आसानी से समझा जा सकता है। बहरहाल, सियासत की इन्हीं विद्रूपताओं और विसंगतियों की ओर इशारा करते हुए वसीम बरेलवी साहब ने कहा है कि **'इस दौरे सियासत का बस इतना फ़साना है / बस्ती भी जलानी है, मातम भी मनाना है।'**

'जैसी नज़र, वैसा नज़रिया।'

भाजपा बन गई दलितों और गरीबों की दुश्मन

2027 में कांग्रेस की सरकार बनेगी तभी दलितों को अत्याचारों से मिलेगी निजात : राजेन्द्र पाल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति/जनजाति विभाग के चेयरमैन राजेन्द्र पाल गौतम ने कहा कि भाजपा दलितों और गरीबों की दुश्मन बन गई है। प्रदेश में भाजपा की सत्ता आने के बाद न सिर्फ दलितों का उत्पीड़न और उनके खिलाफ अपराध बढ़े हैं बल्कि उन्हें सामाजिक रूप से हाशिए पर ढकेलने का काम भी किया गया है। उनके मान-सम्मान और अस्मिता को कुचलने का एवं उनके हर प्रतीक का जो उनके स्वाभिमान से जुड़ा है उसे क्षत विक्षत करने का काम किया है। यह लोग अपनी खीझ मिटा रहे हैं। इस बात से परेशान हैं कि हजारों साल से इनके गुलाम रहे दलित क्यों अपना हक मांग रहे, क्यों पढ़ लिख कर इनकी बराबरी में बैठना चाह रहे हैं। भाजपा सरकार के यह मनुवादी लोग दलितों की प्रगति को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। 2027 में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद दलितों को मिलेगा इन अत्याचारों से निरकारण। इस अवसर पर प्रदेश चेयरमैन तनुज पुनिया, निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश कुमार सिंह, डा सीपी राय, राज बहादुर सिंह एवं डा मसूद अहमद, मनीष श्रीवास्तव हिंदवी, प्रो आर.बी. बौद्ध, पुनीत पाठक मौजूद रहे।

श्री गौतम ने कहा कि एक तरफ एनसीआरबी 2023 की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश दलितों के प्रति अपराध में एक नंबर पर था और प्रदेश में दलितों के खिलाफ अपराध घटने के बजाए बढ़ गए हैं। दुर्भाग्य यह है कि केन्द्र सरकार ने उसके बाद एनसीआरबी के आंकड़े ही नहीं जारी किए। सवाल गंभीर है कि भाजपा के शासनकाल में ऐसे दौर में जब आए दिन दलितों पर जुल्म की इंतेहाँ हो रही है उन पर पेशाब करने जैसी विकृत घटनाएं हो रही हैं, ऐसे दौर में भाजपा सरकार दलितों का मान-सम्मान, स्वाभिमान एवं उनकी सुरक्षा तो नहीं करपा रही है। आंकड़ों को छुपाकर सच पर पर्दा डलाने की कोशिश जरूर कर रही है। दलितों के खिलाफ अपराध के 51656 केस भारत में वर्ष 2022 में

दर्ज किए गए थे जिसमें सबसे ज्यादा मुकदमें 12287 लगभग 23.78 प्रतिशत प्रदेश में दर्ज किए गए थे। भारत में समानता बन्धुत्व स्थापित करने वाले संविधान रचायिता बाबा साहब डा भीमराव अम्बेड़कर की प्रतिमाएं पिछले सालों में जगह-जगह तोड़ी जा रही हैं। मानसिक रूप से विकृत लोग जो सोच से मनुवादी हैं जिन्हे समानता पसंद नहीं है ऐसे लोग बाबा साहब की प्रतिमाओं पर कालिख लगाते हैं उन्हें क्षत विक्षत करते हैं और योगी सरकार तमाशा देखती है। अगर हाल फिलहाल की घटनाओं पर नजर डाले तो अभी 30 जून को सुलतानपुर में आराजक तत्वों द्वारा डा अंबेडकर की प्रतिमा को छठवीं बार क्षतिग्रस्त किया गया। 25 जून को बरेली में दो जगहों पर बाबा साहब की प्रतिमा तोड़ी गई। बरेली में पिछले 2 वर्षों में डा अंबेडकर की प्रतिमाओं को तोड़ा और क्षतिग्रस्त किया गया है। 30 जून को बस्ती में डा अंबेडकर की प्रतिमा को आराजक तत्वों द्वारा खंडित किया गया है। 24 अप्रैल को जालौन में डा अंबेडकर की प्रतिमा तोड़ी गई है। योगी शासनकाल के पिछले आठ वर्षों में पूरे प्रदेश में सैकड़ों जगहों पर बाबा साहब डा अंबेडकर की प्रतिमाएं लगातार तोड़ी जा रही हैं। श्री गौतम ने कहा कि इन अत्याचारों के साथ तो दलित जी भी लेता मगर योगी सरकार ने जो सबसे बड़ा जुल्म किया वो है निशुल्क शिक्षा के केन्द्रों का बंद करना। पिछले कुछ वर्षों में 50 हजार से ज्यादा सरकारी विद्यालय बंद किए गए और आगे भी सरकार की मंशा इन्हें और ज्यादा बंद करने की है। कांग्रेस की सरकार में सब शिक्षित हो इस पुनीत मंशा के साथ न सिर्फ निशुल्क शिक्षा की व्यवस्था कराई बल्कि थोड़ी-थोड़ी दूर पर सरकारी विद्यालय खुलवाए जिससे सबसे ज्यादा फायदा दलित लड़कियों को मिला। श्री गौतम ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी की सरकार को इन सवालों के जवाब देने पड़ेंगे उन्हें बताना पडेंगा कि क्यों जातीय कुण्ठा से ग्रस्त दबंग और मनुवादी लोग क्यों इस सामाजिक न्याय की लड़ाई को समाप्त कर देना चाह रहे है और प्रदेश की योगी सरकार उन्हें ऐसा करने दे रही है।

विकास कार्यों के लिए धन की कमी नहीं : एके शर्मा

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने नगरीय विकास विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक में मंत्री ने स्वच्छ सर्वेक्षण में तीन से दस लाख की आबादी वाले बड़े शहरों में मुरादाबाद नगर निगम को 131वें स्थान से छलांग लगाकर 10 वें स्थान पर पहुंचने पर जनप्रतिनिधियों एवं समस्त जनपदवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के लिए धन की कमी नहीं है मंत्री ने मुरादाबाद को स्वच्छता में देश के टॉप-3 शहरों में शामिल करने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए कहा कि संकल्प, सहभागिता और सतत प्रयास से यह संभव है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में धन की कोई कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। बैठक में उन्होंने आउटर वार्डों में सड़कों के विस्तार, जलनिकासी की समस्याओं के स्थायी समाधान, और शहर के समग्र इंफ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक बनाने के निर्देश दिए। नगर विकास मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई की व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं संवेदनशील बनाया जाए,।

भाजपा युवा विरोधी, भविष्य को लेकर कोई रोडमैप नहीं

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा युवा विरोधी पार्टी हैं प्रदेश का युवा बेरोजगार है। भाजपा ने छात्रों, नौजवानों का भविष्य बर्बाद कर दिया है। आज छात्रों, युवाओं के पास नौकरी, रोजगार नहीं है। भाजपा सरकार ने सभी विभागों की नौकरियों को संविदा और आउटसोर्स करके नौजवानों की जिंदगी में अंधेरा कर दिया है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा साजिश के तहत विभागों का निजीकरण कर रही है। अब बिजली विभाग इस सरकार के निशाने पर है। बिजली व्यवस्था को अपने चहेतों को देकर सरकार बड़ी संख्या में युवाओं को नौकरी और आरक्षण से वंचित करने का षड़यंत्र कर रही है। भाजपा के पास युवाओं के भविष्य को लेकर कोई रोड मैप नहीं है। नौकरी, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य हर मुद्दे पर फेल भाजपा सरकार समाज में नफरत और भेदभाव फैलाने में जुट गयी है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में छात्रों को लगातार अपमानित किया जा रहा है। 69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण का मामला हो या मेडिकल और अन्य क्षेत्रों में, हर जगह युवा अपमानित किये जा रहे है। हक की मांग करने पर सरकार पुलिस से लाठीचार्ज कराकर युवाओं की आवाज दबा देती है। सपा मुखिया ने कहा कि राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में बड़ी तादाद में पद भरे जाने हैं, पर हो कुछ नहीं रहा है। प्रदेश में लाखों की संख्या में पढ़े-लिखे नौजवान भर्तियों का इंतजार करते हैं। परीक्षाओं की तैयारी करते है, लेकिन उन्हें निराशा ही मिल रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने युवाओं को नौकरी, रोजगार के झूठे सपने दिखाएं। बड़े-बड़े इन्वेस्टर मीट समिट किये। इसमें लाखों नौकरियों का दावा तो किया गया लेकिन जमीन पर कोई काम दिखाई नहीं दे रहा है। नौ साल की सरकार में प्रदेश में कहीं कोई फैक्ट्री और कम्पनी नहीं लगी। भाजपा सरकार के झूठ और उपेक्षित रवैये से युवा निराश और आक्रोशित है। 2027 के विधानसभा चुनाव में युवा भाजपा को सत्ता हटाकर अपने अपमान का बदला लेगा।

खबर एक नज़र

जश्न-ए-आजादी मनाने का संकल्प

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। जश्न ए तिरंगा ट्रस्ट ने 15 अगस्त को होने वाले कार्यक्रम के लिए विचार विमर्श किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष मुरलीधर आहूजा के नेतृत्व में आयोजित बैठक में सात दिवसीय जश्न ए आजादी मनाने का संकल्प लिया गया। डॉ. आदर्श त्रिपाठी द्वारा कैम्पवेल रोड अंबेडकर पार्क में स्वास्थ्य मेला लगाया जाएगा। स्कूलों में वृक्षारोपण किया जाएगा। प्रसिद्ध कवि वेदव्रत बाजपेयी जी के नेतृत्व में बच्चों द्वारा शहीदों की गाथा का वर्णन किया जाएगा। वौमिक खान द्वारा रानी लक्ष्मीबाई और बेगम हजरत महल पर नाट्य प्रस्तुति की जाएगी। अवध रॉयल परिवार के नवाब सैयद मोहम्मद द्वारा पुरस्कार और सम्मान किया जाएगा। निगहत खान, मंजू श्रीवास्तव मीडिया फोटोग्राफर्स क्लब,मो. फहीम,कुदरत खान, डॉ. जय जयराम उपाध्याय सहित विभिन्न समुदायों के लोग शामिल होंगे।

जनता जलभराव और गंदगी से परेशान

स्वतंत्र भारत रोजिनी नगर । सरोजनी नगर में कूड़ा और जलभराव के कारण गंदगी का अंबार लगा हुआ है और नालियों में जहरीले मच्छर पनप रहे हैं. क्षेत्रवासियों को जाने आने में बड़ी ही कठिन समस्याओं का सामना करना पड़ता है प्राथमिक विद्यालय दारोग़ा खेड़ा के सामने स्थित रोड नाले की सफाई न होने के कारण हमेशा जलमग्न रहती है जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है यह नगर निगम जोन आठ की घोर लापरवाही है वहीं स्कूली बच्चों को निकलने के लिए बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नगर निगम के अधिकारियों को बार बार कहने के बावजूद भी अभी तक इसका कोई समाधान नहीं किया गया है कहना है कि बिजली पासी वार्ड नं. द्वितीय में कई जगह जलभराव के कारण इतना अधिक मच्छर है और ना कीटनाशक दवा का छिड़काव नहीं हो रहा। क्षेत्रवासियों का कहना है कि इस समस्या का कोई भी समाधान नहीं करता क्षेत्रीय पार्षद भी ध्यान नहीं देते हैं। राकेश कुमार सिंह पूर्व प्रधान संघ अध्यक्ष ने बताया नगर निगम के अधिकारी आंख पर पट्टी बांधकर बैठे हुए हैं इनको जनता के दर्द का एहसास ही नहीं होता है उन्होंने बताया बरसात के पहले बस्तियों की नाली और नालों की सफाई हो जानी चाहिए थी वह भी नहीं हुई और नाली, नाले सफाई न होने की वजह से रोड जलमग्न हो रही है इतनी कम वर्षात में यह हाल है । आखिर जनता किसके पास जाएं इस परेशानी का समाधान आखिर कौन करेगा।

न्याय की लगाई गुहार

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। हमीरपुर के ग्राम कुपरा निवासी हनुमान मिश्रा ने अपनी जमीन पर चल रही अवैध मौरंग खुदाई की शिकायत की थी, जिसके बाद खनन माफियाओं ने उन पर जानलेवा हमला किया और पुलिस की मिलीभगत से झूठे मुकदमे दर्ज करा दिए गए। प्रार्थी ने कई बार अधिकारियों को अपनी आपबीती बताई, लेकिन हर बार मामले को टाल दिया गया। प्रशासनिक लापरवाही और पुलिस की पक्षपातपूर्ण भूमिका ने प्रार्थी को आत्महत्या जैसे खतरनाक विचारों की ओर धकेल दिया है। प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री से निष्पक्ष जांच की मांग की। खनन माफियाओं के जाल और उनके राजनीतिक संरक्षण का पर्दाफाश करने पर जोर दिया। भगवती मानव कल्याण संगठन के जरिए अनुरोध किया है कि उनकी आवाज को उठाएं और शासन-प्रशासन तक पहुंचाएं, जिससे उसे न्याय मिल सके और वह शांतिपूर्वक अपना जीवन यापन कर सके।

लखनऊ-झांसी पैसेंजर 29 से पांच दिनों तक रहेगी निरस्त

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के कानपुर रेल खंड स्थित जैतीपुर स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते ट्रेनों की आवाजाही में फेरबदल किया गया है। जिसके तहत लखनऊ जंक्शन-झांसी पैसेंजर ट्रेन (51813/51814) को 29 जुलाई से 2 अगस्त तक पूरी तरह निरस्त किया गया है। इस अवधि में कुल 37 ट्रेनें प्रभावित होंगी, जिनमें से कुछ को रास्ते में रोका जाएगा। कुछ का स्टॉपेज हटाया जाएगा और कुछ बदले समय से चलेंगी। सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी ने बताया कि जैतीपुर यार्ड में कार्य के चलते 22 जुलाई से 2 अगस्त तक शताब्दी एक्सप्रेस (12004), राप्तीसागर (12511), साबरमती एक्सप्रेस (19410), बरौनी-ग्वालियर मेल (11124), गोरखपुर-यशवंतपुर (12591), दरभंगा-दिल्ली स्पेशल (04071), ओखा-गोरखपुर (15046), एर्नाकुलम एक्सप्रेस (12521) और जनसाधारण एक्सप्रेस (15269) समेत कुल 24 ट्रेनों को रास्ते में 15 मिनट से ढाई घंटे तक रोका जाएगा। जैतीपुर स्टेशन पर इन ट्रेनों का स्टॉपेज नहीं होगा जैतीपुर स्टेशन पर कुछ ट्रेनों का ठहराव आंशिक या पूर्ण रूप से रद किया गया है। 23 जुलाई से 2 अगस्त तक 55345 लखनऊ-कासगंज पैसेंजर, 64203 लखनऊ जंक्शन-कानपुर सेंट्रल मेमू, 64211, 64255 उत्तरेठिया-कानपुर मेमू का स्टॉपेज जैतीपुर पर नहीं होगा। 31 जुलाई से 2 अगस्त तक 55346 कासगंज-लखनऊ पैसेंजर, 64204, 64212, 64214 (कानपुर से लखनऊ की ओर चलने वाली मेमू सेवाएं) जैतीपुर स्टेशन पर नहीं रुकेंगी। इसके अलावा 51814 लखनऊ-झांसी पैसेंजर 23 से 28 जुलाई तक जैतीपुर में नहीं रुकेगी।

सावन मास में प्रतिदिन नागेश्वर महादेव की आराधना करने से पूरी होती है हर मनोकामना

स्वतंत्र भारत बीकेटी। बख्शी का तालाब कस्बे में स्थित ऐतिहासिक नागेश्वर महादेव की महिमा आसपास के सैकड़ों गांवों तक फैली है। यहां दूर-दूर से लोग बाबा को पूजने आते हैं। कहते हैं, कि सावन मास में प्रतिदिन महादेव की आराधना करने से हर मनोकामना पूरी होती है।यही वजह है कि यहां सावन के सोमवार को ही नहीं बल्कि पूरे मास भक्तों का जमावड़ा लगा रहता है। बता दें कि नगर पंचायत बख्शी का तालाब में इस नागेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण 1226-1236 हिजरी के मध्य हुआ था। अवध सल्तनत के वजीर त्रिपुरचन्द बख्शी ने उस जमाने में इस अनाम जंगल में एक भव्य पक्का तालाब, बाँके बिहारी मंदिर (ठाकुरद्वारा), नागेश्वर महादेव मंदिर, कई बारादरियां निर्मित कराई थीं।साथ ही, बख्शी जी ने नागेश्वर महादेव मंदिर के पास ही ऐतिहासिक तालाब के चारों तरफ विशाल बगीचे लगवाए थे। आज बागों और बारादरियों की जगह सैकड़ों मकान खड़े हैं। ठाकुरद्वारा भी अंतिम सांसें ले रहा है। इस प्राचीन जर्जर शिवालय का कायाकल्प गाय वाले बाबा ने अपने भक्तों से करवा दिया था। ऐतिहासिक तालाब का आधा-अधूरा जीर्णोद्धार निवर्तमान नगर पंचायत चेयरमैन सुमन रावत ने कराया था। बख्शी जी द्वारा निर्मित एतिहासिक तालाब में पानी को तरस रहा है।मंदिर के पास ऐतिहासिक त्रिपुर चंद्र बख्शी का तालाब, ठाकुरद्वारा व बड़ी बाजार स्थित है। इलाकाई लोगों की मान्यता है कि मंदिर में स्थित शिव प्रतिमा स्वतः ही धरती से प्रकट हुई थी। भक्तों की मनौती है, कि यहां सावन मास में नियमित आराधना करने पर हर प्रकार की मनोकामना पूरी होती है। यहां पर नागपंचमी, महाशिवरात्रि समेत कई विशेष पर्वों पर मेला लगता है, और बाबा की झांकी सजती है।

शिवलिंग पर जरूर चढ़ाएं गंगा जल

भगवान शिव एक ऐसे देवता हैं, जो सिर्फ जल चढ़ाने मात्र से ही प्रसन्न हो जाते हैं, और साधक को मनचाहा वरदान प्रदान करते हैं।ऐसे में उनकी जटाओं से होकर बहने वाली मां गंगा के पवित्र जल को प्रतिदिन शिवलिंग पर जरूर चढ़ाएं। मान्यता है, कि जो शिव भक्त पूरे श्रावण मास में शिवलिंग पर गंगा जल चढ़ाते है, उसकी बड़ी से बड़ी मनोकामना शीघ्र ही पूरी होती है।

इन पत्तों से पूरी होगी मनोकामना

भगवान शिव की पूजा में गंगाजल की तरह कुछेक पेड़-पौधों की पत्तियां चढ़ाने से भी भगवान भोलेनाथ की कृपा बरसती है।मान्यता है कि सावन के महीने में शिव पूजा करते समय बेलपत्र, शमीपत्र को चढ़ाने से भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होते हैं, लेकिन इन पत्तियों को चढ़ाते समय हमेशा उसका वज्र भाग यानि की डंठल का मोटा भाग जरूर तोड़ देना चाहिए और इन दोनों ही पत्तियों को उलटा करके शिव को अर्पित करना चाहिए।

महज कागजों तक सीमित है संचारी रोग नियंत्रण अभियान की कवायद

स्वतंत्र भारत बीकेटी। स्थानीय विकास खंड में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत गांवों में साफ-सफाई और कीटनाशकों के छिड़काव के मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देश दिए गए हैं, लेकिन हकीकत में बीकेटी विकासखंड के सींवा गांव में सार्वजनिक जगहों पर झाड़ियां लगने के साथ साथ गंदगी फैली हुई है और लोग बीमारी का शिकार हो रहे हैं। इससे साफ जाहिर है कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान का असर सीवा गांव तक नहीं पहुंचा है। ग्राम पंचायत सींवा के ग्रामीणों ने बताया कि प्रधान प्रतिनिधि और सचिव की मनमानी के चलते गांव में बना सामुदायिक शौचालय केंद्र के बाहर उगी बड़ी बड़ी घास सहित झाड़ियां संचारी रोग नियंत्रण अभियान को मुंह चिढ़ा रही है। सामुदायिक शौचालय केंद्र सार्वजनिक जगह होने के चलते यहां पर लोगों का आवाग़मन बना रहता है। लेकिन इस जगह पर लापरवाही होने से इस बात से अंदेशा लगाया जा सकता है कि गांव की क्या स्थित होगी आरोप है कि यहां जलनिकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण गांव की नालियां गंदगी से भरी पड़ी रहती हैं। नालियों को देखकर ऐसा लगता है, कि शायद ही कभी इनकी साफ-सफाई की गई होगी।गांव के ग्रामीणों ने बताया कि यहां प्रधान नहीं बल्कि उनके प्रतिनिधि काम देखते हैं।कई बार कहा गया लेकिन उन्होंने गांव में न तो साफ सफाई करवाई और न ही कीटनाशकों के छिड़काव करवाया। बरसात के इस मौसम में गांव स्वर्ग की बजाए नरक लग रहा है।यहां नालियां गंदगी और पानी से भरी हुई हैं। गंदगी से भरी नालियों को साफ करने के लिए यहां सफाई कर्मी कभी कदापि आते हैं।बता दें कि संचारी रोगों के नियंत्रण के लिए दस महत्वपूर्ण विभाग को सहभागी बनाया गया।प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग को बीमारियों के कारण, बचाव आदि के प्रति जागरूक करने, पशुपालन विभाग को सुअरबाड़ा को आबादी से दूर बनाने और छुट्टा न छोड़ने के लिए पालकों को प्रेरित करने, कृषि विभाग को चूहों के बिलों को बंद करने, सिचाई विभाग को नालियों आदि का पानी न बहने देने के लिए लोगों को जागरूक करने जिम्मा दिया गया है। साथ ही नगर पंचायत और पंचायत विभाग को साफ-सफाई का अहम दायित्व सौंपा गया, गांवों में दवाओं का छिड़काव तो दूर साफ-सफाई तक नहीं हो रही है।

बोले जिम्मेदार

एडीओ पंचायत विवेक शुक्ला ने बताया संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत सभी विभागों को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जहां पर साफ-सफाई नहीं हो रही है। वहां के जिम्मेदारों को निर्देशित किया जाएगा।

यूपी और महाराष्ट्र में निजीकरण को लेकर आंदोलन की चेतावनी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। ऑल इण्डिया पॉवर इंजीनियर्स फेडरेशन की फेडरल काउंसिल की लखनऊ में हुई बैठक में फेडरेशन ने भारत सरकार और राज्य सरकारों से अपील की है कि किसानों और गरीब उपभोक्ताओं के व्यापक हित में पॉवर सेक्टर का निजीकरण रोका जाये और पॉवर सेक्टर को सार्वजनिक क्षेत्र में बनाये रखा जाये। फेडरेशन ने चेतावनी दी है कि यदि उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में किये जा रहे बिजली के निजीकरण को तत्काल निरस्त न किया गया तो देश के तमाम बिजली इंजीनियर, बिजली कर्मचारियों के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के बिजली कर्मियों के समर्थन में सड़क पर उतर कर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। फेडरेशन ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने हित में बिजली कर्मियों के आंदोलन का समर्थन करें और निजीकरण की प्रक्रिया को रोकने में बिजली कर्मचिरियों का साथ दें। फेडरल काउंसिल की मीटिंग की अध्यक्षता ऑल इण्डिया पॉवर इंजीनियर्स फेडरेशन के चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे ने की। बैठक में सेक्रेटरी जनरल पी रत्नाकर राव, पैट्रन के अशोक राव, पीएन सिंह, सत्यपाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कार्तिकेय दुबे, संजय ठाकुर सहित फेडरल काउंसिल के वरिष्ठ पदाधिकारी सम्मिलित हुए। फेडरेशन ने कहा है कि उप्र में जिस प्रकार से निजीकरण किया जा रहा है उससे प्रदेश के मुख्यमंत्री की भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति की खुले आम धज्जियां उड़ रही हैं। झ फेडरेशन ने निजीकरण के नाम पर उत्तर प्रदेश में बिजली कर्मियों के किये जा रहे दमन की कठोर शब्दों में निन्दा करते हुए कहा है कि भय का वातावरण बनाकर दमन के बल पर निजीकरण नहीं होने दिया जायेगा। फेडरेशन ने कहा कि उप्र में बिजली कर्मियों का हजारों की संख्या में ट्रांसफर किया गया, बिजली कर्मियों का फेसियल अटेंडेंस के नाम पर वेतन रोक दिया गया, संगठनों के शीर्ष पदाधिकारियों पर विजिलेंस जांच कराकर एफआईआर करायी गयी और अत्यन्त अल्प वेतन भोगी संविदा कर्मियों की बड़े पैमाने पर छंटनी की गयी। फेडरेशन ने इन सभी दमनात्मक कार्रवाईयों को वापस लेने की मांग की है। फेडरल काउंसिल की बैठक में तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, दामोदर घाटी निगम, झारखण्ड, जम्मू, कश्मीर, पंजाब, उत्तराखण्ड, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के विद्युत अभियंता संघों के अध्यक्ष, महामंत्री और वरिष्ठ पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया।

सदन में आप उठाएगी स्कूलों को बंद करने का मामला

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि सोमवार से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र में उत्तर प्रदेश में 27000 परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों को बंद करने के मामले को पूरी मजबूती से उठाऊंगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने सरकारी प्राथमिक विद्यालयों को बेहतर संसाधन देने की बजाय बंद करने की योजना निकाली है। विद्यालय के बंद होने से गरीब, दलित, अल्पसंख्यक और पिछड़े समाज के बच्चों को कंपोजिट विद्यालय में पढ़ने के लिए कई किलोमीटर दूर जाना पड़ रहा है। रास्ते में जंगल, रेलवे क्रॉसिंग और हाइवे जैसी तमाम बाधाएं पार करके बच्चों को जाना पड़ता है, जिसके चलते हजारों बच्चों की पढ़ाई रुक गई है। उन्होंने कहा कि स्कूलों को बंद कर सरकार अपनी नाकामी छुपा रही है। योगी सरकार के इस निर्णय के खिलाफ आम आदमी पार्टी सड़क से संसद तक और फिर सुप्रीम कोर्ट तक इस लड़ाई को लड़ेगी। उन्होंने बताया कि 21 जुलाई से चलने वाले संसद सत्र में भी स्कूलों को बंद करने के खिलाफ आवाज उठाऊंगा। उन्होंने कहा कि यह स्कूल बचाओ आंदोलन तब तक चलेगा, जब तक प्रदेश सरकार निर्णय को वापस नहीं लेगी।आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि डबल इंजन की सरकार चाहती है कि गरीबों के बच्चे अनपढ़ रहें और शिक्षा से दूर हो जाएं। लेकिन हम इस पर चुप नहीं बैठेंगे और स्कूल बचाओ अभियान को और मजबूती देते हुए आम आदमी पार्टी 2 अगस्त को लखनऊ में एक बड़ा आंदोलन करेगी। इस आंदोलन में शामिल होने के लिए आम आदमी पार्टी ने जनता से अपील कर एक नंबर - 75 0004 0004 जारी किया है।

जनाबे सकीना के कैद के मंजर को देख फूट-फूट कर रोए अज़ादार

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। अंजुमन गुलजारे पंजतन की ओर से हर साल की तरह इस साल भी मोर्हरम महीने के अंतिम रविवार को हुसैनाबाद के छोटे इमामबाड़े में याद-ए-जनाब-ए-सकीना का आयोजन किया गया। दोपहर दो बजे से शुरू हुआ। जिसका आगाज तिलावते कलामे पाक से हुआ। इसके बाद शायरों ने बारगाहे इमाम हुसैन में अपने कलामों से नजराना-ए-अकीदत पेश की। मजलिस को मौलाना हैदर अब्बास दानिश ने खिताब किया। मजलिस के दौरान मौलाना ने इमाम हुसैन और उनकी चार साल की बेटी जनाबे सकीना पर हुए जुल्मों को बयान किया। जिसको सुनकर अकीदतमंद अश्कबार हो उठे। मौलाना ने कहा कि इमाम हुसैन की चार साल की बेटी को तीन दिन भूखा और प्यासा रखे जाने के बाद उन्हें मैदाने कर्बला से शाम ले जाया गया, जहां उन्हें कैद कर दिया गया। उसी कैदखाने में बीबी सकीना शहीद हो गईं। यादे सकीना में जनाबे सकीना के चाहने वालों को उसी कैदखाना-ए-शाम की शबीह की जियारत कराई गई। उस कैदखाने की शबीह की जियारत करते ही अकीदतमंद फूट फूटकर रोने लगे। मजलिस के बाद जीशान आजमी शान ने तकरीर में बीबी जनाबे सकीना पर हुए जुल्म और अपने वालिद इमाम हुसैन से उनकी मोहब्बत और फूफी जनाबे जैनब और भाई इमाम जैनुलआब्दीन के साथ गुजरी मुसीबतों का जिक्र किया। इस दौरान अजादारों को हजरत अब्बास के अलम, इमाम जैनुलआब्दीन अस के ताबूत, हजरत अली असगर के झूले और दुलदुल की भी जियारत करवायी गयी। कार्यक्रम में शहर की विभिन्न अंजुमनों ने नौहाख्वानी व सीनाजनी और कमा व जंजीर जनी करके इमाम हुसैन को उनकी चहेती बेटी जनाबे सकीना का पुरसा दिया। यादे जनाबे सकीना की अलविदाई मजलिस को मौलाना मोहम्मद अरशद जाफरी ने खिताब किया। इसके बाद आयोजक अंजुमन गुलजारे पंजतन ने नौहाख्वानी व सीनाजनी की। अंजुमन के साहबे बयाज दिलावर हसन ने कैद खाने में यह कहती थी सकीना भाई, जुल्म आदां ने किया हम पे यह कैसा भाई, नौहा पढ़ा। जिस पर अक़ीदतमंदों ने सीनाजनी करके जनाबे सकीना को याद किया। इस दौरान बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने खासतौर से महिलाओं और छोटी बच्चियों ने शिरकत की।

दलित शोषित पिछड़ा वर्ग अधिकार दल का शिल्पकार सम्मेलन संपन्न

समाज को नेतृत्व, न्याय और आरक्षण की लड़ाई का भरोसा : डा. संजय निषाद

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। प्रजापति समाज द्वारा दलित शोषित पिछड़ा वर्ग अधिकार दल के बैनर तले आयोजित विशाल शिल्पकार अधिकार सम्मेलन में प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री व निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा संजय कुमार निषाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में समाज के प्रतिनिधि, युवा, माताएं और बुजुर्ग उपस्थित हुए। डा निषाद ने अपने संबोधन में कहा कि प्रजापति और निषाद समाज दशकों से एक जैसी ऐतिहासिक उपेक्षा का शिकार रहा है। 1961 की जनगणना मैन्युअल में इन समाजों को अनुसूचित जाति में दर्ज किया गया था, किंतु पूर्व की सरकारों ने धोखे से इन्हें पिछड़े वर्ग में डाल दिया, जिससे यह समाज आरक्षण और अधिकारों से वंचित हो गया।

उन्होंने कहा कि अब समाज केवल मजदूरी नहीं करेगा, बल्कि नेतृत्व भी करेगा। जिसने देश को बनाया है, अब वही समाज देश की नीतियाँ बनाएगा। इस कार्यक्रम में दलित

शोषित पिछड़ा वर्ग अधिकार दल के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने निम्न माँगें दोहराईं जिनमें 1961 की जनगणना मैन्युअल के आधार पर अनुसूचित जाति का दर्जा बहाल किया जाए। प्रजापति, निषाद, कश्यप, बिंद, सागर, मल्लाह आदि समाजों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सुनिश्चित हिस्सेदारी दी जाए। राज्य और केंद्र सरकार की सभी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के पहुँचाया जाए। समाज की राजनीतिक हिस्सेदारी को बढ़ाने के लिए सभी संवैधानिक रास्तों से लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि आपका और अपने समाज का दर्द मैं जानता हूं मुझे यह कहने में संकोच नहीं कि प्रदेश में मुझसे पहले भी मत्स्य मंत्री रहे, परंतु तब केवल एकमात्र योजना मत्स्य पालक विकास योजना के सहारे मछुआ समाज को आगे बढ़ाने का प्रयास किया गया। जब मैंने मंत्री पद की ज़िम्मेदारी संभाली, तब मेरे सामने सबसे बड़ा लक्ष्य था मछुआ समुदाय को मुख्यधारा से जोड़ना और उनके जीवन में ठोस परिवर्तन लाना। आज मुझे गर्व है कि प्रदेश में मछुआ समाज के लिए अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ हज़ारों परिवारों तक पहुँच रहा है। जिनमें प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, मछुआ दुर्घटना बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, सघन मत्स्य पालन एरियेशन सिस्टम, निषाद राज बोट योजना, माता सुकेता केज सिस्टम, मत्स्य पालक कल्याण कोष सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। यह बदलाव केवल योजनाओं का नहीं है, यह बदलाव मछुआ समाज की सोच, सम्मान और सशक्तिकरण का है। मेरा संकल्प है कि जब तक एक भी मछुआ परिवार पिछड़ा हुआ है, तब तक हमारी योजनाएँ और हमारी मेहनत रुकेगी नहीं। आपके दर्द को मैंने अपना कर्तव्य बना लिया है। अब हमारा समाज वोट बैंक नहीं, सत्ता भागीदार बनेगा। जिसे वर्षों तक गुमनाम रखा गया, अब वह समाज खुद को नेतृत्व में लाएगा।

कांवड़ यात्रा को बदनाम करने वालों के लगेंगे पोस्टर : योगी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। कांवड़ यात्रा में तोड़फोड़ और उपद्रव करने वालों के योगी सरकार पोस्टर चस्पा करने के साथ ही उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने

सीएम ने दूधेश्वर मंदिर में किया रुद्राभिषेक

की तैयारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस यात्रा के सीसीटीवी हैं जिन्होंने कांवड़ यात्रा को बदनाम करने का प्रयास किया है। जो भी उपद्रवियों के भेष में छिपे हैं वह बेनकाब होंगे। कांवड़ यात्रा में जहां उत्साह और उमंग है, श्रद्धा और भक्ति है, वहीं इस उत्साह और श्रद्धा को बदनाम करने का कुंचित प्रयास किया जा रहा है।

सोशल मीडिया के साथ अन्य माध्यमों से इस धार्मिक यात्रा को बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है। इसे लोगों को अपने बीच में ना घुसने दें। कांवड़ को खंडित करने और श्रद्धा से जो खिलवाड़ करता है खुद कानून हाथ में ना लें बल्कि इसकी सूचना प्रशासन को दें। यह हर कांवड़ संघ, हर शिवभक्त का कर्तव्य है कि वे ऐसे उपद्रवियों की पहचान कर उन्हें बेनकाब करें।

सीएम ने दूधेश्वर मंदिर में किया रुद्राभिषेक

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार की गाजियाबाद के सिद्धपीठ दूधेश्वर नाथ महादेव मठ मंदिर पहुंचे। मंदिर में भगवान दूधेश्वरनाथ का विधिपूर्वक रुद्राभिषेक किया। साथ ही उन्होंने कांवड़ मेला का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दूधेश्वरनाथ मंदिर आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति का जीवंत प्रतीक है। दूधेश्वर पीठाधीश्वर श्रीमहंत नारायण गिरी महाराज के संरक्षण में हो रहे धार्मिक और सांस्कृतिक विकास की सराहना की। आधे घंटे तक रहे मंदिर परिसर में, कांवड़ मेले की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने जिलाधिकारी दीपक मीणा से कांवड़ मेले की व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली। मंदिर परिसर में कांवड़ियों के लिए किए गए प्रबंधों को देखकर प्रसन्नता जाहिर किया। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में चल रहे पर्यटन विभाग के तहत दूधेश्वरनाथ कोरिडोर निर्माण की भी जानकारी ली। मंदिर से होकर मुख्यमंत्री पुलिस लाइन गाजियाबाद पहुंचे। जहां से वे हेलीकॉप्टर द्वारा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों विशेष तौर पर मुजफ्फरनगर और मेरठ की सीमा से गुजरने वाले मार्गों पर चल रहे कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा किया। इस मौके पर गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग, विधायक संजीव शर्मा, महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल सहित कई नेता मौजूद रहे।

काशी घोषणापत्र का आग़ाज़, युवा शिखर सम्मेलन संपन्न

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। विकासशील भारत के लिए नशा मुक्त युवा विषय पर युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन आज वाराणसी के रुद्राक्ष अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में काशी घोषणापत्र को औपचारिक रूप से अपनाने के साथ

विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा बनाने में निभाए भूमिका : डॉ. मांडविया

संपन्न हुआ। खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में 600 युवा , 120 से अधिक आध्यात्मिक और सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के प्रतिनिधि, शिक्षाविद शामिल हुए। यह आयोजन 2047 तक नशामुक्त समाज की ओर भारत की यात्रा में एक निर्णायक कदम होगा। इस सम्मेलन में मादक द्रव्यों के सेवन के प्रमुख आयामों पर चर्चा करने के लिए चार सत्र आयोजित किए गये। इसके आधार पर 'काशी घोषणा' तैयार की गई, जो भारत के सभ्यतागत ज्ञान और युवा नेतृत्व में निहित मादक द्रव्यों की लत के विरुद्ध रहा। कार्यक्रम में केंद्रीय

युवा मामले एवं खेल मंत्री, डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि हमने पिछले तीन दिनों में विविध विषयगत सत्रों में गहन चिंतन किया है। इस सामूहिक चिंतन के आधार पर, काशी घोषणापत्र का जन्म हुआ है, न केवल एक दस्तावेज़ के रूप में, बल्कि भारत की युवा शक्ति के लिए एक साझा संकल्प के रूप में रहा। उन्होंने कहा कि स्वीकृत काशी घोषणापत्र, मादक द्रव्यों के सेवन को एक बहुआयामी जन स्वास्थ्य और सामाजिक चुनौती मानने के लिए राष्ट्रीय सहमति की पुष्टि करता है। यह व्यसन निवारण, पुनर्वास में सहायता और राष्ट्रीय स्तर पर संयम की संस्कृति को बढ़ावा देगा। भारत की आध्यात्मिक शक्ति ने हमेशा संकट के समय में भारत का मार्गदर्शन किया है। इसलिए आध्यात्मिक संस्थाओं को अब विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा बनाने में भूमिका निभानी चाहिए। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने कहा कि काशी की यह पावन भूमि सनातन चेतना का स्थल है, जहाँ अनुशासन और मूल्य जीवन को मोक्ष की ओर ले जाते हैं। यदि एक ऐसा राष्ट्र, जहाँ 65 प्रतिशत युवा आबादी मादक पदार्थों का शिकार हो जाती है, जो इससे मुक्त होंगे। चौथे दिन में आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने दिया। कार्यक्रम में डॉ. वीरेंद्र कुमार (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता), गजेंद्र सिंह शेखावत (संस्कृति एवं पर्यटन), श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री, अनिल राजभर, गृह राज्य मंत्री, नित्यानंद राय, रक्षा निखिल खड़से (युवा मामले एवं खेल), और गिरीश चंद्र यादव (खेल मंत्री, उत्तर प्रदेश) सहित कई लोग मौजूद रहे।

गरीब परिवार के मुखिया को दी जायेगी स्किल ट्रेनिंग

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश सरकार ने जीरो पावर्टी अभियान के तहत गरीबी को जड़ से खत्म करने के लिए चिन्हित निर्धन परिवारों के सदस्यों को न केवल गारंटीड स्किलिंग प्रोग्राम से जोड़ेगी बल्कि उन्हें प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार भी दिलाएगी। क्योंकि सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश में कोई भी परिवार ऐसा न हो जिसे गरीबी के कारण दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष करना पड़े। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने बताया कि जीरो पावर्टी अभियान के तहत चिन्हित परिवार के मुखिया को गारंटीड स्किलिंग प्रोग्राम से जोड़ा जाएगा। इसके तहत पहले फेज में अभियान के तहत चिन्हित 300 निर्धन परिवार के मुखिया को स्किल ट्रेनिंग की जाएगी। इसके बाद चिन्हित सभी परिवार के मुखिया को स्किल ट्रेनिंग दी जाएगी। यह ट्रेनिंग पूरी तरह से व्यावसायिक और रोजगारोन्मुखी होगी,जहां नौकरी की संभावनाएं अधिक हैं, वहां उन्हें सीधे नौकरी से जोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि इसमें ऑफिस, टॉयलेट क्लीनिंग, गेस्ट अटेंडेंट, हाउसकीपिंग, हॉस्पिटैलिटी जैसे सात प्रकार की ट्रेनिंग शामिल हैं। इसके अतिरिक्त उन्हें लैंग्वेज स्किल की भी शिक्षा दी जाएगी ताकि वे कॉर्पोरेट सेक्टर में भी काम कर सकें। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की कंपनियों में नौकरी दिलायी जाएगी। प्रशिक्षित मुखिया को कम से कम 18,400 रुपये मासिक वेतन मिले, जिससे वे अपने परिवार का सम्मानजनक तरीके से भरण-पोषण कर सकें। अब तक 40 बड़े उद्यमियों ने जीरो पावर्टी अभियान से जुड़े परिवारों को नौकरी देने की सहमति जताई है। सरकार का मनना है कि जब तक प्रदेश का सबसे गरीब व्यक्ति मुख्यधारा से नहीं जुड़ता, तब तक विकास अधूरा है।

सीएजी ने पावर कारपोरेशन से तलब की निजीकरण के मसौदे की रिपोर्ट

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। उत्तर प्रदेश के 42 जनपदों के निजीकरण को लेकर पावर कारपोरेशन पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने पावर कॉरपोरेशन से निजीकरण के मसौदे पर रिपोर्ट तलब करते हुए पूरा मसौदा शुरू से लेकर अंत तक

पावर कारपोरेशन पर मंडरा रहे हैं संकट के बादल

सीएजी के सामने प्रस्तुत करने का निर्देश जारी कर दिया है। सीएजी के इस निर्देश की प्रति जैसे ही निदेशक वित्त पावर कारपोरेशन को पहुंची हड़कंप मच गया। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद लगातार निजीकरण के मसौदे को आसंवैधानिक बताते हुए इसमें भ्रष्टाचार किए जाने का मामला उठाते हुए निजी घरानों को बड़ा लाभ देने की तैयारी की बात करता चला आ रहा है। मालूम हो कि उपभोक्ता परिषद ने जून 2025 में पूरे मामले को भारत के प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति को भेजते हुए सीबीआई, सीएजी या किसी उच्च स्तरीय जांच कमेटी से जांच कराने की मांग उठाई थी, फिलहाल जिस तरह से भारत सरकार की केंद्रीय एजेंसी सीएजी ने पूरे मामले की छानबीन शुरू कर दी है। ऐसा इससे पहले ऊर्जा क्षेत्र के इतिहास में कभी नहीं हुआ कि निजीकरण के मामले में कार्रवाई शुरू करने के पहले ही पूरे मसौदे को तलब कर लिया है। बिजली कंपनियों में निजीकरण का यह मसौदा पूरी तरीके से असंवैधानिक बताया जा रहा है। दरअसल, जो कंसलटेंट ग्रांट थार्टन इस मसौदे को तैयार कर रहा है। वह पहले से ही अमेरिका रेगुलेटर के रडार पर है और उसके ऊपर 40000 डॉलर की पेनाल्टी लग चुकी है। उसका खुलासा होने के बाद भी उसकी सलाह पर मसौदा तैयार किया गया है। अंत में जब पूरे मसौदे को विद्युत नियामक आयोग के सामने प्रस्तुत किया गया तो विद्युत नियामक आयोग ने उसमें बड़े पैमाने पर वित्तीय और संवैधानिक कमियों का उजागर करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार को मसौदा वापस कर दिया, जिसके बाद से निजीकरण का पूरा मसौदा विवादों के घेरे में है और उसे पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा है कि यह पूरा मामला केंद्र सरकार द्वारा प्राप्त आरडीएसएस योजना में सरकारी धन के दुरुपयोग का है। इसलिए केंद्रीय एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट है। उपभोक्ता परिषद ने हीं यह मुद्दा उठाया था कि भारत सरकार ने लगभग 303758 करोड़ की योजना पूरे भारत में लांच की थी, जिसमें उत्तर प्रदेश में ही केवल 44094 करोड़ योजना का अनुमोदन दिया था, जिसमें निजीकरण की तैयारी वाली बिजली कंपनी दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम में लगभग 7434 करोड़ और पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम में 9481 करोड़ खर्च होना है। इसमें सबसे बड़ा मामला यह भी है कि आरडीएसएस योजना में स्मार्ट प्रीपेड मीटर के लिए केंद्र सरकार ने 18885 करोड़ का अनुमोदन दिया था, लेकिन बिजली कंपनियों ने 27343 करोड़ का टेंडर निकाल दिया। ऐसे में 9000 करोड़ का क्या होगा और इसकी भरपाई कौन करेगा। इसके आधार पर प्रदेश की बिजली कंपनियों मे सुधार अनिवार्य रूप से किया जाना था और उसके लिए अलग-अलग स्तर पर मॉनिटरिंग कमेटी बनी है। सवाल यह उठता है कि जब केंद्र सरकार द्वारा आवंटित करोड़ों की धनराशि का उपयोग करके बिजली कंपनियों को सुधारा जा रहा है तो उसे देश के बड़े निजी घरानों को क्यों सौंपने के लिए निजीकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है, जिसको लेकर लगातार सवाल उठ रहा है। अब कैग द्वारा सवाल उठाए जाने के बाद पावर कारपोरेशन के पसीने छूट गए हैं।

कूड़ा स्थल को लेकर एलएसए कर्मी व अपार्टमेंट के लोग भिड़े

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। कूड़ा स्थल हटाने को लेकर रविवार को देवा रोड में एक अपार्टमेंट और एलएसए कर्मचारियों के बीच जमकर बवाल हुआ। इससे सड़क पर लम्बा

बड़े अधिकारी मौके पर पहुंचे, 10 दिन में कूड़ा हटाने का दिया आश्वासन

जाम भी लग गया। काफी देर तक हंगामे के बाद जोनल अधिकारी आकाश कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने अपार्टमेंट और एलएसए कर्मचारियों के बीच वार्ता कर विवाद सुलझाया। नगर निगम जोन-7 के देवा रोड में वुड्स अपार्टमेंट स्थित है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यहां कूड़ा स्थल होने के कारण इलाके में भारी गंदगी और दुर्गंध फैलती है। जिससे आसपास रहना मुश्किल हो गया है। कई बार अधिकारियों से कहा गया मगर कोई सुनवाई नहीं हुई। दूसरी ओर नगर निगम की कार्यदाई संस्था एलएसए कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि अपार्टमेंट के लोगों ने कुछ गाड़ियों की चाबियां भी निकाल ली थी। अंदर जाने वाले गेट पर ताला लगा दिया था। स्थानीय लोगों ने हाथापाई भी की। आकाश कुमार, एसडीएम व जोनल अधिकारी, नगर निगम ने बताया कि वुड्स अपार्टमेंट के निवासियों का कहना है कि ट्रांसफर स्टेशन से लगातार उठती बदबू और फैली गंदगी के कारण बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। इलाके में मच्छरों और संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की है कि इस ट्रांसफर स्टेशन को तुरंत हटाया जाए और तब तक इसकी नियमित सफाई व छिड़काव की पुख्ता व्यवस्था हो। 10 दिनों में समस्या का समाधान कर दिया जायेगा।

ठेके पास, स्कूल दूर

प्राथमिक विद्यालयों में छात्रों की संख्या कम होने से कुछ स्कूलों का विलय किया जा रहा है। इसे लेकर सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के मध्य तकरार के बीच शिक्षक भी आंदोलन की राह पर है। यह मामला उच्च न्यायालय से खारिज होने के बाद सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है। वहीं मर्जर स्कूलों में बच्चों की संख्या बढ़ने के बजाए कम हो रही है। साथ ही ड्राप आउट बच्चों को पुनः स्कूल लाने के लिए प्रदेश सरकार एक अगस्त से विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने जा रही है। समाज सेवियों का कहना है कि शराब के ठेके तो करीब में और स्कूल दूर होते जा रहे हैं।

नजरिया

मालूम हो कि प्रदेश में एक लाख 62 हजार 645 प्राथमिक विद्यालय है जिनमें वर्तमान में लगभग एक करोड़ बच्चे पंजीकृत है। 35 हजार से अधिक स्कूलों में 50 से कम छात्र है। इनमें करीब 27 हजार स्कूलों को पास के विद्यालयों में विलय किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार लगभग दस हजार स्कूलों का मर्जर कर दिया गया है। इस विलय को लेकर सरकार का तर्क है कि जहां बच्चों की संख्या कम है वहां के छात्रों को पास के स्कूलों में शिफ्ट किया जा रहा है जिससे उन्हें गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा मिल सके। कोई भी स्कूल बंद नहीं किया जायेगा बल्कि उसमें वाल वाटिका , प्री पाइमरी स्कूल खोले जायेंगे। वहीं कोविड के बाद से इन स्कूलों में बच्चों की संख्या लगातार घट रही है। वर्ष 2022- 23 में एक करोड़ 92 लाख, 2023- 24 में एक करोड़ 68 लाख, 2024- 25 में एक करोड़ 48 लाख तथा 2025 - 26 में छात्रों की संख्या एक करोड़ के पास रह गयी है। वहीं वर्ष 2009 में शिक्षा का अधिकार के तहत 6 से 14 साल के बच्चों को मुफ्त एवं नजदीक देने का प्राविधान है। इस एक्ट में साथ ही 300 की आबादी पर एक किलोमीटर के दायरे में स्कूल होना चाहिए। विधान परिषद सदस्य एवं शिक्षक दल के नेता राज बहादुर चंदेल ने बताया कि स्कूल के विलय का निर्णय किसी भी दशा में उचित नहीं हैं। बच्चों की संख्या बीते 3 साल से कम हो रही थी तो सरकार को ध्यान देना चाहिए था। सरकार ने गांव गांव में निजी स्कूलों को मान्यता देने के साथ ही सरकारी स्कूलों की ओर ध्यान नहीं दिया। गरीबों के बच्चे शिक्षा से वंचित रह जायेंगे। इस मामले को सदन में प्रमुखता से उठाया जायेगा। वहीं शहर कांग्रेस अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी ने बताया कि सरकार का ध्यान धन संचय पर है इसीलिए गली मोहल्लों में शराब की दुकानें खुल गयी है जिसमें इस बार बीयर, विदेशी शराब एक साथ बिक रही है। स्कूलों का विलय जन विरोधी है जो गरीब बच्चों को शिक्षा से वंचित कर देगी। सरकार की भी मंशा है कि जब लोग पढ़ेंगे नहीं तो सवाल नहीं पूछ सकेंगे। समाजसेविका डॉ रिचा शर्मा कौशिक ने बताया कि जब शराब की नई दुकानें मोहल्लों में खुल रही थी तो महिलाओं ने जमकर विरोध किया लेकिन सरकार ने नहीं सुनी। अब स्कूल विलय के खिलाफ शिक्षकों के आंदोलन को भी कुचला जा रहा है। विलय होने वाले स्कूलों के बच्चों की संख्या 30 प्रतिशत ही रह गयी है। तमाम स्कूल एक शिक्षक के सहारे चल रहे हैं, 2020 के बाद से शिक्षकों की भर्ती नहीं हुई है। 69 हजार शिक्षक भर्ती के अभ्यार्थी आंदोलित है। इससे शिक्षा मित्रों, रसोइयों आदि के मर्जर में भी दिक्कत आ रही है। दस हजार स्कूलों का मर्जर किया जा चुका है। सूत्रों के अनुसार इस व्यवस्था से 68 हजार से अधिक बच्चे ड्रापआउट कर चुके हैं। इन्हें फिर से स्कूल लाने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग एक अगस्त से विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चालने जा रही है। ऐसे बच्चों को स्कूल लाने की जिम्मेदारी शिक्षकों को सौपी गयी है।

– राजेश सिंह

छह करोड़ से होगा कपिलवस्तु का पर्यटन विकास

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश में बौद्ध पर्यटन निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। पिछले वर्ष राज्य में कुल 61,47,826 बौद्ध पर्यटक पहुंचे, जिनमें से 79,418 ने कपिलवस्तु का भ्रमण किया। पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए राज्य सरकार सिद्धार्थनगर के कपिलवस्तु में पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए छह करोड़ रुपए की परियोजनाएं स्वीकृत की है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि वर्ष 2024 में कपिलवस्तु में कुल 79,418 बौद्ध पर्यटक पहुंचे थे। इनमें 62,790 घरेलू जबकि 16,628 विदेशी पर्यटक थे। वर्ष 2022 में कपिलवस्तु आने वाले पर्यटकों की कुल संख्या 26,805 थी, जिनमें 26,707 घरेलू और महज 98 विदेशी पर्यटक थे।

गांवों की खेल प्रतिभाएं दुनिया में भारत का लहरायेंगी परचम

मनरेगा योजनान्तर्गत बनाये जा रहे स्टेडियम, ओपेन जिम, खेल मैदान और पार्क : केशव मौर्य

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को निखारने, दक्ष,और सक्षम बनाने के लिए ग्रामीण अंचल में खेलकूद का आधारभूत ढ़ाचा मजबूत करने के लिए मनरेगा योजनान्तर्गत ग्रामीण अंचल में खेल मैदान बनाये जा रहे हैं। गांवों में स्टेडियम व ओपेन जिम बनाकर खेल प्रतिभाओं को सरकार प्रोत्साहन दे रही है। युवा पीढ़ी गांवो के खेल मैदानों से निखर और संवर कर अपने गांव घर का नाम रोशन करेंगी और गांवों की खेल प्रतिभाएं, दुनिया में भारत का परचम लहरायेंगीं। मनरेगा योजनान्तर्गत स्टेडियम,ओपेन जिम, खेल मैदान और पार्क गांवों में बनाये जा रहे हैं और इनका उपयोग भी किया जा रहा है। प्रदेश में खेल को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण इलाकों में खेल मैदान बनाए जा रहे हैं। इससे गांवों में नई प्रतिभाएं तो निखर ही रही है साथ ही मनरेगा के तहत इन मैदान का निर्माण होने की वजह से श्रमिकों को निरंतर रोजगार भी मिल रहा है। इस पहल का उद्देश्य बेहतर स्वास्थ्य और समग्र सामुदायिक विकास के लिए स्कूली छात्रों और गांव के अन्य सदस्यों के बीच खेलों को प्रोत्साहित करना है। खेल मैदानों में रनिंग ट्रैक बनने से ग्रामीण अँचलों में रहने वाला युवा आर्मी, पैरा मिलिट्री फोर्स, पुलिस, सीआरपीएफ इत्यादि की तैयारी अपने गांव में ही रहकर कर रहे हैं। ग्राम्य विकास की इस योजना के चलते खेल मैदान बनने से गांव के युवाओं को मैदान में ही दौड़ लगाने

के साथ शारीरिक अभ्यास करने में भी मदद मिल रही है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशन में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा ग्रामीण इलाकों में बनाये जा रहे खेल मैदान गाँव के पिकनिक स्पॉट साबित हो रहे हैं। गाँव में आस-पास कोई घूमने की बेहतर जगह न होने के चलते इन मैदानों में ही छोटे-छोटे बच्चे पिकनिक मनाते हैं। यहाँ पर गाँव के युवाओं के साथ यहाँ के बुजुर्ग भी मॉर्निंग वॉक से साथ शाम को यहाँ अपना समय बिताते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में खेल के बुनियादी ढांचे के निर्माण और उन्नयन के लिए सरकार की प्रतिबद्धता न केवल एथलीटों को सशक्त बना रही है बल्कि शहरी और ग्रामीण विभाजन को पाटने के साथ समुदायों के कल्याण को भी बढ़ावा दे रही है। जिसके चलते ग्रामीण क्षेत्र में खेल प्रतिभा को बढ़ावा भी मिल रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा के तहत इन मैदान का निर्माण होने की वजह से श्रमिकों को निरंतर रोजगार भी मिल रहा है। खेल मैदान के निर्माण कार्य में मनरेगा श्रमिकों से कार्य कराया जा रहा है,जो उनकी आजीविका को आसान बना रहा है। ग्राम्य विकास से प्राप्त जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 6588 खेल मैदान बनाए गए। वहीं वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 1200 से ज्यादा खेल मैदानों का निर्माण किया जा चुका है जबकि 13 हजार से ज्यादा पर कार्य चल रहा है।

सड़क सुरक्षा के नाम पर हर वर्ष करोड़ों की लूट

आई.बी. शर्मा

यातायात नियमों की अनदेखी व नशे की लत से सड़क दुर्घटनाओं में इजाफा

स्वतंत्र भारत, लखनऊ। देश मे हररोज सैकड़ो सड़क दुर्घटनाएं हो रहीं हैं। इन दुर्घटनाओं में अक्सर चालक और यात्रियों की मौत हो

खस्ताहाल सड़कें भी बनती हैं मौत की सौदागर

जाती है। तेज गति से वाहन चलाने से अनियंत्रित होकर गाड़ियां डिवाइडर या सामने वाली गाड़ियों से भिड़ जाती हैं। जिसमें चालक सहित गाड़ी में बैठने वालों की मौत हो जाती है। यातायात नियमों का पालन नही किया जा रहा है। नशे में वाहन चलाने वालों की संख्या में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। यह चौंकाने वाली बात है कि पढ़ा लिखा शिक्षित वर्ग भी इससे अछूता नहीं है। नेशनल हाइवे पर तेज गति वाहन अनियंत्रित होकर सड़क के बाहर निकल जाती है या सामने वाले वाहन से भिड़ जाती है। राज्य और तहसील स्तर की सड़कों पर बारिश की वजह से गड्ढे बने हुए है और सड़के

खस्ताहाल है। लिहाजा तेज रफ्तार गाड़ियां अक्सर अनियंत्रित हो जाती है। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन धारकों पर दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाती है। राजधानी की पुलिस ने विगत छह महीनों में पन्द्रह हजार, चार सौ से अधिक वाहनों के चालान काटे है। नशे में अक्सर दुर्घटना होती है, घटना स्थल पर ही चालक व यात्री मारे जाते है। अधिकतर आरोपित रात में नशे की हालत में वाहन चलाते है। जो समाज और देश दोनों के लिए विडंबना ही है। यातायात नियमों को भंग करने पर पुलिस भारी भरकम दस हजार तक का जुर्माना लगाती है, इसमें छह महीने की सजा का प्राविधान है, इसके बावजूद भी नशे में सुधार का नाम तक नहीं लेते है। नशे में गाड़ी चलाने वालों के लिए शायद जीवन से ज्यादा महत्वपूर्ण उनका नशा है। यातायात पुलिस ब्रीथ एनलाइजर और सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से भी निगरानी रखती है। प्रदेश की पुलिस नशे में गाड़ी चलाने के खिलाफ अभियान चला कर जागरूकता लाने के लिए प्रयासरत है, जिससे लोगों को असमय मौत से बचाया जा सके। सड़क सुरक्षा के नाम पर प्रतिवर्ष केन्द्र व राज्य सरकार से करोडों रूपये का बजट खर्च किया जाता है जिससे सुरक्षा तो नहीं बढ़ती, बढ़ता है तो सिर्फ मौत का आंकडा। आश्चर्य की बात तो यह है कि वर्ष दर वर्ष सड़क सुरक्षा के बजट का आकार बढता गया और जिस औसत के साथ बजट बढ़ा लगभग उसी अनुपात में मौत के आकडें में भी बढ़ोतरी हुई है। राज्य और तहसील स्तर की सड़कों पर बारिश की वजह से गड्ढे बने हुए है और सड़के खस्ताहाल हैं। लिहाजा तेज रफ्तार गाड़ियां अक्सर अनियंत्रित हो जाती है। प्रदेश सरकार के गड्ढा मुक्त अभियान की स्थिति यह है कि गड्ढे तो दूर की बात है अपनी जगह से सड़कें ही गायब हैं। परिवहन विभाग सड़कों की हालत को देख इसे रोड इंजीनियरिंग की खामी बताकर अपना पल्ला झाडकर अलग हो जाता है मौत तो वाहन चालक की होती है। वाहनों के चालान के नाम पर खानापूर्ति तो कर ली जाती है जबकि तथ्य सदैव उससे अलग रहता है। चालान भी उसी वाहन का किया जाता है जिनके चालकों से निजी स्वार्थ की पूर्ति नहीं होती है। ऐसे में सड़क दुर्घटनाएं हो रहे इजाफे को रोक पाना भी शायद मुमकिन न हो।

आरओ-एआरओ की परीक्षा को लेकर सरकार ने कसी कमर

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने उप्र लोक सेवा आयोग द्वारा 27 जुलाई को प्रस्तावित समीक्षा अधिकारी/

एआई व सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी

सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ/ एआरओ) परीक्षा-2023 को शुचितापूर्ण, पारदर्शी और निर्बाध तरीके से संपन्न कराने के लिए चाक चौबंद व्यवस्था की है। सरकार द्वारा रविवार को जारी बयान के अनुसार, यह परीक्षा 27 जुलाई को राज्य के सभी 75 जिलों के 2382 केंद्रों में होगी और इसमें 10.76 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल हो सकते हैं। इसमें कहा गया है कि यह परीक्षा प्रातः 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक एक पाली में आयोजित होगी और हर जिले में जिलाधिकारी को नोडल अधिकारी बनाया गया है जो परीक्षा की संपूर्ण व्यवस्था की निगरानी करेंगे और आवश्यकतानुसार त्वरित निर्णय ले सकेंगे।

राजनीतिक व सामाजिक हिस्सेदारी की मांग

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। श्री अनन्तकला बोर्ड एवं भोजवाल समाज की राजनीतिक आर्थिक एवं सामाजिक दिशा में सुधार को लेकर भोजवाल समाज के प्रबुद्ध वर्ग का सम्मेलन, वित्तीय प्रबंध संस्थान के ऑडिटोरियम, सेक्टर 24, इंदिरा नगर, लखनऊ में आयोजित किया गया। सम्मेलन में शिरकत मुख्य अतिथि गोपाल अंजान, भोजवाल सदस्य विधान परिषद ने भोजवाल समाज के प्रबुद्ध वर्ग को संबोधित करते हुए कहा कि हमें राजनीति में अगर हिस्सेदारी लेनी है तो हमें एक जुट होना होगा उन्होंने अनन्तकला बोर्ड की मांग को लेकर भोजवाल समाज के एक प्रति निधि मंडल को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री से मिलने का आश्वासन दिया। सम्मेलन के सहआयोजक इंजीनियर उमा शंकर भोजवाल ने बताया की आजादी के 77 वर्षों के बाद भी भोजवाल समाज की राजनीतिक आर्थिक एवं सामाजिक दशा बहुत ही खराब है। 77 सालों में किसी भी सरकार ने इस जाति के ऊपर कोई विशेष काम नहीं किया है। संतोष शिवा ने कहा कि भोजवाल समाज को अभी भी आबादी के अनुसार राजनीतिक लाभ और राजनीतिक सुविधाओं का लाभ नहीं मिला है। सम्मेलन के आयोजक अरूण आजाद भोजवाल ने कहा कि जिस दिन पूरे उत्तर प्रदेश का एक करोड़ भोजवाल समाज अपने हक के लिए एक जगह एकत्रित होकर अपने अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ेगा उस दिन कोई भी सरकार इस समाज को अनदेखा नहीं कर पाएगा। उन्होंने कहा शीघ्र ही पूरे प्रदेश में जिला मुख्यालयों पर एकत्रित होकर अपने अधिकारों के लिए जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को एक साथ ज्ञापन सौंपा जायेगा। अंत में सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे राजकुमार भुर्जी ने कहा देश के कोने-कोने से भोजवाल समाज का प्रबुद्ध वर्ग अपने हक और अधिकारों के लेकर जो चिंतित हुआ है, इसका असर पूर्ण रूप से 2027 में देखने को मिलेगा। कार्यक्रम में नागालैंड से राजीव भोजवाल, बिहार से विनोद विद्यार्थी, राजस्थान से सरिता भोजवाल, दिल्ली से पंकज गुप्ता भोजवाल, उत्तराखण्ड से दिनेश चन्द्रा भोजवाल सहित जनवेद भोजवाल, शिवनाथ भोजवाल, मदन भोजवाल, राजकिशोर भोजवाल, आशीष भोजवाल, रामकुमार भोजवाल, डॉ0 मनोहर भोजवाल ने अपने-अपने विचार रखें सम्मेलन में पूरे प्रदेश सहित लगभग सात आठ राज्यों के प्रबुद्ध वर्ग के भोजवाल समाज के लोग सम्मिलित थे।

'संभव' के तहत आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां सम्मानित

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। महिला कल्याण एवं बाल विकास द्वारा संचालित 'संभव' अभियान ने बाल एवं मातृ पोषण की दिशा में परिवर्तन लाने में आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों की अहम भूमिका है। संभव अभियान 0.4 तहत वाराणसी, चंदौली, श्रावस्ती, उन्नाव व फर्रूखाबाद की कार्यकत्रियों ने पोषण सुधार क्षेत्र में सराहनीय प्रयास किए हैं। महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्या ने इस अभियान में बेहतर कार्य करने वाली पांच आंगन बाड़ी कार्यकत्रियों को सम्मानित किया। वाराणसी की सरिता देवी ने संभव को एक जनांदोलन में बदल दिया। 12 से 14 अधिक सैम बच्चों के पोषण सुधार हेतु स्वास्थ्य विभाग से सक्रिय समन्वय कर उन्हें जीवन की नई दिशा दी। स्तनपान को लेकर जब उन्होंने 80 प्रतिशत तक जागरूकता फैलाई और टीकाकरण दर को 90 प्रतिशत तक पहुँचाया। चंदौली की सुजाता कुशवाहा ने सैम बच्चों के लिए समय पर दवा, उपचार और पोषण योजना सुनिश्चित की। उनके अथक प्रयासों से 90 प्रतिशत बच्चों को 06 माह तक केवल स्तनपान कराया गया, और टीकाकरण की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ। पोषण ट्रैकर पर 100 प्रतिशत वजन और गृह भ्रमण रिपोर्टिंग किया। इसी तरह श्रावस्ती की पानकली ने 12 से अधिक सैम बच्चों को चिन्हित कर स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय स्थापित किया और उन्हें पोषण सेवाओं से जोड़ा। 06 एनीमिक महिलाओं को भोजन, आयरन और परामर्श देकर सशक्त बनाया। उन्नाव सजनी अवस्थी ने 04 कुपोषित बच्चों को ई-कवच पोर्टल पर फीड कराकर उन्हें स्वास्थ्य लाभ दिलाया। 5 किशोरी बालिकाओं को एनीमिया से निकाला एवं पीएम मातृ वंदना योजना के तहत 64 महिलाओं को लाभ दिलाया। शमसाबाद की चन्द्रमुखी ने गंभीर कुपोषण से ग्रस्त 03 बच्चों को ई-कवच पोर्टल पर फीड कर एनआरसी में भर्ती कराया और सुधार सुनिश्चित किया। तीन वर्षों से उनके विरुद्ध कोई शिकायत आई.जी.आर.एस.पोर्टल पर नहीं आना, उनके अनुशासन और कार्यकुशलता का प्रतीक है। इन सभी को सम्मानित किया गया।

एलडीए के जोन छह में अवैध निर्माणों का बोलबाला

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। एलडीए के प्रवर्तन विभाग में तैनात अभियंताओं की खाऊ-कमाऊ नीति के चलते इन दिनों जोन- छह में अवैध निर्माणों का बोलबाला है। इन अवैध व्यवसाईक कांपलेक्सों का निर्माण कराने वाले बिल्डर बेखौफ होकर प्राधिकरण के नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। बावजूद इसके शहर में हो रहे अवैध निर्माणों पर लगाम कसने वाले प्राधिकरण के प्रवर्तन विभाग के अभियंता मूक दर्शक बने हुए हैं। शिकायतकर्ता आशीष बाजपेई ने प्राधिकरण के सचिव को दी गई अपनी शिकायत में कहा है कि जोन छह में थाना अमीनाबाद क्षेत्र के भूखण्ड संख्या-37, गौतमबुद्ध मार्ग पर स्वीकृत मानचित्र के नियमों का खुला उल्लंघन किया जा रहा है। यहां निर्माण कराए जा रहे शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण बहुत तेजी से कराया जा रहा है। निर्माणाधीन बिल्डिंग के बोर्ड में मानचित्र स्वीकृत परमिट नं0-बीपी/24-25/1659.2610-2025 अंकित है। इस बिल्डिंग के भवन निर्माण उपविधि के नियमों के अनुसार बिल्डिंग में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण प्रतीत होता है। बिल्डर ने सेट बैक-फ्रंट बैक के मानकों का घोर उल्लंघन किया है, साथ ही बिल्डिंग के मुख्य मार्ग में होने के बावजूद पार्किंग की जगह पर दुकानों का निर्माण कर लिया है। जबकि इस क्षेत्र में पहले से ही जाम लगने की बड़ी समस्या हमेशा बनी रहती है। इसके चलते समय-समय पर मण्डलायुक्त रोशन जैकब ने भी जाम को हटवाने के संबंध में भ्रमण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये जाते रहे हैं। बावजूद इसके मुख्य मार्ग पर बिना कार पार्किंग के शॉपिंग कॉम्प्लेक्स निर्माण कराया जा रहा है। इस शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की शिकायत भी प्राधिकरण के जोन-छह के जोनल अधिकारी से पूर्व में की गई थी, जिसके बाद भी इस निर्माण को रोकने वाले अभियंताओं ने इसकी जांच करने की जरूरत नहीं समझी। शिकायतकर्ता आशीष बाजपेई ने शिकायत में यह भी कहा है कि शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के मानचित्र की जांच कराकर, मौके पर हुए अवैध निर्माण पर कार्रवाई करने की मांग की थी,जिससे अवैध निर्माण कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई हो और आम जनता को विभिन्न परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसी तरह हीवेट रोड भानुमति चौराहा माडल हाउस के मोड़ पर 100.00 वर्गमीटर के क्षेत्रफल के भूखंड पर एक व्यवसायिक अवैध कांपलेक्स का निर्माण कराया जा रहा है, जिसका मानचित्र ही प्राधिकरण से स्वीकृत नहीं है। बावजूद इसके प्राधिकरण के प्रवर्तन विभाग के छह में तैनात अवर अभियंता ने इस अवैध कांपलेक्स के निर्माण कार्य को बंद नहीं कराया है। इसी का नतीजा है कि मौके पर स्थल निरीक्षण करने पहुंचे प्राधिकरण के अभियंताओं को मानचित्र उपलब्ध नहीं हुआ।

नृत्य नाटिका द्रोपदी की दास्तान का मंचन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग के सहयोग से उमंग फाउंडेशन द्वारा न्यू एज मोंटसरी स्कूल रकाबगंज में नृत्य नाटिका द्रोपदी की दास्तान मंचित हुआ। इस नृत्य नाटिका के माध्यम से यह बताया गया कि जब-जब स्त्री पर अत्याचार हुआ है तब तब महायुद्ध हुआ। हमारा समाज एक ओर प्रगति की दिशा में अग्रसर हो रहा है, वहीं दूसरी ओर महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों की घटनाएँ चिंता का विषय बनी हुई हैं। यह अत्याचार केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक, सामाजिक और आर्थिक स्तर पर भी हो रहे हैं। महिलाओं के प्रति असमानता, दहेज, घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, बाल विवाह, और कार्यस्थल पर भेदभाव जैसी समस्याएँ आज भी समाज में गहराई से जड़ें जमाए हुए हैं। यह स्थिति न केवल हमारे संविधान के मूल्यों के विरुद्ध है, बल्कि सामाजिक संतुलन और मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन भी है। इस नृत्य नाटिका का निर्देशन राहुल शर्मा द्वारा किया गया। इस नृत्य नाटिका के शुरुआत में द्रोपदी का जन्म कैसे हुआ, फिर किस प्रकार से वह पांडवों की पत्नी हुई, उसके बाद शकुनी जो कि अपने बहन गांधारी का प्रतिशोध लेना चाहता था, कैसे उसने पांडवों और कौरवों के बीच में प्रपंच रचा और उनको चौसर खेलने के लिए आमंत्रित किया और फिर उसने छलपूर्वक खेल जीतकर द्रोपती का बाल पड़कर भरी सभा में लाया। अंत में द्रोपदी ने कृष्ण से सहायता मांगी उसके बाद द्रौपदी ने कसम लिया कि जब तक वह दुशासन की लहू से अपने बालों को नहीं धूलेगी तब तक वह अपने बालों को बंधेगी नहीं। नाटक के कलाकारों में मुख्य भूमिका में सौम्या प्रकाश, योगिता त्रिपाठी, छवि श्रीवास्तव, कंचन शर्मा, आद्या मिश्रा, नेहा शर्मा ने अभिनय किया एवं संगीत संचालन तथा परिकल्पना शुभम सिंह चौहान का रहा। संस्था समय-समय पर संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए ऐसे आयोजन करती रहती है।

एक दान सामुदायिक सेवा कार्यक्रम का आयोजन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। भारतीय स्टेट बैंक के महिला क्लब लखनऊ मंडल ने चेतना संस्थान में एक दान सामुदायिक सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में चेतना संस्थान के मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के लिए विभिन्न सामग्री भेंट की गई, जिसमें सीपी कुर्सी, योगा मैट, प्लास्टिक कुर्सी, पीटी ड्रम, रेसिंग साइकल, फोम गद्दे, म्यूजिक उपकरण, प्रोजेक्टर और खाने-पीने की वस्तुएं शामिल थीं। अखिल भारतीय अध्यक्षा, भारतीय स्टेट बैंक, महिला क्लब, श्रीदेवी सूर्या ने कहा कि क्लब की प्रतिबद्धता विशेष जरूरतों वाले व्यक्तियों के जीवन में सार्थक प्रभाव डालने वाले संगठनों का समर्थन करने की है। अध्यक्षा, भारतीय स्टेट बैंक, महिला क्लब लखनऊ मंडल, ऋतुपर्णा दे ने चेतना संस्थान के बच्चों के लिए सामग्री भेंट की।

प्रदेश के हर मंडल में बनेगी आदर्श गोशाला

पशुपालन व गो-संरक्षण को बढ़ावा देने की बड़ी पहल

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। पशुपालन और गो-संरक्षण के लिए सरकार आदर्श गोशाला बनायेगी। प्रथम चरण में आठ मंडलों में एक गोशाला को आत्मनिर्भर और एक ब्लॉक को प्राकृतिक खेती के लिए चयनित कर मॉडल क्लस्टर के रूप में विकसित किया जाएगा। यह योजना गो-संवर्धन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

8 मंडलों की 8 गोशालाओं का चयन कर जल्द ही कार्य योजना को साकार किया जाएगा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पशुपालन मंत्री के नेतृत्व में प्रदेश के प्रथम चरण में 8 मंडलों की 8 गोशालाओं को आदर्श गोशाला के रूप में चुना जा रहा है। इनमें अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर, चित्रकूट, बरेली, आगरा, कानपुर और झांसी शामिल हैं। इन गोशालाओं को मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा, जो अन्य जिलों के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगी। उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि बरेली मंडल के मझगवां ब्लॉक स्थित खंगवा श्याम सृष्टि मंगलम् गोशाला को प्रदेश की पहली आदर्श गोशाला घोषित किया गया है। इसमें इंटर-लॉक्ड वेस्ट-फ्री शेड डिजाइन अपनाया जाएगा, जिससे चारे की बर्बादी में कमी आएगी। यहां से मंडल-स्तरीय आत्मनिर्भर गोशाला मॉडल की शुरुआत हुई है।

गो-आधारित प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ग्राम-ऊर्जा मॉडल के तहत गोशालाओं को ग्रामीण विकास का केंद्र बनाया जाएगा। मझगवां ब्लॉक को पूरी तरह गो-आधारित प्राकृतिक कृषि क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इससे किसानों को रासायनिक खादों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।

महिलाओं और युवाओं को जोड़कर सशक्तिकरण

योगी सरकार की योजना के तहत महिला स्वयं सहायता समूहों को गोशालाओं से जोड़ा जाएगा। महिलाओं और युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे और गो-आधारित उत्पादों से आय अर्जित करने में मदद मिलेगी।

भाजपा में शोक

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के लघु उद्योग प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष शांतनु सिंह का आज प्रयागराज प्रवास के दौरान निधन हो गया। वह आवश्यक कार्य से प्रयागराज गये थे जहां पर उन्हें हृदयाघात होने से मौत हो गयी। रविवार को उनके पार्थिव शरीर को प्रयागराज से लखनऊ इंदिरा नगर स्थित आवास पर लाया गया। शाम को यहां भैसाकुंड पर अंतिम संस्कार कर दिया गया। शांतनु के निधन पर प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, भाजपा मुख्यालय प्रभारी भारत दीक्षित, विधायक योगेश शुक्ला, पूर्व विधायक गोमती यादव सहित कई नेताओं ने दुख जताया है।

हर मोहल्ले व गलियों में स्वच्छता की अलख जगायें पार्षद

महापौर ने पार्षदों को सम्मानित कर सौंपी जिम्मेदारी

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। महापौर सुषमा खरकवाल ने कहा कि पार्षदगण अपने-अपने वार्डों में सफाई अभियान को और अधिक प्रभावशाली, व्यापक और जनसहभागिता आधारित बनाएं। हर मोहल्ले और हर गली में स्वच्छता की अलख जगानी है। वह रविवार को नगर निगम मुख्यालय में पार्षदों के सम्मान समारोह को सम्बोधित कर रहीं थीं। नगर निगम मुख्यालय में रविवार को स्वच्छ सर्वेक्षण में लखनऊ को देशभर में तीसरा स्थान मिलने पर पार्षदों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर महापौर सुषमा खरकवाल ने नगर निगम के समस्त पार्षदों को अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। इसके बाद पार्षदों को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान हम सभी की सामूहिक मेहनत और जनता के सहयोग का परिणाम है। हम इस बार देश में तीसरे नंबर पर हैं, लेकिन हमारा लक्ष्य अब पहले स्थान पर पहुंचना है। महापौर ने कहा कि नगर निगम जल्द ही तिरंगा यात्रा का आयोजन करेगा ताकि शहरवासियों को धन्यवाद दिया जा सके। इसके साथ ही सफाई मित्रों, नगर निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी इस सफलता में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। जिसका जल्द ही भव्य आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन झूलेलाल पार्क या जनेश्वर पार्क में आयोजित किया जाएगा। समारोह में नगर निगम के उपाध्यक्ष गिरीश गुप्ता, पार्षद दल के उपनेता सुशील तिवारी, सपा पार्षद दल के नेता कामरान बेग, नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त नम्रता सिंह, डॉ. अरविंद कुमार राव, मुख्य अभियंता (सिविल) महेश वर्मा, मुख्य अभियंता (आर.आर.) मनोज प्रभात सहित नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

लोकबंधु अस्पताल में रक्तदान शिविर

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। लोक बंधु राजनारायण संयुक्त चिकित्सालय परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर कार्यक्रम में ब्लड बैंक के प्रभारी डाक्टर पीसी तिवारी, एसपी उपाध्याय, राज कुमार पांडेय, डाक्टर तान्या जायसवाल, धनंजय प्रजापति, विपिन प्रजापति, उपेंद्र यादव, पंकज यादव, नीतू भारती राज बहादुर सुनील दास, आशीष यादव, शोभित त्रिपाठी व अमित यादव उपस्थित थे।

क्षेत्रीय प्रबंधक ने रोपा पेड़

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय में शनिवार को क्षेत्रीय प्रबंधक आरके त्रिपाठी द्वारा सहायक संख्या अधिकारी सतीश पाल लखनऊ क्षेत्र एवं अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय लखनऊ में वृक्षारोपण किया गया।

एसजीपीजीआई में मनाया गया नेशनल एनेस्थीसिया दिवस

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। नेशनल एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजिस्ट दिवस संजय गांधी पीजीआई के एनेस्थीसिया विभाग में मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संस्थान के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर देवेंद्र गुप्ता तथा विभागाध्यक्ष एनेस्थीसिया प्रोफेसर प्रभात तिवारी थे। यह जानकारी एसोसिएशन ऑफ एनेस्थीसिया एंड ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजिस्ट उत्तर प्रदेश के असिस्टेंट सेक्रेटरी धीरज सिंह ने दी। प्रोफेसर देवेन्द्र गुप्ता ने एनेस्थीसिया और ओटी टेकनीशियनों के द्वारा किए गए कार्यों एवं भूमिका को सराहा तथा बताया कि मरीज की सुरक्षा और सर्जरी की सफलता दोनों ही टेक्नीशियन के कुशल योगदान पर निर्भर करते हैं। वास्तव में एनेस्थीसिया और ओटी टेक्नीशियन स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के अनदेखे लेकिन अति आवश्यक योद्धा हैं। प्रोफेसर प्रभात तिवारी ने हार्ट सर्जरी के दौरान एनेस्थीसिया के चिकित्सक द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली उपकरण की रखरखाव में तकनीकी दक्षता के बारे में टेक्निशियन की सराहना की और बताया कि एनेस्थीसिया टेक्नीशियन टीम की वह मजबूत रीड की हड्डी हैं जिनके बिना कोई भी ऑपरेशन सुचारू रूप से नहीं हो सकता है। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने सरस्वती पूजा और दीप प्रज्ज्वलन करके की। इस अवसर पर मेडिटेक संगठन के महामंत्री सरोज वर्मा, वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष धर्मेश कुमार, समर बहादुर, लल्लन गुप्ता, सुनील प्रकाश वर्मा और विभिन्न विभागों के सीनियर टेक्नोलॉजिस्ट विनय प्रताप सिंह, मनोज सिंह, अजय नारायण वर्मा, अभय कुमार झा व अन्य लोग उपस्थित रहे।

महाराणा प्रताप की तलवार खंडित क्षत्रिय महासभा आक्रोशित

लखनऊ। गत 9 मई को महाराणा प्रताप जयंती पर हुसैनगंज चौराहे स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया गया था, किन्तु जुलाई में महाराणा प्रताप की तलवार अराजक तत्वों द्वारा खंडित कर दी गयी। जिसका विरोध जताते हुए अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष वीरपाल सिंह भदौरिया और वरिष्ठ राष्ट्रीय महामंत्री राघवेन्द्र सिंह राजू ने रविवार को हुसैन गंज थाने में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए चोरों को जल्द पकड़ने और सख्त सजा देने के लिये पुलिस से गुहार लगायी। प्रदेश अध्यक्ष सुखवीर सिंह भदौरिया ने कहा कि तलवार खंडित करने की घटना बहुत निंदनीय है। वरिष्ठ महामंत्री राघवेन्द्र सिंह राजू ने कहा ऐसा करना हमारे महापुरूषों का अपमान है, इसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। इस अवसर पर आलोक सिंह महामंत्री अवध क्षेत्र और पारस चौहान चीफ आईटी सेल मौजूद रहे।

स्वतंत्र भारत
वर्गीकृत

सूचना

ग्राम पंचायत की समस्त जनता को सूचित हो कि ग्राम पंचायत कटियुली के मझरा सन्हैया के प्राथमिक पाठशाला में कृषि भूमि पट्टा आवंटन हेतु बैठक दिनांक 24.07.2025 को दोपहर 11:00 बजे होगी। सुरेंद्र पाल सिंह प्रधान ग्राम पंचायत कटियुली तहसील जलालाबाद जनपद शाहजहांपुर।

सी.आर.-826/D-35

सूचना

मैंने अपना नाम अभिमन्यु भाई से बदलकर अभिमन्यु सिंह रख लिया है। आज से मुझे इसी नाम से जाना व पहचान जाये। S/o अर्जुन सिंह, R/o -56 भरतपुरी, पुरानी बाजार, पोस्ट-कर्वी, चित्रकूट, (यू.पी.)-210205

सी.आर.-827/L-25

सूचना

मैंने अपने पुत्र संजय श्रीवास्तव व उसकी पत्नी क्षमा देवी को गलत चालचलन के चलते अपनी समस्त चलअचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य से मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता नहीं होगा। राधा देवी पत्नी स्व0 इन्द्रपाल श्रीवास्तव निवासी मो0 राजाजीपुरम, निकट किलकारी हास्पिटल, लखीमपुर, थाना कोतवाली सदर, जिला खीरी।

सी.आर.-829/D-50

कार्यालय ग्राम पंचायत बघई अहलवार विकास खण्ड अमावां जनपद रायबरेली

पत्रांकः—मेमो/मनरेगा/निर्माण कार्य निविदा   दिनाक 18.07.2025

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण

महत्मागांधी नरेगा वर्ष 2024—25 के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बघई अहलवार विकास खण्ड अमावां रायबरेली में निम्नलिखित निर्माण कार्यो के कराये जाने हेतु सामग्री की आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा दिनॉक 19.07.2025 को अपरान्ह 1 बजे से ग्राम पंचायत बघई अहलवार कार्यालय में आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन निविदा कमेटी के समक्ष खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र निविदा आमंत्रण तिथि से एक दिवस पूर्व तक क्रय किये जा सकते हैं। निर्धारित समय सीमा के पश्चात निविदा पर कोई विचार नही किया जयेगा। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनॉक 02.08.2025 को अपरान्ह 1 तक उक्त सामग्री हेतु अपनी दरें बंद लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय बघई अहलवार में डाल सकते है।
आपूर्ति का विवरण निम्नवत हैं।

क0स0	कार्य का विवरण	कार्य की माप	आपूर्ति की जाने वाली सामग्री का विवरण	आपूर्ति की जाने वाली सामग्री की मात्रा	अनुमानित लागत	धरोहर धनराशि 5 प्रति0	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने का समय
1	इटरलाकिंग निर्माण कार्य, राम हेत के दरवाजे से विनोद के दरवाजे तक	170मी0	ब्रिकब्लास्ट सीमेंट फाइनसेण्ड कोरसेण्ड ब्रिक एम 150 इण्टरलाकिंग ईट लोकलसेण्ड स्टोनग्रिट20एमएम स्टोनग्रिट10एमएम	42 घ0मी0 717 टन 21 घ0मी0 5.80 घ0मी0 8270 नग 15232 नग 30 घ0मी0 1.30 घ0मी0 0.43 घ0मी0	821112.00	41055.6	100रू0	3 माह

नियम व शर्ते—

1. जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम होगी उसे सामाग्री आपूर्ति हेतु ग्राम पंचायत द्वारा सूचित किया जायेगा।
2. आपूर्ति कर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। तथा आयकर दाता हो।
3. निविदा आपूर्तिकर्ता एंव ग्राम पंचायत सदस्य के समक्ष खोला जायेगा।
4. सामाग्री आपूर्ति स्वीकृत दर पर ग्राम पंचायत परिधि में निर्माण स्थल पर करनी होगी।
5. जो दरें प्रस्तुत की जायेगीं वह बैट तथा कार्टेज जोडकर प्रस्तुत की जायेगीं ।
6. सामाग्री आपूर्ति सचिव/प्रधान सम्बंधित ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी। समाग्री की मात्रा घटाई व बढ़ाई जा सकती है। प्रस्तुत दर पी0डब्लू0डी0 द्वारा स्वीकृत दर से अधिक न हो। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। धरोहर की धनराशि नगद एफ0डी0आर.एन0एस0सी0 डाकघर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत के नाम बंधक हो एंव संलग्न करना अनिवार्य है।
7. जी0एस0टी0 कनवेनस अलग से देय होगा।

ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत बघई अहलवार
विकास खण्ड—अमावां, रायबरेली

सचिव
ग्राम पंचायत बघई अहलवार
विकास खण्ड—अमावां, रायबरेली

पीलीभीत टाइगर रिजर्व से सटे गामीणों में बाघ का खौफ

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत टाइगर रिजर्व से सटे गांवों में इन दिनों बाघ का खौफ इस कदर फैला है कि लोग खेतों में जाना छोड़ चुके हैं, बच्चे स्कूल नहीं जा रहे और गांव के लोग सामूहिक तौर पर चौपालों में दिन काट रहे हैं। पिछले दो महीने में बाघ अब तक 7 लोगों की जान ले चुका है। वहीं पिछले 4 दिनों में दो मौतें और दो लोग घायल हो चुके हैं। 14 जुलाई को महोफ रेंज के फुलहर गांव में सुबह-सुबह खेत पर गए दयाराम बाघ का शिकार बन गए। उनके परिजनों से बात की गई। पत्नी और बेटे की आंखों में आंसू थे, तो गांव वालों डरे थे। बच्चे भी सहमें हैं। वहीं 17 जुलाई को मंडरिया गांव में बाघ के हमले में तीन लोग घायल हुए, जबकि कृष्णा देवी नाम की महिला की मौत हो गई। महिला के बेटे ने कहा बाघ पहले भी आते थे, पर हमला नहीं करते थे, लेकिन अब मां चली गई, कल को हम भी जा सकते हैं। बाघ को जल्द पकड़ा जाए। बाघ के डर का सबसे बड़ा असर बच्चों पर दिख रहा है। फुलहर और मंडरिया गांवों के बच्चे स्कूल जाने से कतरा रहे हैं। कई ग्रामीणों ने बताया कि अब लोग खेतों में अकेले नहीं जा रहे। एक जगह इकट्ठा होकर काम कर रहे हैं। बाघ का हमला सिर्फ मौत लेकर नहीं आया बल्कि कुछ साहस की कहानियां भी सामने आईं। मंडरिया गांव में बाघ ने जब निलेश नामक युवक पर हमला किया, तो उसके दोस्त हरिवंश ने जान की परवाह किए बिना बाघ से लोहा लिया और निलेश की जान बचा ली। हरिबंश ने कहा मैंने बाघ को पूरी ताकत से मारा, वो निलेश को छोड़कर भाग गया। वहीं बाघ को पकड़ने के लिए वन विभाग और बाघ मित्र की टीमें लगातार ऑपरेशन चला रही हैं। महेशपुर गांव में बाघ के ताजे पगमार्क मिले।

आपातकालीन चिकित्सा के लिए अपडेट रहें चिकित्सक : एनबी सिंह

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनबी सिंह ने कहा कि सभी चिकित्सकों को आपातकालीन प्रबंधन के बारे में अपडेट रहना जरूरी है। चिकित्सक किसी भी स्पेशलिटी के हों, इमरजेंसी मैनेजमेंट जानना सबके लिए आवश्यक है। अस्पताल में, घर में और आस पड़ोंस में कहीं भी आपातकालीन परिस्थिति आ सकती है। वह रविवार को बलरामपुर अस्पताल में इमरजेंसी मैनेजमेंट वर्कशॉप के समापन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि इमरजेंसी में मरीज और उनके परिजन उम्मीद करते हैं कि चिकित्सक मदद करेंगे। भले ही किसी भी स्पेशलिटी के हों। यह ट्रेनिंग बहुत महत्वपूर्ण है। इस ट्रेनिंग से इमरजेंसी में ट्रॉमा, कार्डियक अरेस्ट, स्नेक बाइट प्वायजनिंग के मरीजों के बेहतर इलाज में काफी मदद मिलेगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने ट्रेनिंग कराने वाली संस्था ईएमआरआई के विशेषज्ञों से कहा कि जिले में सभी डॉक्टर्स को भी ये ट्रेनिंग दी जाय और हर 6 माह में रिफ्रेशर ट्रेनिंग भी मिले। इससे इमरजेंसी में मरीजों के इलाज में काफी मदद मिलेगी।

प्रशिक्षण प्राप्त चिकित्सकों ने साझा किए अनुभव

सीएचसी मोहनलालगंज के डॉक्टर भारतेन्दु प्रकाश ने कहा कि इस प्रशिक्षण से इमरजेंसी केयर की जानकारी बढ़ी है और इससे इमरजेंसी में इलाज के लिए काफी मदद मिलेगी। सीएचसी गोसाईंगंज के डॉ. विनय शंकर पांडेय ने बताया कि ट्रेनिंग में दी गई जानकारी से इमरजेंसी मैनेजमेंट में काफी मदद मिलेगी। यूसीचएसी इंदिरा नगर की डॉ. सौम्या सिंह ने बताया कि इससे काफी सीखने को मिला। इससे मरीज का किस तरह इलाज करेंगे। यह प्रैक्टिकली समझने का मौका मिला। सीएचसी माल से डॉ. मोहम्मद आमिर ने कहा कि सीएचसी में इमरजेंसी मैनेजमेंट के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है विशेष तौर पर स्नेक बाइट, चेस्ट पेन व टॉमा केसेज मैनेजमेंट में महत्वपूर्ण जानकारी मिली।

मनोज हत्याकांड में पुलिस कातिलों के करीब

कई हिरासत में, तीन माह पहले मई में हुआ था मर्डर, कई थे शामिल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। एक कहावत है कि कातिल कितना भी चालाक हो और वारदात को सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया हो लेकिन वह मौके पर वारदात पर कोई न कोई सुराग या कमी छोड़ ही देता है जिससे पुलिस अंत में शातिर के गिरेबान तक पहुंच ही जाती है। ठीक वैसे ही राजधानी के इंदिरानगर इलाके में तीन माह पहले हुई एक युवक की हत्या का खुलासा करने में जुटी पुलिस आखिरकार हत्यारों के करीब पहुंच ही गयी। इस ब्लाइंड मर्डर की निगरानी में लगे अफसरों की मेहनत से इस वारदात में शामिल हत्यारों को करीब करीब पुलिस टीमों ने तलाश लिया है और कातिलों के बहुत ही करीब है। हालांकि अभी तक अफसरों ने इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं की है लेकिन सूत्रों की मानें तो पुलिस को इस खुलासे में सफलता मिल गयी है और वह जल्द ही इस हत्या का सफल अनावरण कर कातिलों को सलाखें के पीछे भेजेगी। गौरतलब है कि मई में इंदिरानगर इलाके में नारियल पानी का ठेला लगाने वाले 25 वर्षीय मनोज कुमार की कुछ लोगों ने लोहे की राड से सिर पर वारकर हत्या कर दी थी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ था जो पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ था। बताया जा रहा है कि इस वारदात में शामिल हत्यारों की पहचान नहीं हो पा रही थी जिसके चलते आरोपियों तक पहुंचने में पुलिस को खासी दिक्कतें आ रही थीं। हत्यारों को पकड़ने के लिए पूर्वी के अफसरों ने खुद मोर्चा संभाला और दो टीमें लगाकर सर्विलांस व सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आखिरकार हत्यारों तक पहुंच गयी। सूत्रों की माने तो इस वारदात में शामिल आरोपियों के पुलिस काफी करीब है और इस घटना का वह जल्द ही पर्दाफास करने वाली है।

ब्यूटी पार्लर संचालिका ने फांसी लगाकर दी जान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। राजधानी के मोहनलालगंज इलाके में स्थित डेहवा गांव में रविवार को घरेलू कलह से परेशान ब्यूटी पार्लर संचालिका ने घर के कमरे की छत में लगे कुंडे में दुपट्टे के सहारे फांसी लगाकर जान दे दी।सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे मायके पक्ष के लोग हत्या करने का आरोप लगाकर हंगामा करने लगे। जिन्हे पुलिस ने समझा बुझाकर शांत कराया।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहनलालगंज के डेहवा गांव में सुभाष कुमार अपनी पत्नी किरन रावत(32वर्ष) व बेटे आदर्श के साथ रहते थे,किरन ब्यूटी पार्लर चलाती थी।रविवार को सुभाष अपनी बहन के घर चला गया।घर पर मौजूद पत्नी किरन का किसी बात को लेकर अपने ससुर से झगड़ा हो गया।जिसके बाद नाराज किरन ने अपने कमरे को अंदर से बंद कर छत में लगे पंखे के हुक में दुपट्टे के सहारे फांसी लगाकर जान दे दी। परिजनो की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक महिला के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पीएम के लिये भेजा।इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह ने बताया प्रथम दृष्टया जांच में घरेलू कलह से परेशान होकर महिला के द्वारा आत्महत्या किये जाने की बात पता चली है.पीएम रिपोट में मौत का कारण स्पष्ट होने के बाद आगे की कार्यवाही की जायेगी।

बाइक सवार युवक को बदमाशों ने मारी गोली

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। प्रयागराज के मऊ आइमा थाना क्षेत्र के तिलई बाजार में बाइक सवार युवक को बदमाशों ने गोली मारकर फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने घायल युवक को अस्पताल भेज दिया है। घायल के परिजनों की तहरीर मुकदमा दर्ज कर विवेचना की जा रही है। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि उसे गोली लगी है या नहीं। अपर पुलिस उपायुक्त गंगा नगर पुष्कर वर्मा ने बताया कि मऊआइमा के दुबाही गांव निवासी मोहम्मद जैद को तिलई बाजार में मोटर साइकिल सवार बदमाश गोली मारकर फरार हो गए। इस तरह की सूचना मिली है। स्थानीय पुलिस टीम घायल होने वाले युवक जैद को उपचार के लिए अस्पताल ले गई है। उसे गोली लगी है या नहीं अभी इसकी जांच की जा रही है। हालांकि परिवार से तहरीर लेकर मुकदमा दर्ज करके आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बिल्डर से 17 लाख की रंगदारी वसूलने का आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। मोहनलालगंज पुलिस ने बिल्डर से प्लाटिंग करने के एवज में 17लाख की रंगदारी वसूलने के आरोपी युवक को रविवार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया। एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया पदमजा ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड की सहनिदेशक पदमजा सिंह की तहरीर पर 17जून को दबंग अमर सिंह निवासी रायभानखेड़ा थाना मोहनलालगंज समेत कई लोगो के विरुद्ध रायभानखेड़ा में प्लाटिंग करने के एवज में 17लाख रूपये की रंगदारी वसूलने का मुकदमा दर्ज किया गया था।रविवार को अतिरिक्त निरीक्षक रामबाबू सिंह के नेतृत्व में दारोगा रजनीश कुमार समेत पुलिस टीम ने बिल्डर से रंगदारी वसूलने के आरोपी अमर सिंह को मोहनलालगंज इलाके से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।एसीपी ने बताया आरोपी अमर सिंह करणी सेना का जिलाध्यक्ष भी था।वही रंगदारी वसूलने के अन्य आरोपियो की भूमिका की जांच की जा रही है दोष सिद्ध होने पर गिरफ्तार कर उन्हे भी जेल भेजा जायेगा।

खबर एक नजर

स्कूटी से हीरे की अंगूठी चुराते चोर सीसीटीवी में कैद

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। राजधानी के मानकनगर में एक महिला और उसके सहयोगी व्यक्ति ने स्कूटी की डिक्की से हीरे की अंगूठी गायब कर दी। बताया जा रहा है कि दोनों शातिर ज्वैलर्स की दुकान से पीछा करते हुए आए और मौका पाते ही कुछ मिनटों में स्कूटी की डिग्गी में रखी हीरे की अंगूठी पार कर दी और फरार हो गये। इस वारदात की सारी घटना सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गयी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और उसका दावा है कि जल्द शातिर सलाखों के पीछे होंगे। जानकारी के अनुसार सेक्टर-जी एलडीए कॉलोनी कानपुर रोड निवासी शानू 16 जुलाई को रात करीब 8-30 बजे अपनी धर्म पत्नी मीनू फुल को अंगूठी दिलवाने बरगंवा फीनिक्स माल कानपुर रोड के पास कल्याण ज्वैलर्स गए थे। वहां पर 75 हजार रुपए की हीरे की अंगूठी खरीदी। इसके बाद अपनी ओला इलेक्ट्रिक स्कूटी की डिक्की में अंगूठी उसका बिल और अन्य कागज रखकर सर्राफ चौकी आलमबाग के ठीक सामने मुकेश डिपार्टमेंटल स्टोर में कुछ सामान खरीदने चले गए। गाड़ी दुकान के सामने ही खड़ी थी। सामान लेकर दो से तीन मिनट में वापस आए तो गाड़ी की डिक्की से अंगूठी गायब मिली।

बाइक सवार कांवड़िये डिवाइडर से टकराये, मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। बिजनौर के मंडावली थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर जैसे ही वह भोजपुर टोल प्लाजा से आगे निकले तभी आकाश को झपकी आ गई और बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने दो को मृत घोषित कर दिया यह लोग बदायूं से हरिद्वार कांवड़ लेने जा रहे थे। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर परिजनों को सूचना दी। पुलिस के मुताबिक मंडावली थाना क्षेत्र के भागूवाला क्रशर के निकट हाईवे पर शनिवार रात करीब 1.45 बजे बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। मृतकों की पहचान श्री राम कॉलोनी, उसावा बदायूं निवासी 27 वर्षीय रंजीत और 29 वर्षीय अंकित के रूप में हुई है। जबकि आकाश कुमार, अंशुल अवस्थी और राहुल चौबे कई फिट उछलकर सड़क पर जा गिरे और तीनों घायल हो गए। पुलिस का कहना है कि परिजनों ने फोन पर बताया कि दोनों हरिद्वार कांवड़ लेने जा रहे थे।

नहाने गए दो बच्चों की डूबने से मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। हमीरपुर जिले के जलालपुर गांव के पास बह रही बेतवा नदी में रविवार को नहाने के लिए गए दो बच्चे पानी में डूब गए। काफी मशक्कत के बाद बच्चों के शवों को खोज कर पानी से बाहर निकाला गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इसकी जानकारी होते ही उपजिलाधिकारी बलराम गुप्ता व क्षेत्राधिकारी राजकुमार पांडे ने पहुंचकर पीड़ित परिवार को सात्वना दी। क्षेत्राधिकारी के मुताबिक बांदा जिले के बिसंडा गांव निवासी आयुष तिवारी 19 पुत्र रज्जू तिवारी अपने मामा के घर कुछ दिन पहले भेंडी गांव आया हुआ था। दोपहर आयुश तिवारी अपने ममेरे भाई पार्थ 14 पुत्र बबलू तिवारी के साथ भेड़ी जलालपुर के पास बह रही बेतवा नदी में नहाने गये दौरान आयुष तिवारी पानी में डूबने लगा। इसी दौरान जब पार्थ ने डूबते हुए देखा तो उसे बचाने के लिए पानी में कूद गया। इसी बीच दोनों बच्चे पानी में डूब गए। आसपास मौजूद लोगों ने जब देखा तो हड़कम्प मच गया।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। कानपुर के गोविंद नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत मोबाइल चोरी से आहत एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। करीब डेढ़ महीने पहले उसका मोबाइल चोरी हुआ था। जिसकी उसे किस्त भी भरनी पड़ रही थी। इसी बात से परेशान होकर उसने आत्महत्या जैसा कदम उठा लिया। सूचना पर पहुंची ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज पर जांच में जुट गई है। दादानगर लोकनायक कॉलोनी में रहने वाला राकेश दिवाकर (34), पत्नी रेखा और आठ वर्षीय बेटे अनिकेत के साथ रहता था। वह मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता था। परिजनों ने बताया कि छह महीने पहले राकेश ने 24 हजार रुपये की कीमत का आसान किस्तों में मोबाइल खरीदा था। लेकिन डेढ़ महीने पहले उसका मोबाइल चोरी हो गया था। जिस वजह से वह काफी परेशान रहने लगा था। मोबाइल चोरी होने के बावजूद उसे दो हजार रुपये प्रति माह किस्त भरनी पड़ रही थी। जिसे लेकर वह काफी तनाव में चल रहा था। शनिवार रात जब सभी लोग सो गए। इसी बीच उसने नायलॉन की रस्सी से पंखे में फंदा डालकर फांसी लगा ली। सुबह जब परिजनों ने देखा तो पाया कि उसका शव फांसी के फंदे पर लटक रहा था। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। गोविंद नगर थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने रविवार को बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पारा के हंसखेड़ा में व्यक्ति ने गोली मारकर की आत्महत्या

लखनऊ। पारा थाना क्षेत्र के हंसखेड़ा में बीते रविवार को देर शाम सुनील यादव ;45द्ध नामक व्यक्ति ने अवैध देशी तमंचे से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने उन्हें तुरंत ट्रॉमा सेंटर पहुंचायाए जहां डॉक्टरों ने सुनील यादव को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिकए यह घटना रात करीब 8 बजे हुई। मृतक सुनील यादवए राम उजागर यादव के पुत्र थे और हंसखेड़ा गांव के ही निवासी थे। प्रारंभिक जानकारी में परिजनों ने बताया कि सुनील यादव अत्यधिक गुस्सैल स्वभाव के व्यक्ति थे और घटना के समय काफी नशे में थे। घर में किसी बात पर अचानक आक्रोशित होकर उन्होंने देशी तमंचे से खुद को गोली मार ली। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त अवैध देशी तमंचा को कब्जे में ले लिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस इस मामले में आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है।

कैप्टन मनोज पांडेय के पिता से मिले सैन्य अफसर

कारगिल बलिदानी को किया नमन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। मध्य कमान के जनसंपर्क अधिकारी शांतनु प्रताप सिंह ने बताया कि कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ से पूर्व भारतीय सेना ने एक भावुक अभियान की शुरुआत की है। इसमें वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए देशभर में एक संपर्क कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत सेना के प्रतिनिधि कारगिल के वीरों के गृहनगरों का दौरा कर उनके परिजनों से मिल रहे हैं और व्यक्तिगत रूप से श्रद्धांजलि दे रहे हैं। इसी क्रम में सैन्य प्रतिनिधियों ने रविवार को सेना के प्रतिनिधियों ने परमवीरचक्र (मरणोपरांत) से सम्मानित कैप्टन मनोज पांडेय के गोमतीनगर स्थित परिजनों से

मुलाकात की। जनसंपर्क अधिकारी ने आगे बताया कि कैप्टन मनोज कुमार पांडेय एक 24 वर्षीय युवा सेना अधिकारी थे, जिनका शौर्य व बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने खालूबार टॉप को पाकिस्तानी सेना के कब्जे से छुड़ाने के दौरान वीरगति प्राप्त की थी। कारगिल युद्ध के दौरान उन्होंने उस क्षेत्र में हमारी विजय का मार्ग प्रशस्त किया। मुलाकात के दौरान उनके परिजनों ने सैन्य अफसरों से गर्व और भावुकता से कहा कि उनकी यादें हमारे साथ हर दिन रहती हैं। लेकिन सेना की यह मुलाकात हमें यह महसूस कराती है कि देश आज भी हमारे साथ खड़ा है और उनके बलिदान को नहीं भूला है।

एटीएम बदलकर ठगी करने वाले गिरोह पर एसटीएफ का शिकंजा

पांच गिरफ्तार उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में घूम घूमकर करते थे घटनाए

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। यूपी एसटीएफ का लगातार खुलासों का दौर जारी है। इसी सिलसिलेवार खुलासे में एक ऐसे गैंग का राजफास किया है जो एटीएम बूथ के बाहर खड़े होकर लोगों का एटीएम बदलकर ठगी करते थे। गिरोह में शामिल पांच जालसाजों को लखनऊ कमिश्नरेट के गोसाईगंज इलाके से गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि गिरफ्त में आये यह शातिर आरोपी हैं जिनके पास से 75 एटीएम कार्ड, नकदी व एक कार बरामद हुई है। वहीं इस खुलासे में शामिल एसटीएफ की टीम गैंग के अन्य श्रोतों की तलाश कर रही है। यूपी एसटीएफ ने बताया कि गिरफ्तार किए गये आरोपियों की पहचान मोहनगंज थाना कोतवाली देहात प्रतापगढ़ निवासी ज्ञानेंद्र शुक्ल पुत्र

चन्द्रमणि शुक्ल, जेठवारा प्रतापगढ़ निवासी उमेश यादव पुत्र हरिकेश यादव, हंडिया प्रयागराज निवासी रोशन सिंह पुत्र कामबहादुर सिंह, शिवप्रकाश सिंह और विपेंद्र सिंह पुत्र रणविजय सिंह के रूप में हुई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि हम लोगों का एक संगठित गिरोह है, जो उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली एनसीआर आदि राज्यों से एटीएम कार्ड बदलकर लोगों के खाते से पैसा निकाल लेते थे। इस गिरोह द्वारा यह काम काफी समय से किया जा रहा था। गिरोह के सदस्य एटीएम बूथ में घुसकर पैसा निकालने वाले लोगों के पीछे खड़े हो जाते थे। किसी भी तरीके से उनका पिन कोड देख लेते थे। जिसके बाद उन्हें धक्का देकर या अन्य किसी बहाने से उनका ध्यान भटकाकर उनका कार्ड बदल लेते थे। दूसरे एटीएम बूथ में जाकर उनका पूरा पैसा निकाल लेते थे और फिर आसानी के साथ दूसरे टारगेट पर निकल जाते थे।

पुलिस मुठभेड़ : शातिर चोर सूरज सोनी घायल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। रविवार देर रात लखनऊ के कृष्णानगर थाना क्षेत्र में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में एक शातिर चोर सूरज सोनी पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। सूरज सोनी के खिलाफ विभिन्न थानों में चोरी के कुल 17 मुकदमे दर्ज हैं। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया हैए और मामले की जांच जारी है। पुलिस के अनुसारए सूरज सोनी पुलिस पर तमंचे से गोली चलाते हुए भागने का प्रयास कर रहा था। जवाबी फायरिंग में उसके पैर में गोली लग गईए जिससे वह घायल हो गया। पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं। पुलिस ने बताया कि सूरज सोनी बंद मकानों की रेकी कर चोरी करने वाले गिरोह का सदस्य है। उसके तीन साथियों को आज दिन में ही गिरफ्तार कर लिया गया था। यह गिरोह लखनऊ में किराए के मकान में रहकर आसपास के इलाकों में घूम.घूमकर

बंद घरों की पहचान करता था। इसके बादए रात में उन घरों के ताले तोड़कर चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी में इस्तेमाल की गई अपाचे बाइक और ताला तोड़ने वाले औजार बरामद किए हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वे सीतापुरए रायबरेली और लखनऊ के रहने वाले हैं और लखनऊ में किराए पर रहते हैं। वे बंद मकानों की रेकी करते थे और देर रात चिह्नित मकानों के ताले तोड़कर नकदी व जेवर चोरी कर आपस में बराबर बांट लेते थे। पूछताछ में यह भी सामने आया कि करीब 8.10 दिन पहले सूरज सोनी और उसके तीन साथियों ने विष्णुलोक कॉलोनी में एक बंद घर का दरवाजा तोड़ने का प्रयास किया थाए लेकिन दरवाजा न टूटने और स्थानीय लोगों के जाग जाने के कारण उन्हें भागना पड़ा। उसी रातए इन चारों ने प्रताप नगर कॉलोनी में एक अन्य बंद मकान में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था।

अनियंत्रित स्कार्पियो ढाबा के अंदर घुसी, बाल-बाल बचे लोग

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके में शहीद पथ सर्विस लेन पर स्थित एक ढाबे में एक स्कार्पियो कार अनियत्रित

ढाबा मालिक ने पुलिस को दी घटना की जानकारी

होकर अंदर घुस गई। स्कार्पियो कार ढाबे के अंदर आचानक घुसने से अफरा तफरी मच गई। ढाबा मालिक ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्कार्पियो को अपने कब्जे में ले लिया। यह घटना पूरी सीसी टीवी में कैद हो गई। शनिवार देर रात करीब पौने 2 बजे अहिमामऊ के पास शहीद पथ की सर्विस लेने पर स्थित सीवाज ढाबे में एक स्कार्पियो कार अनियंत्रित

होकर अंदर घुस गई। वह कार ढाबे की किचन की दीवार से टकरा कर छतिग्रस्त भी हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को बताया कि स्कॉर्पियो चला रह युवक नशे में था। उसने करीब एक घंटे पहले ढाबे पर ही शराब पी थी। कार, टेबल और फिर किचन की दीवार से टकराने से स्कॉर्पियो क्षतिग्रस्त हो गई। उसका ड्राइवर साइड का गेट लॉक हो गया। इस वजह से गाड़ी चला रहा युवक फंस गया। ढाबे में खड़े एक युवक ने स्कॉर्पियो का गेट खींचकर उसे बाहर निकाला। जिसके बाद चालक थप्पड़ मारते हुए मौके से भाग निकला। घटना पूरी ढाबे पर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। चालक की पहचान अहिमामऊ निवासी सोनू के रूप में हुई है। पुलिस का कहना है कि मामले में किसी ने तहरीर नहीं दी है। सुशान्त गोल्फ सिटी पुलिस ने बताया कि दोनों व्यक्तियों में बातचीत चल रही है। तहरीर मिलने पर कार्यवाई की जाएगी।

पुलिस मुठभेड़ में बदमाशों के पैर में गोली लगी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। सुलतानपुर के क्राइम ब्रांच और गोसाईगंज पुलिस टीम के मुठभेड़ में दो बदमाशों गिरफ्तार हुए हैं। बदमाशों ने पुलिस पर गोली चलाई। जवाबी कार्रवाई में शक्ति सिंह और देव दत्त सिंह उर्फ बाबा के पैर में गोली लग गई। पुलिस ने इनके पास से दो हथियार, चार कारतूस और एक कार बरामद हुई है। दोनों पर 12 से अधिक संगीन मामले दर्ज हैं। एएसपी अखंड प्रताप सिंह ने बताया कि बलरामऊ गांव के पास गोसाईगंज थाने की पुलिस और एसओजी टीम ने घेराबंदी की। सैफुल्लागंज से आ रही कार को रोकने का इशारा किया गया। जवाबी कार्रवाई में शक्ति सिंह और देव दत्त सिंह उर्फ बाबा के पैर में गोली लग गई। दोनों बदमाशों को सीएचसी जयसिंहपुर से मेडिकल कॉलेज सुलतानपुर रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार, दोनों किसी की हत्या करने जा रहे थे। इससे पहले शुक्रवार रात मोतिगरपुर थाना क्षेत्र के दियरा बाजार में दो आपराधिक गुटों के बीच विवाद हुआ था। वायरल वीडियो में दोनों गैंग के लोग लाठी-डंडों और हथियारों से लैस दिखे।

धर्मांतरण मामले में दो सगी बहने कोलकाता से बरामद

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। यूपी स्थानीय पुलिस समेत एसटीएफ व एटीएस की संयुक्त टीमों ने आगरा जिले से गायब हुई दो सगी बहनें 4 महीने बाद करीब 1300 किमी. दूर कोलकाता से बरामद किया है। युवतियों ने राज खोलते हुए धर्मांतरण मामले में परत दर परत नये अध्याय खुल रहे हैं। ब्रेनवॉश और धर्मांतरण की इस कहानी की शुरुआत करीब 4 साल पहले यानी वर्ष 2021 में हो चुकी थी। पुलिस को पीड़िताओं के पिता ने बताया कि वह सदर इलाके में एक सामान्य परिवार की दो बहनें हैं जिनमें बड़ी बहन मुस्कान (बदला हुआ नाम) उसने आगरा के डीईआई कॉलेज से एमफिल किया है। उसके साथ खुशबू उर्फ साइमा नाम की एक लड़की पढ़ती थी, जो ऊधमपुर (कश्मीर) की रहने वाली है। साइमा से उसकी अच्छी दोस्ती हो गई। अक्सर कॉलेज और कोचिंग में आते-जाते साइमा, मुस्कान को इस्लाम धर्म की अच्छाइयों के बारे में बताती रहती थी। वह कई बार मोबाइल पर वीडियो दिखाती और कहती कि हिजाब पहनने से सुरक्षा रहती है, तुम्हारे धर्म में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। धीरे-धीरे मुस्कान को भी लगने लगा कि इस्लाम धर्म बेहतर है। मुस्कान के घर के पास ही एक मस्जिद थी जब मस्जिद में अजान होती थी, तो वह अपने घर पर ही नमाज पढ़ती थी। शुरुआत में वह यह सब अपने परिवार से छिपाकर करती रहीएक दिन, जब उसकी मां घर के मंदिर में पूजा कर रही थी, तब मुस्कान ने उन्हें रोक दिया। कहा- इनकी पूजा करके कुछ नहीं होगा, आप नमाज पढ़ा करो। इसके बाद वह घर में होने वाली पूजा-पाठ का खुलकर विरोध करने लगी। उधर, साइमा लगातार मुस्कान का ब्रेनवॉश कर रही थी उसने पढ़ने के लिए उसे इस्लामिक किताबें भी दीं। जिनका हिंदी अनुवाद मुस्कान अपने घर लेकर आई और पूरे परिवार से कहा- आप इनको पढ़ो, अल्लाह ही बरकत देगा। पिता ने बताया कि मामले की शुरुआत वर्ष 2021 से हुई बड़ी बेटी पीएचडी की कोचिंग ले रही थी। उसी दौरान साथ में पढ़ाइ कर रही जम्मू कश्मीर की युवतियों से मुलाकात हुई और दोस्ती हो गई। इनमें एक युवती ने उनकी बेटी को धर्मांतरण के लिए प्रेरित किया था।

कार ने रिक्शा को मारी टक्कर, दो की मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। पचपेड़वा-बढ़नी राष्ट्रीय राजमार्ग पर शंकरपुर कला गांव के पास रविवार की सुबह करीब 10 बजे तेज रफ्तार अर्टिगा कार ने ई-रिक्शा को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। सड़क हादसे में ई-रिक्शा पर बैठे मुस्ताक उर्फ बब्बू (45) निवासी शंकरपुर कला पचपेड़वा व कल्प हुसैन (70) निवासी ठुडवलिया पचपेड़वा की मौत हो गई। हादसे में पांच लोग घायल हो गए हैं। एक की हालत गंभीर होने पर सीएचसी पचपेड़वा से जिला अस्पताल रेफर किया गया है। अर्टिगा कार से बीयर व शराब बरामद की गई है। अर्टिगा कार हिमांचल प्रदेश से नेपाल जा रही थी। अर्टिगा कार में छह लोग सवार थे। सभी लोग सुरक्षित हैं। खैरुन्निशा की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। बाकी चार अन्य घायलों का सीएचसी में इलाज किया जा रहा है। अर्टिगा कार के सभी सवार सुरक्षित बच गए। कार सवार ओम प्रकाश व सुमन राना ने बताया कि हम छह लोग थे। हिमांचल प्रदेश से नेपाल जा रहे थे।

युवक की पीट-पीटकर हत्या

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। फतेहपुर जिले में रविवार को मलवां थाना क्षेत्र के मोहनखेड़ा गांव में बकरी चोरी के शक में भीड़ ने एक युवक को खंभे से बांधकर बेरहमी से पीट पीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।मृतक के परिजनों का आरोप है कि युवक मानसिक रूप से अस्वस्थ था। भीड़ ने उसे पीट-पीटकर जान से मार डाला। मृतक की पहचान मनोज सिंह राजपूत (40)पुत्र स्वर्गीय सरजू सिंह, निवासी ग्राम भदवा, थाना मलवा के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि मनोज बीते चार-पांच दिनों से मानसिक रूप से अस्वस्थ चल रहा था और शनिवार रात घर की छत से कूदकर बाहर निकल गया था। आज वह मोहनखेड़ा गांव पहुंच गया, जहां कुछ लोगों ने उसे बकरी चोरी के शक में पकड़ लिया और खंभे से बांधकर पीटना शुरू कर दिया। मनोज के बड़े भाई विनोद राजपूत ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच कर मनोज को ग्रामीणों के द्वारा बांधकर पिटाई किए जाने से मुक्त कराकर गंभीर अवस्था में सीएचसी बिंदकी में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।परिजनों ने घटना में पीट पीट कर हत्या करने का आरोप लगाते हुए कई लोगों के खिलाफ मलवां थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।सीओ सिटी गौरव शर्मा ने बताया कि मामले में तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मामूली विवाद में दबंगों ने की मारपीट, महिला घायल

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। गुडंबा इलाके में मामूली विवाद में दो पक्षों में जमकर लाठी-डंडा और कुर्सियां चलीं। इसमें एक महिला को गंभीर चोट आई है। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाते हुए तहरीर में बताया कि वह बचने के लिए घर के अंदर भागे तो दबंगों ने पीछे से आकर हमला कर घायल कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस घायलों को अस्पताल में भर्ती कराते हुए मामला दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है।

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

फैलता जाल

यूपी में साजिश धर्मांतरण कराने का खास जरिया लव जिहाद और ब्रेनवॉश था। चिंता की बात यह है कि अब इसे मुहिम बना दिया गया है जिसमें झांसा व लालच देने से लेकर ब्लैकमेलिंग तक के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। बलरामपुर जिले की उतरौला तहसील में पिछले दिनों ऐसे ही एक गिरोह के सरगना छांगुर उर्फ जलालुद्दीन एवं उसकी विश्वस्त सहयोगी हिंदू से मुस्लिम बनी नीतू उर्फ नसरीन के पकड़े जाने के बाद से हर दिन उनके चौंकाने वाले राज तो सामने आ ही रहे थे कि अब एक और गिरोह के दस लोग छह राज्यों से पकड़े गए हैं। इनके तार पीएफआई, एसडीपीआई और पाकिस्तान के आतंकी संगठनों तक से जुड़े हैं। गिरोह को कनाडा और अमेरिका से फंडिंग हो रही थी जबकि छांगुर को मुंबई के अलावा पाकिस्तान और खाड़ी के देशों से करोड़ों रुपए इस काम के लिए भेजे जाते थे। ध्यान रखने की बात यह भी है कि धर्मांतरण के लिए अब तक मध्यम और औसत दर्जे के परिवारों की लड़कियों-महिलाओं पर डोरे डाले जाते थे लेकिन उनमें कुछ सतर्कता आने के बाद गरीब और बेसहारा हिंदू परिवारों पर नजरें टिकने लगीं और इसमें ये लोग कामयाब भी रहे। मोहब्बत की दुहाई, अच्छी नौकरी-कामधंधा-बेतहाशा पैसे के साथ ऐश की जिंदगी के सब्जबाग दिखाकर इन्हें दूसरा धर्म कबूल कराया जाता और झांसे में आने के बाद भी धर्म बदलने को राजी नहीं हुईं तो अश्लील वीडियो बनाकर उन्हें मजबूर किया जाता। यूपी समेत छह राज्यों में इनके भंडाफोड़ से यह आशंका तेज हो गई है कि लोगों के बीच नफरत फैलाने का यह षड्यंत्र देशव्यापी स्तर पर फैल चुका है। अब यह देखते हुए कि इस काम के लिए सोशल मीडिया पर दोस्ती के बहाने तथाकथित प्रेम प्रसंग बनाया और उसी की झोंक में धर्म भी बदलवाया जा रहा है, जरूरी हो गया है कि खासतौर पर किशोरियों व युवतियों अपनी भावनाओं के आवेग पर नियंत्रण रखते हुए ऐसे पचड़ों से दूर ही रहें क्योंकि आखिरकार बेवकूफी भरा एक कदम ही उनका जीवन बर्बाद कर सकता है। गरीबी ऐसा अभिशाप है जिसका गलत मानसिकता का हर व्यक्ति फायदा उठाता है और गरीब की यह मनोवैज्ञानिक मजबूरी है कि उसे कहीं से भी मौका मिलते ही अभावग्रस्तता से छुटकारे की सोचता है। गरीब लड़कियों की भी यही समस्या है लेकिन यह परिस्थितियों से उपजी विवशता ही है। इसलिए सरकार व समाज को गरीबों के उन्नयन के साथ उनमें निचले स्तर तक जागरूकता पैदा करनी होगी।

जेल और कट्टरपंथ

जेलों में कट्टरवादी सोच अब गंभीर और व्यापक समस्या बन गई है। यूपी समेत देश के कई राज्यों में इसके तमाम उदाहरण मिल रहे हैं। स्थिति यह है कि जेलों में सामाजिक अलगाव, मानसिक तनाव और अपर्याप्त निगरानी के कारण कुछ कैदी कट्टरवादी विचारों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। यह वास्तव में गंभीर स्थिति है। कुछ मामलों में तो ऐसे उग्र कैदियों ने जैल कर्मचारियों और दूसरे कैदियों पर हमले की साजिशें भी रचीं। अब गृह मंत्रालय ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को पत्र लिखकर विभिन्न कदम उठाने की सूची जारी की है, जिनमें कैदियों की स्क्रीनिंग, समय-समय पर जोखिम मूल्यांकन और अधिक जोखिम वाले कैदियों को अधिक निगरानी के साथ अलग रखने की व्यवस्था करना शामिल है। इसमें कहा गया है कि राज्य सरकारों को कट्टरपंथी कैदियों के लिए अलग से उच्च सुरक्षा वाले जेल परिसर की स्थापना पर विचार करना चाहिए। इन कैदियों की निगरानी के लिए निगरानी उपकरणों तथा खुफिया तंत्र का इस्तेमाल किया जाना चाहिए तथा उनके और उनके परिवारों के बीच निरंतर संपर्क को बढ़ावा देना भी ऐसे कैदियों की भावनात्मक स्थिरता में योगदान दे सकता है। मंत्रालय के मुताबिक, कट्टरवाद चूंकि अक्सर आपराधिक गतिविधियों की पहली वजह पाया गया है, इसलिए जेलों में कट्टरपंथ की जांच तथा इसे खत्म करने के लिए तत्काल अभियान शुरू करने की आवश्यकता है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देश में कैदियों का समय-समय पर मूल्यांकन करने तथा जेलों को केवल दंडस्थल नहीं, बल्कि सुधारस्थल बनाने पर भी जोर दिया गया है। जेलों में कट्टरपंथ का बढ़ना इसलिए ज्यादा खतरनाक हो सकता है, क्योंकि जेलें बंद स्थान होती हैं, जहां सामाजिक अलगाव, सामूहिक गतिशीलता तथा निगरानी की कमी चरम दृष्टिकोणों को बढ़ावा दे सकती है। अलगाव की भावना, हिंसक प्रवृत्ति तथा असामाजिक दृष्टिकोण के कारण कैदियों के कट्टरपंथी विमर्श की ओर झुकने की आशंका वैसे भी ज्यादा है। सरकार ने इस खतरनाक स्थिति की ओर भी ध्यान दिलाया है कि जेलों में बढ़ता कट्टरपंथ वैश्विक स्तर पर एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। जेलों में बढ़ती कट्टरवादी सोच पर अंकुश लगाना जरूरी है, ताकि हिंसक उग्रवाद के खतरे को कम किया जा सके और कैदियों का पुनर्वास बेहतर ढंग से हो सके।

काँव-काँव

◆◆◆

यूपी में बड़े धर्मांतरण रैकेट का हुआ भंडाफोड़
ग्यारह वर्षों से तो देश में रामराज्य जारी है।

भारत पाकिस्तान संघर्ष में पांच जेट गिरे-ट्रम्प
लगातार बोलते रहने की बीमारी खतरनाक है!

बेंगलोर एयरपोर्ट से करोड़ों की कोकीन बरामद
देश में नशेड़ियों का अमृतकाल आया हुआ है!

पूर्ण राज्य का दर्जा हमारा अधिकार है -फारूख
राष्ट्रपति शासन लगा देना केंद्र का अधिकार है!

यूपी में बाजरा बढ़ायेगा किसानों की आमदनी
आमदनी खपाने के दारू सरकारी ठेके भी हैं!

दुनिया घूमे पर मणिपुर नहीं गये मोदी -कांग्रेस
चौक में रहने वाले लोग इमामबाड़ा नहीं घूमते!

◆◆◆

‘ग्रेटर इस्राईल’ के निर्माण की राह पर इस्राइल?

-तनवीर जाफ़री

सीरिया की सत्ता की बागडोर इस समय अहमद अल-शरा उर्फ़ अबू मोहम्मद अल-जुलानी नमक एक ऐसे विवादास्पद व्यक्ति के हाथों में है, जो एक आतंकवादी नेता से सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति की कुर्सी तक पहुंचा है। अलक़ायदा से निकले जुलानी के आतंकी संगठन हयात तहरीर अल-शाम HTS को संयुक्त राष्ट्र, अमेरिका, यूरोपीय संघ और ब्रिटेन ने आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया था। पहले अमेरिका ने जुलानी पर 10 मिलियन डॉलर का इनाम भी रखा था। बाद में 14 मई 2025 को सऊदी अरब की राजधानी रियाद में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जुलानी से मुलाक़ात की और सीरिया पर लगे प्रतिबंध हटा दिए, जिससे उनकी सरकार को मान्यता मिली। इस मुलाक़ात के समय सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान भी मौजूद थे। ग़ौर तलब है कि बशर अल-असद की सरकार का पतन 8 दिसंबर, 2024 को हुआ, जब विद्रोही गुटों, विशेष रूप से अबू मोहम्मद अल-जुलानी के नेतृत्व वाले हयात तहरीर अल-शाम (HTS) ने सीरिया की राजधानी दमिश्क पर क़ब्ज़ा कर लिया। इसके बाद राष्ट्रपति बशर अल-असद अपने परिवार के साथ देश छोड़कर रूस चले गये। असद को रूस में राजनीतिक शरण दी गई। विद्रोहियों ने 27 नवंबर, 2024 को शुरू हुए एक तीव्र हमले के बाद, केवल 11 दिनों में ही बिना किसी खूनी संघर्ष के असद सरकार को उखाड़ फेंका था। बशर अल-असद को सत्ता से हटाने व अबू मोहम्मद अल-जुलानी को आतंकी से सीरिया का अंतरिम राष्ट्रपति बनाने तक के सफ़र में अमेरिका व इस्राईल की महत्वपूर्ण भूमिका थी। अमेरिका व इस्राईल ने ऐसा इसलिये किया था क्योंकि बशर अल-असद का न केवल रूस की ओर झुकाव था बल्कि उन्हें ईरान समर्थित भी माना जा रहा था। इसीलिये शिया सुन्नी मतभेदों का लाभ लेकर कट्टर सुन्नी विचारधारा वाले अबू मोहम्मद अल-जुलानी को सत्ता सौंपी गयी। आज उसी सीरिया पर इस्राईल तरह तरह के बहाने बनाकर हमलावर है।इस्राईली वायुसेना ने गत 16 जुलाई को सीरिया की राजधानी दमिश्क में सीरियाई सेना के मुख्यालय और दक्षिणी सीरिया के दर्रा और स्वीदा क्षेत्रों में सैन्य ठिकानों पर हवाई हमला किया । इस्राईल की ओर से हमले का उद्देश्य द्रूज़ व अन्य अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा के लिए उठाया जाने वाला रणनीतिक क़दम बताया गया। जबकि राजनैतिक विश्लेषकों का मानना है कि ग़ज़ा में नरसंहार की इबारत लिखने वाली इस्राईली सेना का सीरिया में द्रूज़ समुदाय की सुरक्षा के लिए खड़े होने की बात करना ही अपने आप में हास्यास्पद है। दरअसल इस हमले का मक़सद व सन्देश सीरिया का असैनिकीकरण करना है। और इस बहाने वह अपनी सीमा से लगते सीरिया पर गिद्ध दृष्टि लगाए हुये है। अपनी इसी दूरगामी लक्ष्य को साधते हुये इस्राईल ने विशेष रूप से 2024 और 2025 में, सीरिया में कई हवाई और ज़मीनी हमले किए हैं। इन हमलों का मुख्य लक्ष्य सीरिया के सैन्य ठिकानों, हथियार भंडारों, और ईरान समर्थित समूहों (जैसे हिज़्बुल्लाह) को निशाना बनाना रहा है। 2024 के दिसंबर में तो इस्राईल ने सीरिया के 250 से अधिक ठिकानों पर हमला किया, जिसमें 70-80 प्रति. रणनीतिक सैन्य संपत्तियों को नष्ट करने का दावा किया गया था। इसी तरह इस्राईल ने गोलान हाइट्स के पास बफ़र ज़ोन पर नियंत्रण बढ़ाया और दक्षिणी सीरिया में द्रूज़ समुदाय की सुरक्षा का हवाला देते हुए हमले किए। इस्राईली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, ने इन हमलों को राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने और आतंकवादी समूहों या शत्रुतापूर्ण ताक़तों (जैसे ईरान और हिज़्बुल्लाह) को सीरिया में मज़बूत होने से रोकने के लिए आवश्यक बताया। वर्तमान समय में सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अबू मोहम्मद अल-जुलानी को अमेरिका व इस्राईल ने सत्ता पर बिठाकर इतना अलग थलग व असहाय कर दिया है कि वह न तो रूस की ओर देख सकता है न ईरान की ओर। उल्टे सीरिया की रही सही सैन्य क्षमता को भी समाप्त करने की भरपूर कोशिश की जा रही है। हालाँकि ताज़ा प्राप्त समाचारों के अनुसार इस्राइल और सीरिया के बीच युद्धविराम (सीज़ फ़ायर) की घोषणा की गई है। गत 17 जुलाई को, सीरिया के दक्षिणी शहर सुवायदा में ड्रूज़ अल्पसंख्यक और बेदुईन समुदायों के बीच हिंसक झड़पों के बाद, जिसमें इस्राइल ने हस्तक्षेप किया था, एक युद्धविराम पर सहमति बनने की ख़बर है । अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने घोषणा की है कि इस्राइल सहित सभी पक्षों ने युद्ध विराम के लिए सहमति जताई है। इस युद्ध विराम के के तहत सीरियाई सेना सुवायदा से वापस हट रही है, और द्रूज़ नेताओं के साथ एक समझौता हुआ है जिसमें सैन्य कार्रवाइयां पूरी तरह से रोकने और क्षेत्र को सीरियाई राज्य में पूरी तरह से एकीकृत करने की बात शामिल है। अमेरिकी दूत टॉम बैरक ने भी पुष्टि की है कि इस्राइल और सीरिया ने तुर्की, जॉर्डन और अन्य पड़ोसी देशों के समर्थन से युद्ध विराम पर सहमति जताई है। इस्राइल ने सुवायदा में सीरियाई आंतरिक सुरक्षा बलों को 48 घंटों के लिए सीमित प्रवेश की अनुमति भी दी है ताकि व्यवस्था बहाल की जा सके। इन्हीं ख़बरों के बीच कुछ ड्रूज़ नेताओं, जैसे शेख़ हिकमत अल-हजरी, ने इस युद्धविराम को ख़ारिज कर दिया है और लड़ाई जारी रखने की बात कही है, जिससे युद्ध विराम की स्थिरता पर भी सवाल उठ रहे हैं। इसी वजह से यह युद्धविराम नाज़ुक भी माना जा रहा है, क्योंकि पहले भी एक युद्धविराम कुछ ही घंटों में टूट चुका है। स्थिति अभी भी तनावपूर्ण है, और यह स्पष्ट नहीं है कि यह समझौता लंबे समय तक कायम रहेगा भी अथवा नहीं ।

परन्तु बशर अल-असद को सत्ता से बेदख़ल करने से लेकर अपने पिट्ठू अंतरिम राष्ट्रपति जुलानी के दौर में भी सीरिया को सैन्य विहीन करने के लिये चलाया जाने वाला इस्राईली सैन्य अभियान इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये काफ़ी है कि गोलान की पहाड़ियों पर क़ब्ज़ा जमाने के बाद अब इस्राईल की कुदृष्टि सीरिया पर लगी हुई है। और कोई आश्चर्य नहीं कि इसके लिये खुद अंतरिम राष्ट्रपति अबू मोहम्मद अल-जुलानी को ही अमेरिका-इस्राईल का मोहरा बनने के लिये बाध्य होना पड़े। पूरे विश्व के लिये यह आँखें खोलने का अवसर है और मध्य एशिया में अमेरिकी मोहरे के रूप में इस्तेमाल किये जा रहे इस्राईल के इरादों को समझने का वक़्त है। यह कहने में कोई हर्ज नहीं कि फ़िलिस्तीन पर क़ब्ज़े के बड़े हिस्से पर क़ब्ज़े के बाद अब ग़ज़ा के नरसंहार से लेकर सीरियाई हमलों तक इस्राईल ‘ग्रेटर इस्राईल’ के निर्माण की राह पर आगे बढ़ने के लिये प्रयासरत है?

प्रेमचंद की कहानियां

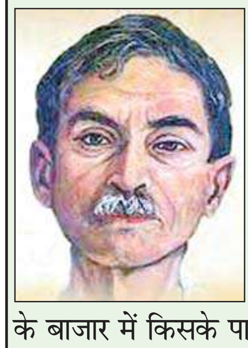

मृतक-भोज

संतलाल ने प्रसन्न होकर कहा- इतनी दया आप करेंगे, तो क्या पूछना।

कुबेरदास त्योरी चढ़ाकर बोले-तुम तो बेसिर-पैर की बातें करने लगे. दुर्बलदास जी! इस वखत के बाजार में किसके पास फालतू रुपये रखे हुए हैं।

भीमचन्द-सो तो ठीक है, बाजार की ऐसी मंदी तो कभी देखी नहीं; स निबाह तो करना चाहिए। कुबेरदास अकड़ गये। वह सुशीला के मकान पर दांत लगाये हुए थे। ऐसे बातों से उनके स्वार्थ में बाधा पड़ती थी। वह अपने रुपये अब वसूल करले छोड़ेंगे।

भीमचन्द ने उन्हें किसी तरह सचेत किया; लेकिन भोज तो देना ही पड़ेग उस कर्तव्य का पालन न करना समाज की नाक काटना है।

सुशीला ने दुर्बलदास में सहृदयता का आभास देखा। उनकी ओर दौन नेगें से देखकर बोली- मैं आप लोग से बाहर थोड़े ही हूं। आप लोग मालिक हैं, जैन उचित समझें वैसा करें।

दुर्बलदास-तेरे पास कुछ थोड़े बहुत गहनें तो होंगे, बाई ?

‘हां गहने हैं। आधे तो बीमारी में बिक गये, आधे बचे हैं।’

सुशीला ने गहने लाकर पंचों के सामने रख दिये पर यह तो मुश्किल से तीन हजार में उठने दुर्बलदास ने पोटली को हाथ में तौलकर कहा-तीन हजार के कैसे जायेंगे मैं साढ़े तीन हजार दिला दूंगा।

भीमचन्द ने फिर पोटली को तौलकर कहा- मेरी बोली चार हजार की है। कुबेरदास को मकान की बिक्री का प्रश्न छेडने का अवसर फिर मिला- चार हजार ही में क्या हुआ जाता है। बिरादरी का भोज है या दोष मिटाना है। बिरादरी में कम-से-कम दस हजार का खरचा है। मकान

तो निकालना ही पडेगा। सन्तलाल ने ओठ चवाकर कहा- मैं कहता हूं, आप लोग क्या इतने निर्दयी हैं! आप लोगों को अनाथ बालकों पर भी दया नहीं आती! क्या उन्हें रास्ते का भिखारी बनाकर छोड़ेंगे ?

क्रमशः...

।। चाणक्य नीति ।।

◆◆◆

अकृष्टफलमूलानि वनवासरति सदा।
कुरुतेहरहः श्राद्धमृषिर्विप्रः च उच्यते।।

बिना जुती धरती से मिलने वाले फल-मूलादि का सेवन करने वाला तथा वन में निवास करने वाला और प्रतिदिन पितरों का श्राद्ध व तर्पण करने वाला ब्राह्मण ऋषि कहलाता है।

◆◆◆

ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए घातक होगा ‘माँसाहारी दूध’ का आयात

- हरीश शिवनानी

इस वर्ष की शुरुआत में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी दूसरी पारी की शपथ ली तो किसी को अहसास नहीं था कि वे इस बार अड़ियल तरीके से ऐसे बेतुके निर्णय लेंगे जो कई देशों के लिए मुसीबत बन जाएंगे। टैरिफ का मामला, अवैध प्रवासियों को अपने देश भेजना हो या ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाक के बीच सीज़फायर करवाने का श्रेय लेने के लिए 24 बार दावे करना ऐसे ही थे। इस बार उनका नया शगूफा है भारत के साथ व्यापारिक समझौते के तहत उस दूध और वे डेयरी प्रोडक्ट भारत को बेचना जिनमें जानवरों के माँस, वसा, हड्डियों का चूरा और खून का इस्तेमाल होता है। भारत ने अपनी धार्मिक, सांस्कृतिक परंपराओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए प्रतिकूल होने के कारण इसे अत्यंत आपत्तिजनक बताते हुए इसके आयात के लिए स्पष्ट इनकार कर दिया है। इससे बौखलाया अमेरिका ‘माँसाहारी दूध’ निर्यात करने का दबाव डालने के लिए विश्व व्यापार संगठन तक पहुंच गया है पर भारत भी आयात न करने के अपने दृढ़ रुख पर कायम है। अमेरिका, ब्राजील, चीन,यूरोप और कुछ अन्य देशों में गायों का वजन और दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए माँस आधारित चारा दिया जाता है। इसके तहत ‘ब्लडी मील’ यानी सूअर, मुर्गी, मछली, घोड़े और यहां तक कि बिल्ली-कुत्ते जैसे जानवरों के अंगों और उनके खून का उपयोग होता है। इसके तहत जानवरों के मरने के बाद उनके खून को सुखाया जाता है फिर उनके माँस, हड्डियों का चूर्ण, मछली पाउडर और जानवरों की चर्बी मिलाकर खास तरह का चारा बनाया जाता है। जिसे ‘रेंडर्ड फीड’ कहा जाता है। भारतीय मानकों के अनुसार ऐसे दूध को ‘माँसाहारी’ माना जाता है। भारत ने इसे सखूती से ‘नॉन-नेगोशिएबल रेड लाइन’ घोषित कर स्पष्ट कह दिया है कि वह ऐसे किसी भी डेयरी उत्पाद का आयात नहीं करेगा जो ‘रेंडर्ड फीड’ यानी माँसाहारी चारे से पोषित गायों से प्राप्त हुआ हो। भारत की मांग है कि आयातित दूध के साथ स्पष्ट प्रमाणीकरण हो, जो यह सुनिश्चित करे कि गायों को केवल शाकाहारी चारा दिया गया है। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड को लेकर रिश्ते पहले ही असहज हैं, अब ‘एनिमल बेस्ड मिल्क प्रोडक्ट्स’ के आयात के लिए भारत के अमेरिका को पूरी तरह से इनकार के बाद मामला और गंभीर हो गया है। भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता का उद्देश्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक बढ़ाना है। इस राह में डेयरी प्रॉडक्ट पर ट्रेड डील रुकना बड़ी बाधा बनकर उभरा है। यह मुद्दा इतना गहरा गया है कि अमेरिका ने भारत की इन शर्तों को ‘अनावश्यक व्यापार बाधा’ बताते हुए इस मुद्दे को विश्व व्यापार संगठन तक में उठा लिया है। अमेरिका ने 1 अगस्त 2025 तक इस व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की समय-सीमा तय की है, लेकिन डेयरी उत्पादों को लेकर भारत का सख्त रुख यथावत है। भारत की मुख्य आपत्तियाँ विशेषतः दो बिंदुओं पर हैं। पहली है- धार्मिक और सांस्कृतिक संवेदनशीलता- भारत में गाय को पवित्र माना जाता है और दूध का उपयोग न केवल भोजन में, बल्कि पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठानों में भी होता है। माँसाहारी चारा खाने वाली गायों का दूध और उससे बने उत्पादों का उपयोग भारतीय संस्कृति और शाकाहारी मान्यताओं के विरुद्ध माना जाता है। दूसरी बड़ी और महत्त्वपूर्ण आपत्ति है कि भारत यदि ‘माँसाहारी दूध’ आयात करता है, तो इसका भारतीय डेयरी उद्योग, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, और किसानों पर गहरा, घातक और बहुआयामी नकारात्मक

प्रभाव पड़ेगा। यह उद्योग आठ करोड़ से अधिक छोटे और सीमांत किसानों और पशुपालकों को रोजगार देता है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। सस्ते आयात से दूध की कीमतों में कमी और मांग में गिरावट के कारण इन ग्रामीणों की आय में भारी कमी हो सकती है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है। डेयरी उद्योग भारत की अर्थव्यवस्था में करीब 5 प्रतिशत योगदान देता है, जिसका मूल्य 2024 में 18,975 अरब रुपए था और 2025-2033 के दौरान 12.35 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ 2033 तक 57,001.81 रुपए अरब तक पहुंचने की उम्मीद है। भारतीय स्टेट बैंक ने इस बिंदु को ध्यान में रखते हुए इसी 14 जुलाई को एक रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट के अनुसार, यदि भारत अमेरिकी डेयरी उत्पादों के आयात के लिए अपने बाजार को खोलता है, तो भारतीय डेयरी उद्योग को प्रति वर्ष 1.03 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हो सकता है क्योंकि भारत का डेयरी बाजार 64 प्रतिशत असंगठित है। सस्ते आयातित दूध और डेयरी उत्पाद स्थानीय उत्पादकों को प्रतिस्पर्धा में कमजोर कर सकते हैं, विशेष रूप से असंगठित क्षेत्र में, जहां छोटे किसान और पशुपालक, दूध विक्रेता हैं। ज़ाहिर है,‘माँसाहारी दूध’ का आयात भारतीय डेयरी उद्योग और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए कई स्तरों पर घातक है। ऐसे में भारत के लिए यह ज़रूरी होगा कि वो अमेरिका से दृढ़तापूर्वक दो टूक कह दें कि ‘ब्लडी मील’ से बना ‘रेंडर्ड फीड’ चारे से पोषित ‘माँसाहारी दूध’ सनातन धर्मी भारतीय जनमानस और देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ किसान और पशुपालक के आर्थिक हितों के गंभीर और नुकसानदायक है। उसे भारत के साथ ‘ट्रेड डील’ करनी है तो इस विवादास्पद बिंदु को अलग करना होगा।

प्रेरक प्रसंग

सम्मान

राजकोट में काठियावाड़ प्रजा परिषद का एक बड़ा अधिवेशन हो रहा था। मंच पर देश के बड़े-बड़े राजनेता बैठे हुए थे और उनमें महात्मा गांधी भी थे। महात्मा गांधी उस समय प्रसिद्ध हो चुके थे। कई लोग गांधी जी को देखने और सुनने आए हुए थे। मंच के सामने बहुत सारे लोग बैठे थे। मंच पर बैठे गांधी जी की नजर एक बूढ़े व्यक्ति पर पड़ी।

गांधी जी ने मंच पर बैठे हुए लोगों से धीरे से कुछ कहा। उन्होंने कहा कि अगर आपकी अनुमति हो तो मैं मंच से नीचे उतरकर उन सज्जन के पास बैठना चाहता हूं।

ये बात सुनकर मंच पर बैठे लोगों ने कुछ कहा नहीं, क्योंकि सभी जानते थे कि गांधी जी बिना सोचे-विचारे कोई काम नहीं करते हैं तो कुछ अलग ही करना चाहते होंगे।

गांधी जी मंच से उतरे और एक कोने में बैठे बूढ़े व्यक्ति के पास पहुंचे। उन्होंने उस बूढ़े को प्रणाम किया और सीधे उनके चरणों में जाकर बैठ गए। अब सभी गांधी जी को देखने लगे। वह बूढ़ा व्यक्ति भी घबरा गया। गांधी जी ने उस बूढ़े से कहा, आपने मुझे पहचाना? मैं मोहनदास। बूढ़े व्यक्ति ने कहा, मैं तो तुम्हें पहचान गया, लेकिन तुम भी मुझे पहचान गए? गांधी जी बोले, हां, आपने प्राथमिक कक्षा में मुझे पढ़ाया है। आप मेरे शिक्षक रहे हैं और आपकी शिक्षा मैं कभी भूल नहीं सकता। आज जब मंच से मैंने आपको देखा तो मैं खुद को रोक नहीं सका, मैं यहां आ गया। आपके चरणों में बैठकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है।

शिक्षक ने कहा, आप बहुत बड़े व्यक्ति हो गए हैं, आपको यहां बैठना शोभा नहीं देता है।

गांधी जी बोले, आप मुझे बड़ा मान रहे हैं, ये आपका बड़प्पन है, लेकिन मैं आपको बड़ा मानूं, ये मेरा धर्म है। आपके चरणों में बैठकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। इतनी सकारात्मकता मिल रही है, जो सिर्फ गुरु के चरणों में मिल सकती है।

उस दिन हमने देखा कि गांधी जी इतने महान क्यों हैं? अपने गुरु, अपने माता-पिता, शिक्षक और बड़े-बूढ़ों का सम्मान करना चाहिए। हम सार्वजनिक रूप से कितने भी प्रसिद्ध हो जाएं, लेकिन बड़ों के सामने झुकने में शर्म नहीं करनी चाहिए।

आपका पत्र मिला

धार्मिक दुष्प्रवृत्तियों पर अंकुश के लिए विदेशी फंडिंग पर शिकंजा जरूरी

वित्त पोषण की आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए एफसीआरए कानून 1976 को आपातकाल के दौरान अधिनियम किया गया था। उपरोक्त कानून में व्यक्तियों और संघों को दिए जाने वाले विदेशी दान को विनियमित की मांग की गई। इस बीच विदेशी धन के उपयोग पर तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने 2010 में एक संशोधित एफसीआरए अधिनियम पास किया। रास्ट्रीय हित मे हानिकारक किसी भी गतिविधि के उपयोग को प्रतिबन्धित करने हेतु इस कानून को और अधिक मजबूत किया गया। एफसीआरए यह ऐसा कानून है जो विदेशी धन के प्रवाह को नियंत्रित करता है। इस का उपयोग विदेशी योगदान की संप्रभुता, सुरक्षा और आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नही करे। लेकिन विगत वर्षों में इस कानून के तहत दान की रकम के बदले विदेशो से फंडिंग आ रही है उसका उपयोग धर्मांतरण, लैंड जिहाद, लव जिहाद जैसे देश विरोधी गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। कश्मीर में पत्थरबाजों के लिए विदेशी धन फंडिंग करोड़ो रूपये की भारत मे आ चुकी है। भारत मे लव जिहाद और धर्मांतरण के लिए इसी कानून के तहत फंडिंग आ रही है। यह कानून देशहित में नही है। इस कानून में संशोधन जरूर हुआ हैलेकिन कानून पूरी तरह से खत्म नही हुआ है। जो भी धमकियां और गजवा ए हिन्द की बाते कर देश की एकता और अखंडता में सेंध लगाना चाहते हैं, वे विदेशी फंडिंग के जोर पर ही धमकियां दे रहे है। इस पर गृह मंत्रालय की सीधी निगरानी है। लेकिन विदेशो से आने वाला धन दान के रुप में गरीब और यतीम लोगो की मदद करने के लिए उपयोग के लिए भेजे जाने का भरोसा दिलाया जाता है।

कांतिलाल मांडोत
वाया ई-मेल

इस पेज पर प्रकाशित लेखकों के विचार निजी हैं। समाचार पत्र से इनका कोई लेना-देना नहीं है।
आपके विचार व सुझाव भी आमंत्रित हैं। **संपादक,**
स्वतंत्र भारत
1, जॉपलिंग रोड,
लखनऊ-226001
E-mail : swatantrabharat77@gmail.com

शिव का अद्भुत स्थान है केदारेश्वर महादेव मंदिर

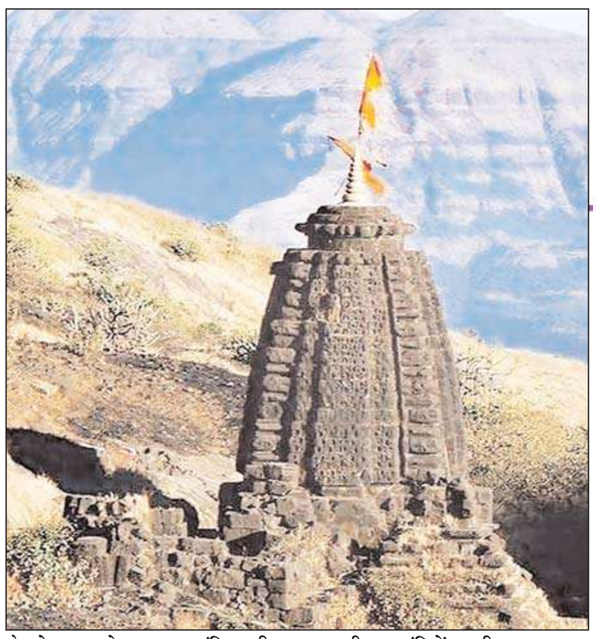

केदारेश्वर महादेव का यह मंदिर करीब से उत्तराखंड के केदारनाथ मंदिर का आभास कराता है। मंदिर परिसर में प्रवेश करते समय 10 फुट ऊंचे प्लेटफॉर्म पर सड़क की तरफ मुंह किए काले रंग के नंदी की प्रतिमा मंदिर के आकर्षण को और अधिक बढ़ा रही है। इस मंदिर में भव्य शालिग्राम शिला नेपाल से लाकर स्थापित की गई है।

मंदिर का मुख्य भवन तो उत्तराखंड के केदारनाथ मंदिर की तरह है लेकिन पूरे परिसर की डिजाइन तंजौर के वृहदीश्वर मंदिर की प्रतिकृति होगी। मंदिर का निर्माण एक खास ग्रेनाइट पत्थर'कृष्ण पुरुष शिला से किया गया है जो पूरे केवल तमिलनाडु में कन्याकुमारी के पास ही मिलता है। दुनिया में सबसे मजबूत माने जाने वाले इन पत्थरों की आयु कम से कम तीन लाख वर्ष आंकी गयी है। केदारेश्वर महादेव मंदिर में गर्भगृह का भवन यानी' विमानम भी दक्षिण भारतीय मंदिरों की तुलना में अधिक ऊंचा है। इस तरह यह दक्षिण और उत्तर की संस्कृति का मिलाजुला रूप पेश करता है। मंदिर के गर्भगृह भवन की ऊंचाई 74 फुट है। यह 10 फुट ऊंचे प्लेटफॉर्म पर स्थित है। इस प्रकार आधार जमीन से यह 84 फुट ऊंचा है जो उत्तराखंडके केदारनाथ मंदिर की 85 फुट की ऊंचाई से एक इंच कम है।

उत्तराखंड के केदारनाथ मंदिर के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए केदारेश्वर महादेव मंदिर की ऊंचाई अपेक्षाकृत कम रखी गई है। केदारनाथ मंदिर की भांति केदारेश्वर मंदिर के शिखर पर 12 फुट ऊंचा लकड़ी का'शिखरम बनाया गया है। इस मंदिर के गर्भगृह की छत और'विमानम के बीच खोखला स्थान रखने के साथ छत पर एक छोटा छेद'ब्रोंद्र होल इस तरह रखा गया है कि गर्भगृह में बजने वाले शंख, घंटी और डमरू की गूंज पूरे परिसर में सुनाई दे।

रिश्ते की डोर को कमजोर बना सकती हैं कुछ बातें

रिश्ते जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। वे हमें प्यार,सपोर्ट और खुशी का अनुभव करवाते हैं। इन सभी रिश्तों में अपने लाइफ पार्टनर के साथ आपका रिश्ता सबसे अनमोल और खास होता है। हालांकि, सबसे ज्यादा देखभाल की जरूरत भी इसी रिश्ते को होती है। कई बार बहुत छोटी-छोटी बातों के कारण इसमें दरार पड़ जाती है, जिसे भरना नामुमकिन होने लगता है। कई बार इन वजहों के कारण रिश्ता टूटने की कगार पर भी पहुंच जाता है। ऐसा कई कारणों से हो सकता है। इस लेख में, हम उन चीजों के बारे में बात करेंगे, जो आपके रिश्ते को खराब कर सकती हैं।

बात-चीत की कमी : बात-चीत किसी भी रिश्ते का आधार है। यदि आप अपने पार्टनर के साथ खुलकर बात नहीं करते हैं, तो उन्हें आपकी और आपको उनकी भावनाओं को समझने में कठिनाई होनी शुरू हो जाएगी। इससे गलतफहमी और तनाव भी पैदा हो होने लगता है, जिसके वजह से रिश्ता धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है। अविश्वास : अविश्वास किसी भी रिश्ते के लिए घातक है। यदि आप अपने पार्टनर पर विश्वास नहीं करते हैं, तो आपका रिश्ता कभी भी मजबूत नहीं होगा। अविश्वास के कारण झगड़े, तनाव और यहां तक कि ब्रेकअप या तलाक भी हो

सकता है। इसलिए अपने पार्टनर पर विश्वास करना सीखें।

बहुत ज्यादा एक्सपेक्ट करना : अपने पार्टनर से कुछ एक्सपेक्टेशन रखना बिल्कुल स्वाभाविक है, लेकिन जब आप उनसे बहुत ज्यादा एक्सपेक्ट करते हैं, तो यह आपके रिश्ते को खराब कर सकता है। याद रखें कि कोई भी व्यक्ति आपके सभी जरूरतों को पूरा नहीं कर सकता। इसलिए अपनी एक्सपेक्टेशन को रिएलिटी के मुताबिक ही रखें।

सम्मान की कमी : एक-दूसरे का सम्मान करना किसी भी रिश्ते की बुनियाद होता है। यदि आप अपने साथी का सम्मान नहीं करते हैं, तो आपका रिश्ता लंबे समय तक नहीं टिकेगा। ऐसे ही अगर आपका पार्टनर आपका आदर नहीं करता, तो भी रिश्ता जल्दी दम तोड़ देगा। इसलिए अपने किसी भी रिश्ते में अपने पार्टनर के विचारों और भावनाओं को महत्व देना जरूरी है।

कोल्ड इमोशन्स : जब आप अपने साथी के प्रति उदासीन हो जाते हैं, यानी उनके प्रति आपके मन में प्यार खत्म होने लगता है, तो यह आपके रिश्ते को खराब कर सकता है। प्यार किसी भी रिश्ते का आधार है। यदि आप अपने साथी के प्रति प्यार और स्नेह महसूस नहीं करते हैं, तो आपका रिश्ता टूट सकता है। ये बात आपके पार्टनर पर भी लागू होती है। **नकारात्मकता :** नकारात्मकता किसी भी रिश्ते के लिए जहर है। यदि आप हमेशा नकारात्मक सोचते हैं, तो आप अपने पार्टनर के साथ तनावपूर्ण और असंतुष्ट महसूस करेंगे। इस वजह से रिश्ते में धीरे-धीरे खिंचाव पैदा होता है और प्यार की डोर टूट जाती है।

झगड़े : झगड़े किसी भी रिश्ते का एक सामान्य हिस्सा हैं। हालांकि, यदि आप लगातार झगड़े करते हैं, तो यह आपके रिश्ते को खराब कर सकता है। अगर झगड़े के दौरान, आप अपने साथी को इमोशनल चोट पहुंचा रहे हैं, तो आपका रिश्ता कमजोर हो सकता है।

बदलाव : जीवन में बदलाव आते रहते हैं। यदि आप अपने साथी के साथ बदलावों का सामना करने में सक्षम नहीं हैं, तो यह आपके रिश्ते को खराब कर सकता है। इसलिए कोशिश करें कि समय के साथ खुद को ढालते चलें।

अन्य लोगों से तुलना : अपने साथी की तुलना दूसरों से करना आपके रिश्ते को खराब कर सकता है। याद रखें कि हर व्यक्ति अलग है और आपका पार्टनर भी अपने आप में बेहद खास है।

स्वार्थ : स्वार्थ किसी भी रिश्ते का दुश्मन है। यदि आप केवल अपने बारे में सोचते हैं और अपने पार्टनर की भावनाओं को नहीं समझते हैं, तो आपका रिश्ता टूट सकता है। ये कुछ चीजें हैं जो आपके रिश्ते को खराब कर सकती हैं। यदि आप इन चीजों से बचते हैं, तो आप अपने रिश्ते को मजबूत और स्वस्थ बना सकते हैं। याद रखें कि किसी भी रिश्ते को मजबूत बनाए रखने के लिए एफर्ट्स की जरूरत होती है और इसके लिए दोनों पक्षों से कोशिश करने की जरूरत होगी।

प्लस साइज महिलाओं के लिए ये स्टाइलिश आउटफिट्स

प्लस साइज महिलाओं के लिए ऑफिस हो या पार्टी, फ्रेंड्स के साथ आउटिंग का प्लान हो या पार्टनर के साथ डेट पर जाना, क्या पहनें ये बहुत बड़ा टास्क हो जाता है। फैशन और स्टाइल के चक्कर में कई बार महिलाएं ऐसे आउटफिट्स पहन लेती हैं, जो आपके लुक को इन्हैंस करने के बजाय उसे खराब कर देता है। ऐसा नहीं है कि आपके फीगर के हिसाब से स्टाइलिश कपड़ों के ऑप्शन नहीं, जरूरत है, तो बस उन्हें एक्सप्लोर करने की। अपने वार्डरोब में इन आउटफिट्स को शामिल करें और दिखें हर पार्टी, फंक्शन में अलग।

1. लॉन्ग कुर्ती और लेगिंग्स : ट्रेडिशनल आउटफिट्स में प्लस साइज महिलाओं के लिए लॉन्ग कुर्ती के साथ लेगिंग्स का कॉम्बिनेशन बेस्ट है। शॉर्ट या मिड लेंथ कुर्ती आप पर उतनी नहीं जंचेगी, जितनी लॉन्ग। लैगिंग्स की जगह वैसे सिगरेट पैंट्स भी अच्छे लगेंगे।

2. मिडी ड्रेस : मिडी ड्रेस बहुत ही अट्रैक्टिव लगती है और इसे लगभग हर मौके पर कैरी किया जा सकता है। गर्मी और मानसून के हिसाब से फ्लोरल प्रिंट मिडी ड्रेस काफी अच्छे लगेंगे।

3. प्लाजो और टॉप : प्लाज़ो पैंट्स के साथ टॉप का कॉम्बिनेशन बहुत ही ट्रेंडी है। यह न सिर्फ आरामदायक होता है बल्कि आपको एक मॉडर्न लुक भी देता है।

4. डेनिम जैकेट और स्कर्ट : मिडी स्कर्ट आपके फीगर पर अच्छी लगेगी और लुक में स्टाइल एड करने के लिए उसे डेनिम जैकेट के साथ टीमअप करें। इस लुक के साथ स्नीकर्स पहनकर रेडी हो जाएं डे आउटिंग के लिए।

5. जंपसूट : जंपसूट एक वन-पीस आउटफिट है, जो कैजुअल, फॉर्मल से लेकर पार्टी तक के लिए बेहतरीन च्वॉइस है। स्लिम-ट्रीम फीगर पर तो ये जंचता ही है, साथ ही प्लस साइज महिलाएं को भी स्टाइलिश लुक देता है।

6. अंकल-लेंथ पैंट्स के साथ शर्ट : ऑफिस या इंटरव्यू में डिसेंसी के साथ स्टाइलिश भी नजर आना है, तो एंकल लेंथ पैंट्स को शर्ट के साथ कैरी करें। बिना ज्यादा मेहनत के आप मिनटों में रेडी हो सकती हैं।

7. फ्लोई मैक्सी ड्रेस : मैक्सी ड्रेस कंफर्टेबल होने के साथ लगभग हर एक बॉडी टाइप पर जंचती है। इस ऑप्शन को भी आप डे आउटिंग से लेकर डिनर या पार्टी मतलब हर एक मौके पर ट्राई कर सकती हैं।

8. कोऑर्ड सेट : मैचिंग टॉप और बॉटम का सेट फैशनेबल होने के साथ ही प्लस साइज महिलाओं के लिए एकदम बेस्ट होता है।

इन आइडियाज के साथ, आप अपने प्लस-साइज फिगर को स्टाइलिश और कॉन्फिडेंट तरीके से कैरी कर सकती हैं। याद रखें, स्टाइल का मतलब है अपने आपको अच्छे से प्रेजेंट करना और आत्मविश्वास से भरपूर होना।

सुबह त्वचा पर लगाएं ये चीजें, खिल उठेगा चेहरा

सुबह का स्किन केयर रूटीन आपकी त्वचा को दिनभर के प्रदूषण, सूरज की किरणों और अन्य हानिकारक तत्वों से बचाने के लिए महत्वपूर्ण होता है। एक सही स्किन केयर रूटीन न केवल आपकी त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखता है, बल्कि उम्र बढ़ने के संकेतों को भी कम करता है। अगर आप चाहते हैं कि आपकी त्वचा खिली-खिली रहे तो सुबह उठते ही चेहरे पर इन चीजों को लगाएं। फेस **क्लींजर :** सुबह सवेरे सबसे पहले उठकर फेस क्लींजर का इस्तेमाल करें। इसके लिए अपने चेहरे को एक जेंटल क्लींजर से धोएं। यह रात भर में त्वचा पर जमा तेल, गंदगी और डेड स्किन को हटाने में मदद करता है।

टोनर : चेहरे को सही से साफ करने के बाद आपको सही टोनर का इस्तेमाल करना है। ये आपकी त्वचा के पीएच स्तर को संतुलित करता है, पोर्स को साफ करता है। आप चाहें तो टोनर की जगह गुलाब जल इस्तेमाल कर सकते हैं।

सीरम : हर किसी को चेहरे पर सीरम जरूर इस्तेमाल करना चाहिए। ये त्वचा को गहराई से पोषण देने का काम करता है। अगर आप उम्र के साथ त्वचा की समस्याओं से जूझ रहे हैं, तो विटामिन ष्ट युक्त एंटीऑक्सीडेंट सीरम का इस्तेमाल करें। यह त्वचा को चमकदार बनाता है

मॉइस्चराइजर : त्वचा के रूखेपन को कम करने के लिए मॉइस्चराइजर का उपयोग करना हर स्किन केयर रूटीन में आवश्यक है। ये त्वचा को हाइड्रेटेड और मुलायम बनाए रखता है। बस मॉइस्चराइजर अपनी स्किन टाइप के हिसाब से चुनें। आई क्रीम : चेहरे का ध्यान रखने के साथ आंखों के नीचे की त्वचा का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। ऐसे में आई क्रीम लगाने से डार्क सर्कल, सूजन और फाइन लाइन्स कम होती हैं। हल्के से थपथपाकर क्रीम को आंखों के नीचे लगाएं। लिप बाम : चेहरे के साथ-साथ होंठों को भी मॉइस्चराइज और प्रोटेक्ट करना ज़रूरी है।

वर्किंग वीमेन के लिए खास ब्यूटी टिप्स

अक्सर वर्किंग वीमेन अपने बिजी लाइफस्टाइल की वजह से खुद पर ध्यान नहीं दे पाती। ऐसे में उनको अपनी अपीरियंस का खास ध्यान रखना पड़ता है। ऐसा नहीं होने पर उनका ओवरऑल लुक प्रभावित होता है जो अच्छा नहीं है। वर्किंग विमिन के लिए सबसे ज्यादा मुश्किल होता है खुद की स्किन का ख्याल रखने के लिए समय निकालना। इस वजह से अक्सर उन्हें स्किन से जुड़ी कई समस्याएं हो जाती हैं जो उनके लुक को डल करना शुरू कर देती हैं। ऐसा न हो इसके लिए हम आपके लिए कुछ ख़ास ब्यूटी टिप्स लेकर आए हैं जिससे आपकी स्किन चमक से शाइन करने लगेगी।

स्किन की डीप क्लीनिंग

बिजी लाइफस्टाइल के बावजूद अपनी त्वचा की नियमित सफाई करना बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसे में आपको सुबह और रात को अपने चेहरे को एक अच्छे फेस वॉश से धोएं ताकि त्वचा पर जमी गंदगी, धूल और तेल साफ हो सके। अगर आपकी स्किन सेंसटिव है, तो माइल्ड और हाइपोएलर्जेनिक क्लीनर का उपयोग करें।

हाइड्रेशन पर ध्यान दें

हाइड्रेटेड त्वचा ही स्वस्थ और चमकदार त्वचा होती है। दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी पिएं।अपने चेहरे और शरीर पर नियमित रूप से हाइड्रेटिंग मॉइश्चराइजर लगाएं, खासकर सोने से पहले। पानी पीने के शरीर को और भी गजब के फायदे मिलते हैं। हो सके तो सुबह खाली पेट जरूर गुनगना पानी पीना चाइए।

जल्दी और प्रभावी स्किनकेयर रूटीन

समय की कमी के बावजूद एक सरल और प्रभावी स्किनकेयर रूटीन बनाए रखें। ऐसे स्किनकेयर प्रोडक्ट्स का उपयोग करें जो एक साथ कई काम करें, जैसे कि मॉइश्चराइजर में एसपीएफ (सूरज से बचाव) शामिल हो। टोनर और सीरम को अपने ग्लोइंग स्किन के लिए उसे करे। जल्दी-जल्दी इस्तेमाल किए जाने वाले टोनर और सीरम भी आपकी स्किन को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं।

संतुलित आहार अपनी डाइट में शामिल करे

आपकी त्वचा की सुंदरता आपके आहार पर भी निर्भर करती है। ऐसे में फरूट्स और वेजिटेबल्स को अपनी डाइट में शमिल करे। अपने आहार में ताजे फल और हरी सब्जियाँ शामिल करें, जो त्वचा को आवश्यक पोषण प्रदान करती हैं। एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे बेरीज, नट्स और हरी चाय का सेवन करें, जो स्किन को हानिकारक तत्वों से बचाते हैं।

स्ट्रेस कम ले

तनाव का आपकी त्वचा पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है, इसलिए इसे मैनेज करना भी जरूरी है। योग और मेडिटेशन से स्किन बहतर होती हैं। इस लिए दिन में कुछ समय योग और मेडिटेशन के लिए निकालें, जो मानसिक शांति और त्वचा की सुंदरता को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। कभी-कभी खुद को छोटा सा ब्रेक दें और अपनी पसंदीदा एक्टिविटी करें ताकि आप मानसिक रूप से तरोताजा महसूस करें।

फेस मास्क शीट्स

फेस मास्क शीट का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह कम समय में ही स्किन को डीप नरिशमेंट दे देता है। मार्केट में कई तरह के मास्क उपलब्ध हैं। इनमें से अपनी स्किन के मुताबिक मास्क चुनें और उसे 10 मिनट तक लगा रहने दें। इसके रोज इस्तेमाल से आपके चेहरे का ग्लो कभी भी कम नहीं होगा।वर्किंग विमिन कीबिजी लाइफस्टाइल के बावजूद, अपनी त्वचा और सुंदरता का ध्यान रखना संभव है। ऊपर दिए गए ब्यूटी टिप्स को अपनाकर आप अपनी त्वचा को स्वस्थ, चमकदार और खूबसूरत बनाए रख सकती हैं। याद रखें, थोड़ी सी देखभाल और नियमितता आपकी सुंदरता को बनाए रखने में मदद करेगी।

वजन कम करने के लिए किस समय वॉक करें

कम उम्र में ही आजकल कई लोग बाहर निकलती तोंद से परेशान हैं। मोटापा कई गंभीर बीमारियों की वजह बन सकता है। ऐसे में हेल्दी और फिट रहने के लिए अपने वजन को कंट्रोल में रखना बहुत जरूरी है। यही वजह है कि इन दिनों लोग डाइटिंग के साथ-साथ अपनी फिजिकल एक्टिविटीज पर भी ध्यान देने लगे हैं। हालांकि, बिजी शेड्यूल की वजह से प्रॉपर वर्कआउट करना काफी मुश्किल हो जाता है और इसलिए ज्यादातर लोग वॉकिंग का विकल्प चुनते हैं। यह एक्सरसाइज का एक आसान तरीका है, जिसे लोग सुबह या शाम अपनी सुविधा के मुताबिक करना पसंद करते हैं। वॉकिंग वजन घटाने और अपने मूड को बेहतर बनाने का एक मजेदार और आसान तरीका है। चलते समय हम जब भी कदम उठाते हैं, तो इससे हमारी कैलोरी बर्न होती है। हालांकि, लोगों के मन में अक्सर यह सवाल रहता है कि आखिर वॉक करने का सही समय क्या है। अगर आप भी अक्सर इसे लेकर कंफ्यूज रहते हैं, तो आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे वेट लॉस के सुबह या शाम कब वॉक करना बेहतर होता है।

मॉर्निंग वॉक के फायदे

सुबह के समय वॉक करना कई मायनों में हमारी सेहत के लिए फायदेमंद होता है। सुबह का पॉजिटिव माहौल और ताजी हवा आपका मेटाबॉलिज्म बूस्ट करता है। साथ ही इससे हार्ट रेट बढ़ता है, जिससे मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। इसके अलावा मॉर्निंग वॉक के अन्य फायदे निम्न हैं-

सुबह के समय वॉक करने से कैलोरी बर्न करने में मदद मिलती है।

सुबह वॉक करने से आपके नींद के पैटर्न में सुधार होता है, जिससे रात में सुकून की नींद आती है।

इससे आपके मूड और एनर्जी लेवल में भी सुधार होता है, जिससे आपका दिन प्रोडक्टिव हो जाता है।

ताजी हवा और सुबह की नेचुरल रोशनी आपके शरीर और दिमाग को एनर्जेटिक बना सकते हैं, जिससे आप पूरे दिन पॉजिटिव फील करते हैं।

सुबह के समय वॉक करने से आप सूरज की रोशनी के संपर्क में आते हैं, जिससे आपके शरीर को भरपूर मात्रा में विटामिन डी मिलता है, जो आपकी हड्डी और इम्युनिटी के लिए जरूरी है।

शाम के वॉक करने के फायदे- शाम के समय वॉक करने के भी अपने कई फायदे हैं। दिन भर के काम या अन्य गतिविधियों के बाद, शाम की सैर आराम और तनाव दूर करने का एक शानदार तरीका हो सकता है। इसके अलावा इससे अन्य कई फायदे मिलते हैं, जो निम्न हैं- शाम के समय टहलने से दिन भर के तनाव को दूर करने और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। शाम को सैर करने से पाचन को बेहतर बनाने में सहायता मिलती है और आप लेट नाइट स्नैकिंग से बचे रहते हैं। रात के खाने के बाद वॉक करने से आपके शरीर को खाना प्रोसेस करने में मदद मिलती है और सोने से पहले अनहेल्दी स्नैक्स खाने की क्रेविंग कम हो सकती है।

कामकाज का तरीका बना रहा लोगों को अकेला

जिंदगी की भागदौड़ से वक्त निकालकर सभी दोस्तों ने हामी भर दी सिवाय एक को छोड़कर। कारण पूछने पर उसने बताया कि काम का इतना ज्यादा प्रेशर है कि टाइम मैनेज कर पाना मुश्किल है और दूसरा नाइट शिफ्ट भी है। दोनों वजहें वाजिब थीं, लेकिन फिर भी हमने लगभग हर कोशिश की, उसे प्लान में शामिल करने की, लेकिन मामला सेट नहीं हो पाया। वहीं एक दूसरी दोस्त को हमने तीज सेलिब्रेशन के लिए सोसाइटी में इन्वाइट किया, तो उसने भी बिना एक मिनट देरी किए साफ ना कह दिया ऑफिस के वर्कलोड के बारे में बताकर। दोनों दोस्तों के ना आने की ये वजहें बहाना नहीं, बल्कि सच्चाई है। जिससे आजकल ज्यादातर वर्किंग प्रोफेशनल्स जूझ रहे हैं। कामकाज का ऐसा तरीका प्रोफेशनल लाइफ में भले ही उन्हें तरक्की दिला दे, लेकिन पर्सनल लाइफ में ऐसे लोग अकेलेपन का शिकार हो रहे हैं।

कामकाज का तरीका बना रहा लोगों को अकेला

कभी न पूरे होने वाले टारगेट्स और बेवक्त की शिफ्ट्स ने वर्किंग प्रोफेशनल्स के पर्सनल लाइफ की बैंड बजा रखी है। टारगेट्स पूरा करने के चक्कर में अपनी शिफ्ट से कई-कई घंटे ऑफिस में रूकना पड़ता

है और अगर कहीं नाइट शिफ्ट है, तो दिन का समय नींद पूरी करने में निकल जाता है। न समय से खाना-पीना हो पाता है, न ही किसी तरह की एक्टिविटी और सोशल लाइफ तो लगभग खत्म ही हो जाती है। इस वजह से लोगों में अकेलापन बढ़ रहा है। अकेलेपन के फायदे व नुकसान दिन में कुछ देर का अकेलापन जरूरी होता है, जिसे मी टाइम भी कहा जाता है। जो बॉडी और माइंड रिचार्ज करने का काम करता है, लेकिन लगातार बने रहने वाला अकेलापन व्यक्ति को तनाव और डिप्रेशन की ओर धकेलने लगता है। पर्सनल लाइफ तो वैसे ही खत्म हो चुकी होती है, धीरे-धीरे प्रोफेशनल लाइफ पर भी इसका असर पड़ने लगता है। प्रोडक्टिविटी गिरने लगती है। काम में बोरियत का एहसास होने लगता है और जब अपना 100त्न देने के बाद भी प्रमोशन नहीं मिलता, तो झुंझलाहट भी बढ़ने लगती है।

कैसे दूर करें अकेलेपन की समस्या?

अपनी क्षमता जितना ही काम करें। ऑफिस में खुद को साबित करने के चक्कर में हर काम के लिए हां न कहें। शिफ्ट पूरी करने के बाद खुद को वक्त दें। अपनी पसंदीदा चीजों के लिए वक्त निकालें। दोस्तों से मिलना नहीं हो पा रहा, तो फोन या वीडियो कॉल पर बात करें। वीकेंड वाले दिन घर पर सोकर या टीवी देखकर बिताने के बजाय सोशल गैदरिंग करें। इन सारी एक्टिविटीज से अकेलेपन से निपटना आसान हो जाता है।

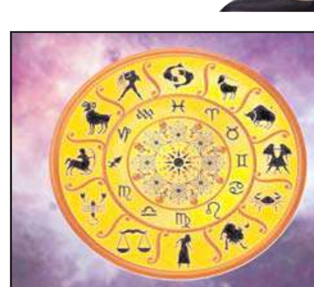

-ज्योतिषाचार्य-पंडित आशीष शुक्ल

दैनिक पंचांग लखनऊ

सोमवार, 21 जुलाई, 2025

श्री शुभ सम्वत् 2082 शके 1947 श्री सूर्य दक्षिण अयने पृथ्वी उत्तर गोलगते वर्षा ऋतौ श्रावण मासोत्तमे शुक्ल पक्षे, एकादशी तिथौ रवि वासरे 09/40/ रोहिणी नक्षत्रे 21/07/ वृद्धि योग 18/39/ बालव करणे 09/40/ वृष राशिगत चन्द्रमा घं.मि.पर।

व्रत एवं त्यौहार - कामदा एकादशी। श्रावण सोमवार व्रत

मेष : शुभ कार्यों पर व्यय होगा। सम्मान की प्राप्ति होगी। वांछित लाभ की प्राप्ति होगी। शासकीय कार्यों में प्रगति होगी।

वृष : पठन-पाठन में रुचि होगी। सुयश प्राप्ति होगी। उच्च वर्गीय सहयोग का प्रयास सफल रहेगा। घर परिवार में व्यस्त रहेंगे।

मिथुन : परिश्रम का पूर्ण लाभ मिलेगा। परिजनों की चिंता रहेगी। मांगलिक कार्य योजनाएं बनेगी। लाभ मार्ग प्रशस्त होगा।

कर्क : कार्य विलंब से पूर्ण होंगे। कनिष्ठ जनों का सहयोग मिलेगा। नए अनुबंधों का लाभ होगा। सत परामर्श से हर्ष प्राप्ति रहेगी।

सिंह : रुके कार्यों में प्रगति होगी। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। घरेलू कार्यों पर व्यय होगा। अनुबंध लाभ होगा।

कन्या : सृजनात्मक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। व्यापारिक तक। चिंता पूर्ण समाचारों की प्राप्ति होगी। व्ययाधिक्य होगा।

तुला : कारोबारी विषमता दूर होगी। धन प्राप्ति का मार्ग बनेगा। सम्मान प्राप्ति होगी। चोट का भय रहेगा।

वृश्चिक : भविष्य की योजनाएं पूरी होंगी। अभिभावकों की मदद मिलेगी। नये संपर्कों पर व्यय होगा।

धनु : आय व्यय समानता रहेगी। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। मनोकूल कार्य की सिद्धि होगी। सश्रम सफलता मिलेगी।

मकर : जनसंपर्क बढ़ेगा। संचित धन व्यय होगा। पारिवारिक उलझनें बढ़ेंगी। वृद्ध परिजन को स्वास्थ्य हानि मिलेगी।

कुंभ : दांपत्य सुख उत्तम। शासकीय सहयोग मिलेगा। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। इच्छित वस्तु की प्राप्ति होगी।

मीन : आत्मबल बड़ा रहेगा। व्यय अधिक रहेगा। स्वजन विरोध दूर होगा। मित्राघात का भय होगा। घरेलू चिंताएं यथावत रहेंगी।

खबर एक नजर

महिला हत्याकांड का मुख्य आरोपी, लाया गया सीएचसी महराजगंज

महराजगंज, रायबरेली। चंदापुर थाने के चर्चित लामी चौराहा ज़मीन विवाद में महिला हत्याकांड के मुख्य आरोपी शैलेन्द्र सिंह को अपेक्स ट्रामा सेंटर लखनऊ से सीएचसी महराजगंज लाया गया। जहां चिकित्सकों ने गंभीर हालत देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बीते 6 जुलाई को लामी चौराहे पर कब्जे को लेकर हुए खूनी संघर्ष में महिला सुनीता की हत्या हुई थी। मृतका के भतीजे मोहित ने 8 नामजद व 8 से 10 अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया था। मामले में पुलिस अब तक आधा दर्जन आरोपियों को जेल भेज चुकी है। घटना का मुख्य आरोपी जनई निवासी शैलेंद्र सिंह भी मारपीट में घायल हुआ था। जिसका इलाज लखनऊ के ट्रामा सेंटर में चल रहा था। शनिवार को पुलिस की निगरानी में आरोपी को सीएचसी महराजगंज लाया गया। जहां चिकित्सकों ने गंभीर हालत देख उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। मुख्य आरोपी शैलेन्द्र सिंह की बहन शालू सिंह ने बताया कि अपेक्स हास्पिटल के चिकित्सकों ने जबड़े के आपरेशन के लिए कहा था। आरोपी शैलेन्द्र सिंह की पत्नी श्वेता सिंह ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। चिकित्सक एस के राय ने बताया कि चंदापुर पुलिस की निगरानी में शैलेन्द्र सिंह को लाया गया था। उसकी हालत गंभीर देख पुलिस को जिला अस्पताल ले जाने की सलाह देते हुए जिला अस्पताल रेफर किया गया। थाना प्रभारी चंदापुर अरविंद सिंह ने बताया अपेक्स हास्पिटल से परिजन डिस्चार्ज कराकर सीएचसी लाए थे। गंभीर हालत में शैलेन्द्र सिंह को जिला अस्पताल भेजा गया है।

युवक को सांप ने काटा, जिला अस्पताल रेफर

रायबरेली। चारपाई पर सोते समय युवक को सांप ने काट लिया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई, जिसे हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर किया है। ऊंचाहार के पूरे ठकुराइन मजरे उसरैना गाँव निवासी सन्तोष कुमार 25 वर्ष को शनिवार की भोर में चारपाई पर सोते समय सांप ने काट लिया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई, परिजन उसका इलाज कराने के बजाय झाड़ फूंक के चक्कर में उसे घुमाते रहेए हालत बिगड़ने पर दोपहर बाद उसे सीएचसी में भर्ती कराया गया। सीएचसी अधीक्षक डॉ मनोज शुक्ल ने बताया कि युवक को सांप ने काटा था, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

दबंग लकड़ी ठेकेदार ने युवक के साथ की मारपीट

रायबरेली। दरवाजे पर शराब पीने का विरोध करने पर दबंग लकड़ी ठेकेदार ने युवक के साथ मारपीट की। इस दौरान शराब पीते व मारपीट करने का वीडियो वायरल हुआ है, पूर्व में आरोपी के विरुद्ध जिला बदर की कार्यवाही भी की जा चुकी है, पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। ऊंचाहार के पट्टी रहस कैथवल गाँव निवासी भरत लाल मौर्य का कहना है कि गाँव का एक युवक उसके चाचा के दरवाजे बैठकर शराब पी रहा था, जब उसने विरोध किया तो आरोप है कि उसने मारपीट शुरू कर दीए मारपीट के दौरान सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में युवक हाथ में शराब का गिलास लेकर मारपीट करते हुए नजर आ रहा है। मारपीट कर रहा युवक लकड़ी ठेकेदारी का कार्य करता है और पूर्व में उसके विरुद्ध आपराधिक मामले अधिक होने के कारण उस पर जिला बदर की कार्यवाही की गई थी। पीड़ित ने शनिवार को मामले की तहरीर दी है। कोतवाल सजंय कुमार ने बताया कि तहरीर मिली है, मामले में आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

मसन्द खेड़ा में नकब काटकर लाखों की चोरी

रायबरेली। शिवगढ़ थाना क्षेत्र के मसंद खेड़ा मजरे असहन जगतपुर में बीती रात बेखौफ चोरों ने घर की पिछली दीवार में नकब काटकर 5000 रुपये नगदी सहित लाखों के सोने चांदी के आभूषण एवं पीतल के बर्तन पार कर दिएए चोरी की वारदात से गांव में दहशत का माहौल व्याप्त है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्जकर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। मसंद खेड़ा गांव के रहने वाले राम लौटन पुत्र स्वर्गीय रघुनाथ ने बताया कि हर रोज की तरह रात घर के सभी लोग खाना खाने के बाद घर के बाहर दरवाजे लेट गए थे। शनिवार की सुबह करीब 5 बजे नींद खुली तो देखा घर की पिछली दीवार में नकब कटी थी और घर के अन्दर रखे सोने चांदी के आभूषण, पीतल का बटुआ सहित 5000 रुपए नगदी गायब थे। जिसकी जानकारी होते ही पहले डायल 112 नम्बर पर सूचना दी बाद में शिवगढ़ थाने पहुंचकर पुलिस को लिखित तहरीर दी। शिवगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक विंध्य विनय ने बताया कि तहरीर मिली है मुकदमा दर्जकर लिया गया है मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

बीओबी बैंक का कर्ज न चुकाने पर तीन किसानों की जमीनें कुर्क, लगायी गयीं लाल झण्डियां

लालगंज (रायबरेली)। तहसील क्षेत्र के गेगासो व लालूमऊ गांव में शुक्रवार को तीन किसानों की कृषि भूमि बैंक के पक्ष में कुर्क की गई। यह कार्यवाही बैंक ऑफबड़ौदा की ओर से एसडीएम मिथिलेश कुमार त्रिपाठी के आदेश पर की गई। शाखा प्रबंधक ललित कुमार यादव की मौजूदगी में इनकी कृषि भूमि कुर्क की गई। पूरी प्रक्रिया प्रशासनिक निगरानी में शांतिपूर्वक संपन्न हुई। तीनों किसानों के खेतों पर लाल झंडियां लगाकर बैनर टांग दिया गया। तहसील क्षेत्र के गेगासो निवासी राधेश्याम शुक्ला पुत्र वृंदावन ने बैंक ऑफबड़ौदा गेगासो क्रॉसिंग शाखा से केसीसी सहित अन्य दो लोन लिए थे। समय पर भुगतान न हो पाने के कारण ऋण एनपीए घोषित हो गया। शाखा प्रबंधक मलखान सिंह के मुताबिक कई बार लिखित सूचना भेजी गई, पर ऋण की राशि जमा नहीं की गई। बकाया करीब 52 लाख रुपये होने पर बैंक ने प्रशासन की मदद से कार्यवाही की। नायब तहसीलदार सरेनी शिवम राठौर, संग्रह अमीन शिवम वर्मा, क्षेत्रीय लेखपाल नीरज कुमार की मौजूदगी में गाटा संख्या 625, 636, 640, 642ए, 642बी, 646, 648जी, 901, 902 की भूमि कुर्क की गई। इसी प्रकार लालगंज की बैंक ऑफबड़ौदा शाखा की ओर से भी दो बकायेदारों की भूमि कुर्क की गई। लालूमऊ निवासी अंजनी कुमार पुत्र दुर्गा प्रसाद पर 6,47,388 रुपये और सत्यदेव सिंह पुत्र सहदेव सिंह पर 15,97,778 रुपये का कर्ज बकाया था। शाखा प्रबंधक ललित कुमार यादव की मौजूदगी में इनकी कृषि भूमि कुर्क की गई। पूरी प्रक्रिया प्रशासनिक निगरानी में शांतिपूर्वक संपन्न हुई। तीनों किसानों के खेतों पर लाल झंडियां लगाकर बैनर टांग दिया गया। इस दौरान मौके पर बैंक के क्षेत्रीय अधिकारी राजीव रंजन श्रीवास्तव, एनपीए रिकवरी हेड अनिल स्वर्णकार, देवेंद्र राम, श्रवण कुमार, संग्रह सेवक रामप्रताप व चंद्रपाल मौजूद रहे।

सरेनी क्षेत्र में कई ऐसे ऐतिहासिक व पौराणिक है स्थल

रायबरेली। सरेनी विकास क्षेत्र में कई ऐसे ऐतिहासिक व पौराणिक स्थल हैं जिनकी लगातार उपेक्षा से लोग आहत हैं। एक ऐसा ही स्थान उत्तर वाहिनी गंगातट रालपुर है। पूरे देश में दो जी जगहों पर गंगा की धारा उत्तर वाहिनी है। एक काशी में व दूसरी रालपुर में। इसी वजह से इसे लोग छोटी काशी के नाम से जानते व पुकारते हैं। आदि काल से ही यहां ऋषि मुनियों का भरी जमावड़ा बना रहता है। कहा जाता है कि यहां उपासना करने से वही लाभ होता है जो बनारस में मिलता है। इसके उस पार महर्षि भृगु की तपोस्थली भिटौरा भी है। अब यहां पर पक्के पुल का निर्माण प्रगति पर है किन्तु श्रद्धालुओं को इस बात का बेहद मलाल है कि आज तक यहां पक्के घाट का निर्माण नहीं कराया गया जबकि स्नानार्थियों की भारी तादाद त्योहारों में व अमावस व पूर्णिमा के दिन यहां जमा होती है। इसी घाट पर तपस्या करने वाले गुदड़ी बाबा की शिष्या सूर्यकमारी को भी परम सिद्धि हासिल थी। इनका मंदिर भी गंगा के किनारे श्रद्धालुओं व इनके भक्तों ने बनवा दिया है। जहां हर साल सैकड़ों भक्त इकट्ठा होते हैं व भंडारे का आयोजन होता है। आदि शक्ति मां भक्त सुरेश सेवा संस्थान के पदाधिकारी अंजनी अग्निहोत्री का कहना है कि यहां पक्के घाट का निर्माण अपरिहार्य है।

बिहार नहीं, अब पूरे देश में खतरे में लोकतंत्र-योगेंद्र यादव

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। स्वराज इंडिया पार्टी के कार्यकर्ता सम्मेलन के अवसर पर आयोजित एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी के संस्थापक और वरिष्ठ समाजवादी विचारक योगेंद्र यादव ने देशभर में लोकतांत्रिक अधिकारों पर मंडरा रहे गंभीर खतरे को उजागर किया। उन्होंने बिहार में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को लोकतंत्र की नींव पर सीधा हमला करार दिया और आगाह किया कि यह संकट सिर्फ बिहार तक सीमित नहीं रहने वाला। योगेंद्र यादव ने बताया कि बिहार में लाखों मतदाताओं के नामए जो वर्षों से मतदाता सूची में हैं, केवल इस आधार पर हटाए जा रहे हैं कि उन्होंने 2003 से पहले का नागरिकता प्रमाण नहीं दिखाया। यह प्रक्रिया संविधान के अनुच्छेद 326 और नागरिकता की निरंतरता के सिद्धांत के खिलाफ है। उन्होंने कहा उनकी मुख्य चिंता के बिंदु बिहार में लाखों ऐसे मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं, जो वर्षों से वोट डालते आ रहे हैं। उन्हें अब फिर से नामांकन फॉर्म भरने को मजबूर किया जा रहा है। अगर वे यह प्रक्रिया पूरी नहीं करतेए तो उनका नाम स्वतः हटा दिया जाएगा। चुनाव आयोग ने यह नया नियम जोड़ा है कि 2003 से पहले नागरिकता साबित करने वाले दस्तावेज न होने पर मतदाता की पात्रता संदिग्ध मानी जाएगी। योगेंद्र यादव ने इसे संवैधानिक सिद्धांतों के विरुद्ध बताया कृ कोई क्यों 20 साल पुराने कागज़ आज साथ लेकर चलेगा। उन्होंने बताया कि पहली बार देश में सभी संभावित मतदाताओं को चाहे वे पहले से रजिस्टर्ड हों या नहीं, एन्युमरेशन फॉर्म भरना अनिवार्य कर दिया गया है। वरना उनका नाम

ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में भी नहीं दिखेगा। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 326 और 11 के अनुसार, एक बार नागरिकता सिद्ध हो जाने पर उसे हर बार साबित करने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। परंतु इस प्रक्रिया में नागरिकों से बार.बार अपने अस्तित्व और अधिकार का प्रमाण मांगा जा रहा है। बिहार को केवल पायलट प्रोजेक्ट की तरह देखा जा रहा है, लेकिन चुनाव आयोग पहले ही अन्य राज्यों में इसी प्रकार की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दे चुका है। योगेंद्र यादव ने आगाह किया, यदि अभी नहीं रुका गया, तो यह पूरे देश में दोबारा नागरिकता साबित करने का माध्यम बन जाएगा।

इस अवसर पर योगेंद्र यादव ने कहा कि हम वैकल्पिक राजनीति पर विश्वाश करती है इसलिए पार्टी के कार्यकर्ता आगामी स्थानीय निकाय चुनाव की तैयारी शुरू कर दे। उत्तर प्रदेश पार्टी के अध्यक्ष पुष्पेंद्र कुमार ने सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए पार्टी के आगामी जनसंपर्क अभियानों, संगठन विस्तार और छात्रों-युवाओं को जोड़ने की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की। सम्मेलन को पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक कर्नल जयवीर ने संबोधित किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे भारत के संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए गांव-गांव में जनजागरण करें। उन्होंने साफ कहा स्वराज इंडिया सिर्फ राजनीति नहीं, जन आंदोलन की भूमिका निभा रही है। रायबरेली में पार्टी को मज़बूत नेतृत्व प्रदान कर रही हैं अधिवक्ता अर्चन, जो न केवल एक निडर सामाजिक कार्यकर्ता हैं, बल्कि महिला सशक्तिकरण और विधिक अधिकारों की सशक्त प्रवक्ता भी हैं। उन्होंने सम्मेलन में बताया कि किस तरह आम नागरिकों के दस्तावेज़ीकरण और मतदाता पंजीकरण से जुड़े मुद्दों को लेकर पार्टी लगातार ज़मीनी स्तर पर संघर्ष कर रही है। कार्यक्रम में प्रदेश के महामंत्री मोहम्मद हाशिम, किसान आंदोलन के प्रदेश अध्यक्ष राजनीति यादव, पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य पुष्कर पाल, रामविलाश यादव, अश्वनी यादव, अंकित त्यागी, आत्मप्रकाश सिंह, नवनीत यादव, डीपी सिंह आदि मौजूद रहे।

राकेश सिंह ने बरदर व गढ़ी दूलाराय को दी एक किमी पक्की सड़क व नाली की सौगात

पूर्व विधायक ने कहा कि शीघ्र शुरू होंगे सभी कार्य

स्वतंत्र भारत संवाददाता, सताँव, रायबरेली। क्षेत्र के गाँवों की गलियों मे कीचड़ व जल भराव की समस्या लंबे समय से ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई हैं। बरसात के मौसम में हालात और भी खराब हो जाते हैंएजब गड्ढों से भरी सड़कें तालाब का रूप ले लेती हैं और लोगों का निकल पाना दूभर हो जाता है। ऐसे ही हालात से जूझ रहे बरदर पंचायत के रानी खेड़ा, नौबस्ता, पूरे सुजान और बरदर में राहत की किरण दिखाई दी है। हरचंदपुर के पूर्व विधायक राकेश प्रताप सिंह ने इन गांवों के दौरा किया और करीब एक किलोमीटर सीसी रोड और नालियों के निर्माण की घोषणा की। राकेश सिंह ने गढ़ी दूलाराय गांव में सौ मीटर सीसी सड़क और नाली निर्माण की भी घोषणा की। पूर्व विधायक ने

ग्रामीणों की समस्याएं सुनते हुए कहा कि क्षेत्र के गाँवों की गलियों की दुर्दशा को वे नजरअंदाज नहीं कर सकते। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सभी निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराए जाएंगे ताकि लोगों को जलभराव और कीचड़ से तत्काल राहत मिल सके। गौरतलब है कि बरसात में इन गांवों की सड़कें कीचड़ में तब्दील हो गई हैं। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग फिसल कर गिरते हैं। कीचड़ से बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में सड़क और नाली निर्माण की यह घोषणा लोगों के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है। ग्रामीणों ने पूर्व विधायक के इस कदम का स्वागत किया है, और उम्मीद जताई है कि जल्द ही क्षेत्र की तस्वीर बदलेगी। पूर्व विधायक के साथ बरदर भ्रमण में संजय द्विवेदी, भाजपा मण्डल अध्यक्ष शिव सागर तिवारी, प्रतिनिधि पिन्टू शर्मा, शिवम मिश्रा, प्रेम पाण्डेय व ज्ञान बहादुर सिंह, जबकि गढ़ी मे प्रधान प्रतिनिधि सीतेश सिंह, रोहित त्रिवेदी, सुनील तिवारी व भारी संख्या मे ग्रामीण मौजूद रहे।

संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत कांग्रेस के नव मनोनीत पदाधिकारियों को किया गया सम्मानित

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)। सरेनी विधान सभा क्षेत्र के संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत समारोह आयोजित कर नव निर्वाचित ब्लाक अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष एवं न्याय पंचायत अध्यक्ष एवं सचिवों को सम्मानित किया गया। समारोह का आयोजन सरेनी से कांग्रेस की पूर्व प्रत्याशी सुधा द्विवेदी ने किया। कांग्रेस नेत्री ने सुधा द्विवेदी ने नव नियुक्त जिला प्रवक्ता सिद्धार्थ त्रिवेदी, महेश शर्मा, विनय द्विवेदी समेत तीनों ब्लॉक अध्यक्ष सरेनी नीरज शुक्ला, लालगंज ब्लॉक अध्यक्ष राजेन्द्र प्रताप सिंह को डलमऊ ब्लॉक अध्यक्ष हरिभान चौधरी को अंग वस्त्र, माला फूल व अपने सांसद राहुल गांधी का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। कांग्रेस नेत्री सुधा द्विवेदी ने कहा कि नव निर्मित संगठन विस्तार कर लक्ष्य 2027 को सफ्ल बनाने के लिए संगठन में बूथ स्तर तक मजबूती प्रदान करने के लिए हर संभव मदद के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। उन्होंने

कहा कि मुझे संगठन के वन मनोनीत पदाधिकारियों को सम्मानित करते हुए खुद को गौरान्वित त महसूस कर रही हूं। कांग्रेस नेत्री ने कहा कि रायबरेली के सांसद राहुल गांधी के सपने को साकार करने के लिए जिले स्तर व ब्लॉक स्तर व तहसील स्तर पर हर संघर्ष के लिए तैयार हैं और विधानसभा में संगठन की मजबूती के लिए सदैव तत्पर रहूंगी।

इसके अलावा संगठन मंत्री व उपाध्यक्ष विजय शंकर अग्निहोत्री, उपाध्यक्ष संतोष त्रिवेदी, उपाध्यक्ष महेश शर्मा, कोषाध्यक्ष दीपेंद्र गुप्ता, महासचिव विनय द्विवेदी, लाल आशकिरण सिंह, सचिव गिरीश बहादुर सिंह, कामता गौड़, राघवेन्द्र सिंह पंकज, आकर्षक द्विवेदी, अजय प्रताप सिंह, वक्ता विनोद सिंह, संजय श्रीवास्तव एवं मंडल अध्यक्ष बजरंग सिंह, राजकुमार, अशोक त्रिवेदी, राजेश कुशवाहा, दिनेश मिश्रा, नईमुद्दीन, सुनीता जयसवाल, रामवती, आमीन हाशमी व राघवेंद्र सिंह को भी अंग वस्त्र व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

महराजगंज रायबरेली। तहसील सभागार में एसडीएम सचिन यादव की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 38 शिकायती पत्र प्राप्त हुए। इनमें राजस्व विभाग से संबंधित 20, पुलिस विभाग से जुड़े 10, विकास कार्यों से संबंधित 4 और अन्य विषयों पर 4 शिकायतें शामिल थीं। अधिकारियों ने मौके पर ही 4 शिकायतों का निस्तारण कर दिया। बछरावां क्षेत्र के गांव कुर्री मजरे सिकंदरखेड़ा के निवासी राम सनेही ने एक महत्वपूर्ण शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उनकी गांव में स्थित जमीन गाटा संख्या 1448 व 1493 संक्रमणीय दर्ज है। वह इस जमीन पर कृषि कार्य करते हैं। गांव के ही निवासी कृष्णपाल पुत्र गयादीन और उनकी पत्नी इस जमीन पर जबरन कब्जा कर रहे हैं। राम सनेही ने राजस्व विभाग से जांच कर अवैध कब्जा हटाने की मांग की है। एसडीएम ने इस मामले का जल्द निराकरण कराने का आश्वासन दिया। वही तहसीलदार मंजुला मिश्रा और बीडीओ वर्षा सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

आबकारी विभाग ने 330 किलोग्राम महुआ लहन नष्ट कराया, पांच पर की कार्रवाई

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर एवं पुलिस अधीक्षक यशवीर सिंह के कुशल मार्गदर्शन मे अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध जारी विशेष प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत आबकारी निरीक्षक अखिलेश कुमार, रोबिन आर्य एवं संबंधित थाने की पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा थाना गुरूबक्शगंज, शिवगढ़ एवं खीरो में विभिन्न स्थानों पर दबिश की कार्यवाही की गयी। टीम द्वारा थाना शिवगढ़ के अन्तर्गत हरिहरपुर, ओसाह तथा थाना गुरुबक्शगंज के अन्तर्गत बसीगवा एव थाना खीरो के अंतर्गत शेमरी कछियारा, कमालपुर में अवैध कच्ची शराब बनाने के अड्डों ध् संदिग्ध घरों पर दबिश की कार्यवाही की गई। दबिश के दौरान 80 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई तथा लगभग 330 किलोग्राम महुआ लहन बरामद कर मौके पर नष्ट करते हुए 05 अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किये गए। जिला आबकारी अधिकारी दिनेश कुमार ने बताया है कि जिले में अवैध शराब के निर्माण एव बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेंगी।

ताइक्कांडो का कलर बेल्ट टेस्ट प्रतियोगिता में 53 खिलाड़ी हुए सफल

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के डा0 रिज़वी मेमोरियल पब्लिक स्कूल में ताइक्कांडो का कलर बेल्ट टेस्ट प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। रायबरेली जिला ताइक्कांडो संघ द्वारा आयोजित कलर बेल्ट टेस्ट प्रतियोगिता में लालगंज ताइक्कांडो क्लब, डलमऊ ताइक्कांडो क्लब व एमसीएफताइक्कांडो क्लब के 70 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। जिसमे 53 खिलाड़ियों ने सफ्लता हासिल किया। शेष खिलाड़ियों को आगामी टेस्ट के लिए तैयारी करने के लिए कहा गया। जिला ऐसोसिएशन की ओर से डिम्पी तिवारी और पूनम यादव को परीक्षा लेने की जिम्मेदारी सौपी गई। इस टेस्ट प्रतियोगिता में व्हाइट से येलो बेल्ट में आरंभ शुक्ला, आयुष प्रजापति, कोमल शर्मा, सिया सिंह, सोनाली कुमारी, नव्या, प्रत्यूसी सोनकर, वेदांत सोनकर, अनिरुद्ध वाजपेई, अर्पिता, निरंजन कुमार, रुद्र प्रताप, लक्ष्य कुमार, पीहू कुमारी ने और येलो से ग्रीन बेल्ट मे समर घोटवाल, अर्जुन कुमार, विराट, दीपिका भारती, दिव्यांशु, शौर्य आनंद, शौर्य, आराध्या, प्रीयांश मौर्य, वंश मौर्य, अन्यया, आवेश कुमार, अभिनव, प्रतीक यादव ने सफलता प्राप्त किया। इसी प्रकार ग्रीन से ग्रीन वन बेल्ट में दिव्यांश मौर्य, लवांश गुप्ता, अथर्व सिंह, चौतन्य, वंदना कुमारी मीणा, ग्रीन वन से ब्लू बेल्ट में तान्या कुमारी, आदर्श कौशल, अनोखी कौशल, वैष्णवी रंजन, विराट सिंह, आराध्या, श्रेया आनंद, आरुष कश्यप, आरोही कुमारी, मो0 ताहा ने और ब्लू से ब्लू वन बेल्ट के लिए महिमा सोनकर, अभ्युदय तिवारी, विनय शर्मा और ब्लू वन से रेड बेल्ट के लिए आर्यन कुमार ने सफलता हासिल किया। इस मौके पर अभिभावक सहित खिलाडी मौजूद रहे।

कम्युनिटी रेडियो आरबीएल इंडिया का तीसरा स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से संपन्न

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा संचालित इंदिरा नगर स्थित कम्युनिटी रेडियो स्टेशन आरबीएल इंडिया 90.4 एफ एम का तीसरा स्थापना दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता प्रख्यात ग़ज़ल गायक कृष्ण कुमार श्रीवास्तव ने की, जबकि मुख्य अतिथि अपर जिला जज अनुपम शौर्य एवं विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ चिंतक अखिल सिंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन रेडियो वार्तालाप विशेषज्ञ डॉ संतलाल एवं कार्यक्रम अधिकारी अभिमन्यु सिंह द्वारा किया गया। समारोह की शुरुआत स्वागत भाषण से हुई, जिसमें रेडियो केंद्र के प्रबंधक मनीष श्रीवास्तव ने कहा कम्युनिटी रेडियो का उद्देश्य स्थानीय लोक-संगीत, संस्कृति एवं कलात्मक परंपराओं का संरक्षण

करना है। यह रेडियो प्रसारण का तीसरा मॉडल है, जो समुदाय की रुचियों और जरूरतों के अनुरूप कार्य करता है। रेडियो स्टेशन के कार्यक्रम अधिकारी अभिमन्यु सिंह ने 90.4 आरबीएल इंडिया की स्थापना के उद्देश्यए तीन वर्षों की उपलब्धियाँ एवं जन सहभागिता आधारित कार्यक्रमों की जानकारी साझा की। मुख्य अतिथि अनुपम शौर्य अपर जिला जज ने कहा रेडियो इस देश की संवाद परंपरा का मजबूत माध्यम रहा है। आकाशवाणी ने जहाँ 90 वर्ष पूरे किए हैंए वहीं कम्युनिटी रेडियो ग्रामीण भारत की चेतना बन चुका है। यह सेवा अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई से 2004 में शुरू हुई और आज यह उन क्षेत्रों तक पहुँच चुका है जहाँ संचार के अन्य माध्यम दुर्लभ हैं।श विशिष्ट अतिथि अखिल सिंधु ने कहा कि कम्युनिटी रेडियो ने बहुत ही कम समय में अपनी अलग पहचान बनाई है। श्रम गीतों, लोकगीतों और जनजागरण के कार्यक्रमों को प्राथमिकता देकर यह रेडियो जनमानस से सीधे जुड़ गया है। अध्यक्ष कृष्ण कुमार श्रीवास्तव ने कहा श्समय की माँग पर खड़ा उतरा यह माध्यम हमारे सामाजिक सरोकारों का संवाहक बनकर उभरा है। यह जन-जन की आवाज बन चुका है। कार्यक्रम के दौरान कम्युनिटी रेडियो के संचालन में विशेष योगदान देने वाले प्रदीप प्यारे, परमहंस मौर्य, आस्था श्रीवास्तव, पूजा गुप्ता, पंकज गुप्ता, विजय कुमार शुक्ला, आर जे अंशिका सिंह, आर जे रितिक साहू और कार्यक्रम अधिकारी अभिमन्यु सिंह को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसे अभिमन्यु सिंह ने प्रस्तुत किया। समारोह में बड़ी संख्या में श्रोतागण, स्थानीय कलाकार, सामाजिक कार्यकर्ता एवं आम नागरिक उपस्थित रहे।

विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर दिए आवश्यक निर्देश

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। राज्य मंत्री ग्राम विकास एवं समग्र ग्राम विकास ग्रामीण अभियंत्रण विभाग उत्तर प्रदेश शासन विजय लक्ष्मी गौतम का आगमन जनपद में हुआ। पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में गॉड ऑफ ऑनर के बाद उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। लक्ष्मी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार ने आम जनमानस के स्वास्थ्य, शिक्षा, भरण पोषण, आवास आदि से संबंधित जितनी भी योजनाएं चालू की हैं, उन सबका लाभ प्रत्येक दशा में पात्र व्यक्तियों तक पहुंचना चाहिए। कोई भी पात्र लाभार्थी योजना के लाभ से वंचित न रहे तथा आम जनमानस में सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि योजनाओं के आच्छादन एवं प्रगति की गुणवत्ता का निरीक्षण गांव में जाकर करते रहें। लाभार्थियों का फीड बैक भी अवश्य प्राप्त करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार, जिला भाजपा अध्यक्ष बुद्धि लाल, शिवेंद्र सिंह सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बन रहा है हाइवे

स्वतंत्र भारत, जैदपुर बाराबंकी। एनएचआई के जिम्मेदार अधिकारियो एव कर्मचारियों की लापरवाही के चलते बारिश पूर्व हाइवे के किनारे की पटरियो की मरम्मत न कराये जाने से वाहन चालको एव राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बन रही है। थोड़ी सी चूक जानलेवा साबित हो सकती है।बताते चले कि लखनऊ अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग व बाराबंकी बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग की पटरियो की मरम्मत न होने से हाइवे के किनारे बड़े-बड़े जानलेवा गड्ढे बन गये है जरा सी बरसात मे जलभराव होने के कारण आये दिन दुर्घटनाए हो रही है। सबसे बड़ी समस्या बाराबंकी बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग हाइवे के किनारे गड्ढे बन जाने के कारण लोग चोटहिल हो रहे है वर्तमान समय मे इस राष्ट्रीय राजमार्ग पर सावन माह के चलते बड़ी संख्या मे शिवभक्त पैदल यात्रा करते है जिन्हे गड्ढों से बच बचकर निकलना पड़ रहा है सबसे दिक्कते शिवभक्तो को रात्रि मे होती है जिससे मजबूरन शिवभक्तो को पटरी के बजाय रोड पर यात्रा करनी पड़ रही है इसी तरह लखनऊ अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित सफदरगंज मुख्य चौराहे पर हाइवे के किनारे पटरी पर बड़ा गड्ढा बना होने के कारण थोड़ी सी बरसात मे पानी भर जाता है जिससे लोगो को बड़ी दिक्कते होती है सोमवार को बाराबंकी बहराइच हाइवे शिवभक्तो की यात्रा के डायवर्जन पर पुलिस उसी स्थान पर पिकेट डियूटी लगा देती है जिससे लोगो को मजबूरन उसी गड्ढे से गुजर कर लोगो को जाना पड़ता हैं। गड्ढे मे बरसात गंदा पानी इकट्ठा होने के कारण अक्सर दो पहिया एव साईकिल चालक इस गड्ढे के शिकार हो जाते है।

गले की तकलीफ में ऑपरेशन क्यों?

स्वतंत्र भारत, बाराबंकी। आस्था हॉस्पिटल – एक नाम, जो अब लोगों के लिए इलाज से ज़्यादा डर का पर्याय बन चुका है। इसी अस्पताल में आज फिर एक दर्दनाक और संदिग्ध मौत हुई। मृतक युवक का नाम गुफरान था, जिसे शनिवार को मामूली गले और नाक की दिक्कत के चलते भर्ती किया गया था। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टरों ने हालात को बिना गंभीरता से समझे, सीधे ऑपरेशन की सलाह दी – और फिर वही हुआ जिसका डर था। ऑपरेशन के बाद गुफरान की तबीयत बिगड़ती चली गई, और रविवार दोपहर उसकी मौत हो गई। गम और गुस्से से भरे परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया। परिजनों का कहना है कि गुफरान की हालत पहले से बिल्कुल सामान्य थी, लेकिन आस्था हॉस्पिटल ने उसे एक 'कमाई के केस' की तरह ट्रीट किया, नतीजा मौत। सूचना मिलते ही नगर कोतवाली प्रभारी अस्पताल पहुंचे और परिवार को कार्रवाई का भरोसा देकर मामला शांत कराया, लेकिन सवाल जस का तस है – क्या इस बार भी मौत की ये कहानी सिर्फ कार्रवाई के आश्वासन में ही दफन हो जाएगी गौरतलब है कि ये कोई पहली घटना नहीं है। आस्था हॉस्पिटल पहले भी दर्जनों बार लापरवाही, फर्जीवाड़े और संदिग्ध इलाज के मामलों में घिर चुका है। लेकिन हर बार किसी अदृश्य प्रशासनिक छतरी ने इसे बचा लिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल की प्रशासन में गहरी पकड़ है, इसलिए चाहे जितनी भी बड़ी लापरवाही हो, जांच या सज़ा की नौबत नहीं आती। अब सवाल सिर्फ गुफरान की मौत का नहीं, बल्कि उस पूरे सिस्टम का है जो मौत के बाद भी चुप है। आखिर कब तक आस्था हॉस्पिटल का ये 'मौत का धंधा' यूं ही चलता रहेगा।

जल शक्ति मंत्री ने बाढ़ सम्भावित क्षेत्र का किया दौरा, अधिकारियों को दिए निर्देश

स्वतंत्र भारत, रामनगर बाराबंकी। प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने खाद्य एवं रसद, राज्य मंत्री सतीश चन्द्र शर्मा के साथ रविवार को सरयू नदी(घाघरा) के तटबंध पर स्थित ग्राम कोठरी गौरया की बाढ़ सुरक्षा हेतु चलित परियोजना एवं अन्य परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान मंत्री द्वय ने नाव में बैठकर सरयू नदी के तटबंध को कटान से रोकने के लिये चल रही परियोजनाओं को गहनता से देखा और सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह एवं खाद्य एवं रसद राज्य मंत्री सतीश शर्मा के साथ सरयू नदी के दाएं तट पर स्थित अलीनगर - रानीमऊ तटबंध के ग्राम कोठरी गौरया, में बाढ़ से बचाओ हेतु किये जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्य अभियंता शारदा सहायक, अधीक्षण अभियंता मंडल अयोध्या तथा अधिशासी अभियंता बाढ़ कार्य खंड बाराबंकी मौजूद रहे। कटान की स्थिति नहीं है।मंत्री ने उक्त कार्य के नीचे ग्राम सूबेदार पुरवा कोठरी आदि ग्राम में हो रही कटान को रोकने के लिए फ्लड फाइटिंग कार्य करने के निर्देश दिए गए एवं बाढ़ के बाद उक्त स्थल पर परियोजना बनाने के निर्देश दिए।

खबर एक नजर

नदी में स्नान करने गए युवक की पानी में डूबकर मौत

स्वतंत्र भारत, रामनगर बाराबंकी। सरयू नदी में स्नान करने गए एक युवक की पानी मे डूब कर मौत हो गई पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मथुरा बगिया निवासी 19 वर्षीय महेंद्र कुमार पुत्र उमेश गौतम रविवार की सुबह ग्राम करमुल्लापुर स्थित एक खेत में धान की रोपाई करने गया था इसके बाद कुसौरा बांध के पास सरयू नर स्नान करते व्त़ अचानक गहरे पानी में डूबने लगा। जिससे वह चीखना चिल्लाना शुरू कर दिया। शोरगुल सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण दौड़े और उसे बाहर निकाला। लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक लिखा पड़ी कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

विद्युत लाइन की चपेट मे आने से झुलसा मिस्त्री

स्वतंत्र भारत, जैदपुर बाराबंकी। मकानों के ऊपर से गुजरी हाईटेंशन विद्युत लाइन थोड़ी सी लापरवाही जान के लिए घातक बन रही है आज सुबह कस्बा मसौली के मोहल्ला डाकखाना तकिया के निकट भवन निर्माण के दौरान एक राजमिस्त्री विद्युत लाइन की चपेट मे आने से बुरी तरह झुलस गया जिसे सीएचसी बड़ागांव मे भर्ती कराया गया हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल से ट्रामा सेन्टर लखनऊ रेफर किया गया है।बताते चले कि कस्बा मसौली के अंतर्गत डाकखाना तकिया के निकट कस्बा मसौली निवासी सम्मू अपने दो मंजिला मकान पर निर्माण कार्य करा रहा था राजमिस्त्री के रूप मे कार्य कस्बा मसौली के मोहल्ला कसाईटोला निवासी 55 वर्षीय मुमता कार्य कर रहा था मकान के ऊपर से गुजरी 33 हजार हाईटेंशन लाइन मे अचानक चपेट मे आ जाने से मुमता बुरी तरह झुलस गया जिसे आनन फानन मे सीएचसी बड़ागांव ले जाया गया जहा प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया लेकिन हालत नाजुक होने पर सिविल अस्पताल लखनऊ रेफर किया गया है ।

कांवड़ियों की टोली को कराया जलपान

स्वतंत्र भारत, जैदपुर बाराबंकी। श्रावण मास के दूसरे सोमवार को लोधेश्वर महादेवा मंदिर जाने वाले कांवड़ियों की टोली को जलपान कराने के लिये मसौली पुलिस द्वारा जगह जगह स्टाल लगा कर जलपान कराया गया। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार सिंह सहित स्टॉफ पुलिस कर्मी मौजूद रहे।बताते चले कि आज श्रावण मास का दूसरा सोमवार होने के कारण रविवार की दोपहर बाद से शिवभक्तो की टोलिया निकलने लगी पैदल जा रहे शिवभक्तो के जलपान के लिए प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार सिंह ने सहाबपुर, थाना मुख्यालय, मसौली चौराहे पर स्टाल लगाकर केला, सेब, मिठाई पानी का इंतजाम किया तथा प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार सिंह, वरिष्ठ उपनिरीक्षक शमशाद अली, शिवकुमार, रमेशंद्र, राहुल शर्मा सहित अन्य पुलिस कर्मियों ने प्रसाद का वितरण किया।

लकड़ी ठेकेदार ने की किसान की पिटाई

स्वतंत्र भारत हैदरगढ़ बाराबंकी। स्थानीय कोतवाली के बहुता गांव में लकड़ी ठेकेदार ने एक किसान की अपने घर पर बुलाकर पिटाई कर दी। इससे उसकी हड्डी टूट गई।घटना के नौ दिन बाद पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया है। गाँव निवासी राम प्रसाद ने पुलिस को बताया कि उसने अपने पेड़ गांव के ही निवासी लकड़ी के ठेकेदार बैजनाथ को न बेचकर दूसरे लकड़कट्टे के हाथ बेच दिया।इसी बात से नाराज गांव के ठेकेदार बैजनाथ ने बीती 11 जुलाई को उसे अपने दरवाजे पर बुलाकर अपने बेटे विकास के साथ मिलकर मारा पीटा।घटना में उसकी कंधे की हड्डी टूट गई।शिकायत करने पर आरोपी ने दवा व इलाज के पैसे देने की बात कहकर सुलह कर लिया।लेकिन ठेकेदार अपनी बात से मुकर गया।अब जान से मार डालने की धमकी दे रहा है।

खेत में बकरी जाने पर हुई मारपीट, तीन घायल

स्वतंत्र भारत हैदरगढ़ बाराबंकी।कोतवाली क्षेत्र के अलमापुर गांव में शनिवार की देर शाम खेत में बकरी चले जाने को लेकर विवाद हो गया। जिसके बाद दो पक्षों में हुई मारपीट में तीन लोग घायल हो गए। गाँव निवासिनी मंजू पत्नी मैकू ने दी गई तहरीर में बताया कि गांव के ही संतराम की बकरियां उनके खेत में पहुंचकर नुकसान करने लगी। जिसकी शिकायत करने पर संतराम व उनके परिजनों ने घर में घुसकर पीड़िता,उसकी सास एवं पति की पिटाई कर दी। पीड़िता की तहरीर पर पुलिसआरोपियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर जांच पड़ताल कर रही है।

कांवड़ यात्रा के मद्देनजर प्रशासन का डायवर्जन, प्लान लागू

स्वतंत्र भारत,बाराबंकी। श्रावण मास के पावन अवसर पर थाना रामनगर क्षेत्रान्तर्गत लोधेश्वर महादेवा मंदिर में कांवड़ यात्रा एवं श्रावण मास मेले के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस ने यातायात संचालन के लिए डायवर्जन किया है। यह व्यवस्था सोमवार से मेला समाप्ति होने तक लागू किया गया है। यातायात पुलिस द्वारा जारी ट्रैफिक प्लान के अनुसार विभिन्न मार्गों पर वाहनों का रूट डायवर्ट किया गया है ताकि श्रद्धालुओं की आवाजाही सुगम, सुरक्षित और निर्बाध बनी रहे। डायवर्जन के तहत गोंडा-बहराइच से लखनऊ की ओर आने वाले छोटे वाहन चौकाघाट से मरकामऊ, बदोसराय, सफदरगंज होते हुए अयोध्या-लखनऊ मार्ग से लखनऊ जा सकेंगे।कांवड़ियों की अत्यधिक संख्या होने पर वाहनों को चहलारी मोड़ की तरह डायवर्ट किया जाएगा। लखनऊ से अयोध्या जाने वाले वाहन किसान पथ, लखनऊ-सुलतानपुर हाईवे या पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से अपने गंतव्य को जा सकेंगे। लखनऊ से गोंडा, बहराइच की ओर जाने वाले हल्के वाहन सफदरगंज, बदोसराय, मरकामऊ, चौकाघाट मार्ग से भेजे जाएंगे। भीड़ अधिक होने पर किसान पथ से सीतापुर-चहलारी ब्रिज होकर भेजा जाएगा। इस डायवर्जन के तहत बाराबंकी शहर में भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा।

लोधेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना कर मंत्री ने की कल्याण की कामना

स्वतंत्र भारत, बाराबंकी। सावन के दूसरे सोमवार से पूर्व रविवार को प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने लोधेश्वर महादेवा मंदिर में पूजा अर्चना कर विश्व कल्याण की कामना की। रविवार को दोपहर करीब 12 बजे लोधेश्वर महादेवा मंदिर पहुंचे प्रदेश सरकार के काबीना मंत्री ने विधि विधान से लोधेश्वर भगवान शंकर जी पूजा आराधना की।इस मौके पर प्रदेश के खाद्य रसद राज्य मंत्री सतीश चंद्र शर्मा एमएलसी अंगद सिंह पूर्व विधायक शरद अवस्थी एसडीएम विवेकशील यादव, पुलिस क्षेत्राधिकारी गरिमा पंत, कोतवाल रामनगर अनिल पांडेय व विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके बाद जलशक्ति मंत्री सिरौलीगौसपुर के प्रसिद्ध कुंतेश्वर धाम पहुँचे। तत्पश्चात वे पारिजात धाम पहुँचे, जहाँ पारिजात वृक्ष के नीचे बैठकर उन्होंने विधिपूर्वक पूजन किया। इस मौके पर एसडीएम सिरौलीगौसपुर प्रीति सिंह व अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

युवक का संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से लटकता हुआ शव बरामद

स्वतंत्र भारत हैदरगढ़ बाराबंकी क्रेन मशीन पर हेल्पर का काम कर रहे बिहार प्रदेश के एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थि तियों में फांसी के फंदे से लटकता हुआ बरामद हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना देते हुए शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजा है। लोनी कटरा थाना क्षेत्र के इलियासपुर गांव में वर्तमान समय में पानी की टंकी का निर्माण चल रहा है। इसी साइट पर बिहार राज्य के दंदासपुर नावदा बाजार निवासी अरमान अंसारी 20 वर्ष क्रेन हेल्पर के रूप में काम करता था इसके साथ बिहार राज्य जिला बक्सर थाना सेमरी के आशा पटरी गांव निवासी क्रेन चालक सरोज राजभर एवं इलियासपुर निवासी गार्ड चंद्रमूल पुत्र राजेन्द्र प्रसाद भी काम करते हैं। चालक एवं चौकीदार ने बताया कि आज सुबह 10 बजे साइट पर खाना बनाकर खाने पीने के बाद अरमान अंसारी को मौके पर छोड़कर घूमने चले गए थे क्योंकि पिछले चार-पांच दिनों से पानी टंकी निर्माण का काम रुका हुआ था। जरूरत पड़ने पर जब फोन किया गया तो मृतक का फोन नहीं उठा। इसके बाद ग्रामीणों के साथ साइट पर पहुंचे सहकर्मियों ने फोन मिलाया तो मोबाइल रिंगटोन की आवाज पानी की टंकी के पीछे स्थित जंगल से आई । जहां पहुंचने पर मृतक का शव गमछा से बने फांसी के फंदे के सहारे पेड़ से लटकता हुआ बरामद हुआ। जिसकी सूचना ग्रामीणों द्वारा ग्राम प्रधान को दी गई प्रधान की सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के सामने पंचनामा भरकर शव को पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजा गया। बताते है कि शनिवार की शाम मृतक का फोन पर बातचीत के दौरान किसी के साथ झगड़ा भी हुआ था। बातचीत के दौरान मृतक जान देने की बात कह रहा था।

सिकंदरपुर में वार्षिक जुलूसे अजा कल

स्वतंत्र भारत (अंबेडकरनगर) अकबरपुर विकास खंड के ग्राम सिकंदरपुर में चौथे इमाम इमाम ज़ैनुलआबेदीन अलैहिस्सलाम के बलिदान दिवस 25 मुहर्रम पर वार्षिक जुलूसे अजा कार्यक्रम कल मंगलवार को दिन में एक बजे से आयोजित होगा। कार्यक्रम के आयोजक समर ज़ैदी ने बताया कि मौलाना मोहम्मद जफर मारूफी मुख्य वक्ता होंगे। इसके अतिरिक्त मौलाना नूरुल हसन रिजवी तथा मौलाना नदीम रज़ा ज़ैदी भी संबोधित करेंगे। अंजुमन ज़ीनतुल अजा अलीगढ़ सुल्तानपुर, जैनुल एबा रायबरेली, जीनते अजा कादीपुर, दस्तए मासूमिया बड़ागांव घोसी, तमन्नाए जहरा अकबरपुर और अंजुमन सफ़ीरे नासिरुल अजा कटघरकमाल नौहाख्वानी व सीनाजनी करेंगी। संचालन का दायित्व तालिब साहब और मौलाना मुशीर अब्बास मुस्तफवी संभालेंगे।

धर्म परिवर्तन के शक में कई गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत,बाराबंकी।आस्था और इलाज की उम्मीद लेकर जुटे लोग अचानक कानून की गिरफ्त में आ गए, जब रविवार को थाना सफदरगंज क्षेत्र के बेलहरी बाग अकबरपुर गांव में एक कथित धर्म परिवर्तन की सूचना पर पुलिस ने छापा मार कार्रवाई की। इस दौरान प्रार्थना सभा कर रहे करीब दो दर्जन लोगों को हिरासत में ले लिया गया, जिनमें महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल थे। पुलिस को सूचना मिली थी कि धार्मिक गतिविधियों की आड़ में धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। मौके पर पहुंची टीम ने एक कमरे में चल रही ईसाई धर्म की प्रार्थना सभा को रोका, जहां ईसाई धार्मिक चिन्ह और प्रार्थना की किताबें मिलीं। जहांगीराबाद निवासी उमेश कुमार, जो हर रविवार वहां प्रार्थना करवाने आते हैं, ने बताया कि यह केवल श्रद्धा और प्रार्थना की एक प्रक्रिया है। वहीं, गांधीनगर निवासी मुकेश कुमार ने कहा कि वह अपनी बीमार भाभी और बच्चों को लेकर प्रार्थना में इसलिए शामिल हुए ताकि उन्हें मानसिक और शारीरिक राहत मिल सके।

धूमधाम से मनाया गया गया उपज का स्थापना दिवस

स्वतंत्र भारत, बाराबंकी। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ एसोसिएशन (उपज) के स्थापना दिवस पर बाराबंकी इकाई द्वारा नगर पालिका मार्केट स्थित कार्यालय पर उपज का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। समारोह की अध्यक्षता समाजसेवी देव कुमार गुप्ता ने की तथा संचालन महामंत्री रत्नेश कुमार ने किया। समारोह में जिलाध्यक्ष नितिन श्रीवास्तव ने स्थापना दिवस की सभी को बधाई दी और कहा कि पत्रकारों का कम से कम दो लाख का सामूहिक बीमा कराया जाना चाहिए, उपज संगठन इस दिशा में प्रयास कर रहा है। जिला संयोजक दिलीप श्रीवास्तव ने सभी को बधाई देते हुए उपज के संस्थापक स्वर्गीय राधेश्याम कर्ण को याद करते हुए कहा कि उपज संगठन प्रदेश में जिन ऊंचाई पर पहुंच चुका है उसका सारा श्रेय संगठन के प्रति ईमानदार ,जुझारू, कर्मठ कर्ण जी को जाता है। दिलीप श्रीवास्तव ने अध्यक्ष के सुझाव को स्वीकार करते हुए बताया कि शीघ्र ही उपज पत्रकारों का दो लाख का सामूहिक बीमा कराया जाएगा। उन्होंने मान्यता प्राप्त पत्रकारों को रेल यात्रा में मिलने वाली छूट, रेल पास अभी तक बहाल नहीं की गई है, इसके लिए उपज का एक प्रतिनिधिमंडल रेल मंत्री से मिलकर रेल पास बहाल कराने का प्रयास करेगा। वहीं उन्होंने कहा कि पत्रकारों के लिए बनने वाले वाचनालय कम प्रेस कांफ्रेंस हाल के लिए, निधि की स्वीकृति एमएलसी अंगद कुमार सिंह ने की थी। एमएलसी द्वारा स्वीकृत की गई निधि के बाद स्थल एनओसी अभी तक तहसील प्रशासन द्वारा लंबित है जिसको लेकर भी प्रयास किया जाएगा। महामंत्री रत्नेश कुमार ने कहा कि उपज के प्रयास से पत्रकारों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया था किंतु अभी भी तमाम पत्रकारों का आयुष्मान कार्ड नहीं बन पाया है। सूचना विभाग से पैरवी करके आयुष्मान कार्ड बनवाया जायेगा।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित

स्वतंत्र भारत टांडा (सं.) बैंक ऑफ बड़ौदा क्षेत्रीय कार्यालय अम्बेडकरनगर ने स्थापना दिवस के अवसर पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन क्षेत्रीय कार्यालय अम्बेडकर नगर में कराया गया। बीसीटीवी मंडल अयोध्या और रक्तकेंद्र राजकीय मेडिकल कालेज के सहयोग से 51 बैंक अधिकारी और कर्मचारियों ने पंजीकरण कराया जिसमे से स्वस्थ्य पाए गए 41 बैंक अधिकारी और कर्मचारियों ने रक्तदान किया, रक्तदान शिविर का उद्घाटन क्षेत्रीय प्रमुख महेंद्र कुमार वर्मा तथा उप क्षेत्रीय प्रमुख सुरेश कुमार एवं रक्त केन्द्र प्रभारी डॉ. मनोज गुप्ता ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया, क्षेत्रीय प्रमुख महेंद्र कुमार वर्मा ने स्वयं रक्तदान किया तथा बताया कि अस्हाय लोगों की जिंदगी बचाने के लिय हम लोगों को आगे आना चाहिए, क्षेत्रीय प्रमुख सुरेश कुमार ने स्वयं रक्तदान के बाद बताया कि हमारा एक वर्ष में यह तीसरी बार रक्तदान है। बैंक के समस्त अधिकारी और कर्मचारी का सहयोग रहा। रक्तवीरों का नाम महेंद्र कुमार वर्मा, सुरेश कुमार, दीपेंद्र कुमार बालसिया, नीतीश कुमार, शंकर निकेता, अमित कुमार, विकास सिंह, दिव्यांशु मोहन कश्यप, महेश सैनी ने रक्तदान किया।

हर बेटी बनेगी सबल ,मीना मंच ने सशक्तिकरण की ओर बढ़ाया कदम

स्वतंत्र भारत,बाराबंकी। हर बेटी मुस्कुराए, हर सपना पूरा हो सरकार की यह सोच अब हकीकत का रूप लेने जा रही है। बेटियों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में शिक्षा विभाग ने एक बेहद संवेदनशील और सशक्त पहल की है। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत 'स्पेशल प्रोजेक्ट फॉर इक्विटी' योजना के तहत अब राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, जो बालिकाओं के भविष्य को संवारने के लिए एक मजबूत नींव तैयार करेगा।यह प्रशिक्षण प्रयागराज स्थित सीमैट संस्थान में 4 से 21 अगस्त तक नौ बैचों में आयोजित होगा। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद ये मास्टर ट्रेनर्स जिले के उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत मीना मंच की सुगमकर्ता शिक्षिकाओं को प्रशिक्षित करेंगे। यह शिक्षिकाएं न सिर्फ बालिकाओं को पढ़ाएंगी, बल्कि उन्हें आत्मरक्षा, संवाद कौशल, नेतृत्व, स्वास्थ्य, स्वच्छता और लैंगिक समानता जैसे जीवन के अहम पाठ भी पढ़ाएंगी। बीएसए संतोष देव पाण्डेय ने बताया कि ये शिक्षिकाएं स्कूलों में बेटियों के लिए न केवल शिक्षक बल्कि प्रेरणास्रोत बनेंगी। जब एक शिक्षिका आत्मविश्वास से भरपूर होकर छात्राओं को दिशा दिखाएगी, तो वह हर उस बच्ची की आंखों में चमक बनकर उभरेगी जो बड़े सपने देखने की हिम्मत कर रही है।मीना मंच के माध्यम से अब बेटियां सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि जिंदगी को समझेंगी, खुद को पहचानेंगी और समाज में अपनी जगह खुद बनाएंगी। यह परियोजना लड़कियों को समान अवसर और अधिकार दिलाने की दिशा में एक निर्णायक और भावनात्मक कदम है। यह प्रयास एक सशक्त पीढ़ी के निर्माण की ओर ले जाएगा, जहां हर बेटी अपने सपनों को पंख दे सकेगी।

स्टेट हाईवे पर लगा दिया भारी वाहनों के प्रवेश वर्जित का बोर्ड

स्वतंत्र भारत,मिल्कीपुर-अयोध्या। इनायत नगर थाना क्षेत्र के मीठे गांव स्थित एनएचएआई टोल प्लाजा कर्मियों के प्रभाव में आकर इनायत नगर पुलिस ने स्टेट हाईवे से होकर गुजरने वाले बड़े वाहनों को रोके जाने व्यवस्था को पुनः लागू कर दिया है। यही नहीं इनायत नगर पुलिस ने स्टेट हाईवे पर वाहनों का यातायात रोक जाने हेतु होम गार्ड्स की तैनाती भी कर दी है। वहीं दूसरी ओर से टोल कर्मियों द्वारा एनएचएआई के आदेश का हवाला देते हुए स्टेट हाईवे पर भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित होने संबंधी बोर्ड भी गाड़ दिया है। और तो और टोल कर्मियों की ओर से कुचेरा स्थित शाहगंज मोड़ के स्टेट हाईवे पर दोनों तरफ लोहे के बड़े-बड़े पिलर गाड़कर वाहनों का प्रवेश रोके जाने की पूरी तैयारी कर ली गई है, जिसके चलते अब क्षेत्रवासी ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से अयोध्या रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग पर मीठे गांव के पास टोल स्थापित किया गया है, जहां से होकर वहां अयोध्या की ओर प्रवेश करते हैं। टोल केंद्र से 2 किलोमीटर पहले स्थित कुचेरा बाजार से एक राजकीय राजमार्ग पिपरी जलालपुर होते हुए अंबेडकर नगर को जोड़ता है। विगत 1 वर्ष पूर्व इसी स्टेट हाईवे के मोड़ पर इनायत नगर पुलिस ने टोल कर्मियों के प्रभाव में आकर दो बैरियर तैनात कर दिए थे जो अवैध वसूली करते हुए वाहनों को रोके और छोड़े जाने का सिलसिला जारी कर रखे थे। क्षेत्रीय ग्रामीणों एवं वाहन स्वामियों के भारी विरोध के बाद पुलिस की जमकर किरकिरी हुई थी और तत्कालीन क्षेत्राधिकारी सुनील कुमार सिंह ने अवैध पुलिस बैरियर हटवा दिया था। एक वर्ष बाद अब फिर टोल कर्मियों को अवैध वसूली की युक्ति सूझ गई है। उन्होंने अब उक्त राजकीय राजमार्ग से वाहनों का आवागमन ही बंद करने की योजना बनाते हुए इनायत नगर थाने से दो होमगार्ड की तैनाती करवा ली है। इस संबंध में इनायत नगर थाने के प्रभारी निरीक्षक रतन कुमार शर्मा का कहना है कि होमगार्ड की ड्यूटी कांवड़ियों की भीड़ को देखते हुए लगाई गई है, जबकि क्षेत्रवासी ग्रामीणों का कहना है कि उक्त मार्ग से कभी भी कांवड़ियों का आना-जाना नहीं होता। लोगों का कहना है कि इनायत नगर पुलिस टोल कर्मियों के प्रभाव में है जो व्यापारियों से लेकर आम जन का काम धाम पूरी तरह से ठप करने पर तुली है।

अपर्णा जायसवाल के नेतृत्व में महिलाओं ने सपा का दामन थामा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो (अयोध्या) समाजवादी पार्टी महानगर कार्यालय लोहिया भवन के महिला महानगर अध्यक्ष अपर्णा जायसवाल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिलाओं ने समाजवादी पार्टी की नीतियों को अपनाकर पार्टी में शामिल हुई कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडे पवन व महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने सभी को पार्टी का झंडा देकर पार्टी में शामिल किया। महानगर अध्यक्ष अपर्णा जायसवाल ने पार्टी में शामिल होने वाली महिलाओं का स्वागत किया। महानगर प्रवक्ता श्री यादव ने बताया पार्टी में शामिल होने वालों में सरिता प्रजापति, ममता गुप्ता, रुक्मणी कोरी, शिखा श्रीवास्तव, माधुरी गौतम, किस्मता कोरी, विमलेश सिंह, दुर्गावती कोरी, रीता सिंह, रेखा सिंह, गुड़िया तिवारी सहित सैकड़ों की संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। इस मौके पर अपर्णा जायसवाल, फहमीदा कुरैशी, उपाध्यक्ष पूजा वर्मा, सचिव पूनम साहू, सीमा यादव, श्रीचंद यादव, संजय सिंह, सचिव जगन्नाथ यादव, वीरेंद्र गौतम, औरंगजेब खान, बृजेश सिंह चौहान, नूर बाबू, शाहबाज लकी, मोहम्मद कैफ आदि लोग मौजूद रहे।

परिवहन मंत्री ने शहीद के नाम किया बस स्टाप की स्थापना

स्वतंत्रभारत,सोहावल-अयोध्या। लखनऊ अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर रविवार को बसहा चौराहे पर रोडवेज के एक बस स्टाप की स्थापना हो गई। अब यहां बसों का ठहराव होने के साथ इनका यहां से आवागमन भी होगा। 1965 के युद्ध में शहीद हुए हवलदार देवी प्रकाश सिंह निवासी रहीमपुर बदौली की स्मृति में समर्पित इस बस स्टाप का शुभारंभ प्रदेश के परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह ने किया। इस अवसर पर विधायक बीकापुर डाक्टर अमित सिंह चौहान के साथ जिला पंचायत के अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक सिंह ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अच्छे काम करने वाले दर्जनों लोगों को माल्यार्पण कर अंग वस्त्र और प्रतीक चिन्ह देते हुए सम्मानित किया। आगंतुकों द्वारा करीब दर्जन भर पौधों को रोपित किया गया जिसकी तैयारी वन विभाग ने कर रखी थी। चौराहा पर स्थित शहीद की शिलापट के पास स्थापित इस बस स्टाप का शुभारंभ करते हुए तय समय से 6 घंटे लेट पहुंचे मंत्री श्री सिंह ने शहीद के पुत्र और आयोजक संपादक धर्मपाल सिंह की सराहना करते हुए अपने संबोधन में कहा प्रदेश की सरकार जन सुविधाओं को लेकर हमेशा चिंतित रहती है। इस बस स्टाप के बन जाने से क्षेत्र के लोगों का आवागमन तो आसान होगा ही इस क्षेत्र के विकास में भी तेजी आएगी। हवलदार शहीद को समर्पित यह बस स्टाप हमारी और सरकार की ओर से सच्ची श्रद्धांजलि है। इससे पहले विधायक श्री चौहान ने शहीद की 85 वर्षीय पत्नी फूल पति देवी को राष्ट्रीय ध्वज देते हुए सम्मानित किया। कहा कि यह बस स्टाप क्षेत्र के विकास में एक मील का पत्थर साबित होगा। इनके नाम पर एक भव्य द्वार भी स्थापित किया जाएगा। संबोधन करने वालों में रुदौली विधायक रामचंद्र यादव, जिला पंचायत के आलोक सिंह,भाजपा जिला अध्यक्ष संजीव सिंह जिला उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार पाण्डेय खुन्नू, चंद्रभान सिंह प्रमुख रूप से शामिल रहे। मौजूद लोगों में नानमून सिंह, कमान तिवारी,राजा सिंह चौहान, रवि सिंह, एस पी श्रीवास्तव, अमित यादव, राम शंकर दुबे, खाकी वर्दी वाले गुरु जी, विमलेश सिंह, प्रदीप यादव आदि सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण वन एवं परिवहन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

चौथे टेस्ट से पहले अंशुल टीम में शामिल

इंडिया-ए में खेल चुके पेसर आकाश दीप और अर्शदीप के चोटिल होने के बाद बदलाव

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। टीम प्रबंधन ने चोटिल अर्शदीप सिंह के कवर के तौर पर कंबोज को टीम में जगह दी है। हालांकि, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसे लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। भारत और इंग्लैंड के बीच 23 जुलाई से मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट मैच खेला जाना है।

अर्शदीप सिंह को अब तक खेले गए तीन मैचों में प्लेइंग-11 में मौका नहीं दिया गया था। भारत इस सीरीज में फिलहाल 1-2 से पीछे चल रहा है। अर्शदीप को हाल ही में अभ्यास के दौरान चोट लगी थी। हालांकि, न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, कंबोज को अर्शदीप के कवर के तौर पर बुलाया गया है। कंबोज भारत ए टीम का हिस्सा थे जिन्होंने सीरीज से पहले इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो अनौपचारिक मैच खेला था। कंबोज ने इन मैचों में पांच विकेट लिए थे और दूसरे मैच में अर्धशतक भी लगाया था। कंबोज आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए खेले थे और उन्हें मेगा नीलामी में 3.40 करोड़ रुपये में खरीदा गया था। कंबोज ने आईपीएल में आठ मैचों में आठ विकेट लिए थे। हरियाणा का यह तेज गेंदबाज उस वक्त सुर्खियों में आया जब उन्होंने एक पारी में सभी 10 विकेट लिए थे। कंबोज रणजी ट्रॉफी इतिहास के तीसरे गेंदबाज बने थे जिन्होंने एक पारी में 10 विकेट लिए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि 2024-25 सीजन में केरल के खिलाफ मुकाबले के दौरान हासिल की थी।

अर्शदीप का चौथे टेस्ट के लिए उपलब्ध होना मुश्किल माना जा रहा है। भारतीय टीम शनिवार को मैनचेस्टर पहुंची थी। इससे पहले टीम के सदस्यों ने बेकेनहैम में अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया था। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को कार्यभार प्रबंध के कारण अगर आराम दिया जाता तो अर्शदीप के लिए मौका बन सकता था। लॉर्ड्स टेस्ट में भारत बुमराह, सिराज और आकाश दीप की तेज गेंदबाज तिकड़ी के साथ उतरा था। इस बारे में अभी स्पष्ट नहीं है कि बुमराह मैनचेस्टर टेस्ट में खेलेंगे या नहीं। मालूम हो कि बुमराह ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि वह इस सीरीज में तीन मैच ही खेलेंगे। उन्होंने लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में हिस्सा लिया था, जबकि बर्मिंघम में हुए दूसरे टेस्ट से उन्हें आराम दिया गया था। बुमराह तीसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग-11 में शामिल थे और अब देखना दिलचस्प होगा कि उन्हें अगले मैच में चुना जाता है या नहीं। दूसरी ओर, आकाश दीप में ग्रोइन चोट से जूझ रहे हैं और उनकी उपलब्धता को लेकर भी स्पष्टता नहीं है। सिराज ने अब तक तीनों मैच में हिस्सा लिया है, इसलिए यह भी देखना होगा कि टीम प्रबंधन उन्हें आराम देता है या नहीं।

गिल तोड़ सकते हैं 19 साल पुराना ये रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाफ 23 जुलाई से शुरू होने वाले मैनचेस्ट टेस्ट के दौरान बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। एक तरफ भारतीय टीम की नजरें सीरीज में बराबरी हासिल करने पर टिकी होंगी, वहीं गिल के पास 19 साल पुराना एशियाई रिकॉर्ड तोड़ने का मौका रहेगा। गिल के पास इंग्लैंड में एक द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले एशियाई बल्लेबाज बनने का मौका है। गिल फिलहाल शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और उनके पास यह रिकॉर्ड अपने नाम करने का सुनहरा अवसर है। फिलहाल इंग्लैंड की धरती पर एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले एशियाई बल्लेबाज का रिकॉर्ड मोहम्मद यूसुफ के नाम है जिन्होंने 2006 में पाकिस्तान के इंग्लैंड दौरे पर चार मैचों में 90.14 के औसत से 631 रन बनाए थे। गिल इस मामले में यूसुफ को पीछे छोड़ने से 25 रन दूर हैं। गिल ने मौजूदा इंग्लैंड दौरे पर गिल ने तीन मैचों में 101.16 के औसत से 607 रन बनाए हैं जिसमें बर्मिंघम टेस्ट की पहली पारी में 269 रन का स्कोर शामिल है। गिल ने पहले दो मैचों में बल्ले से दमदार प्रदर्शन किया था, लेकिन लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में उनका बल्ला खामोश रहा और वह 16 तथा 6 रन की पारी ही खेल सके थे। भारत को लॉर्ड्स टेस्ट में 22 रनों से हार का सामना करना पड़ा था और टीम फिलहाल पांच मैचों की सीरीज में 1-2 से पिछड़ गई है। भारतीय टीम अब आठ दिनों के अंतराल के बाद बुधवार से इंग्लैंड का सामना करने उतरेगी।

भारतीय टीम अब सीरीज में वापसी के लिए बेताब होगी। भारत के लिए हालांकि, मैनचेस्टर की चुनौती आसान नहीं रहने वाली है।

सोंग से ड्रॉ खेलकर हम्पी सेमीफाइनल में

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने रविवार को चीन की अंतरराष्ट्रीय मास्टर यूक्सिन सोंग को

हरिका और दिव्या टाई-ब्रेक में भिड़ेंगी

चित करके फिडे महिला शतरंज विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सफेद मोहरों से पहला गेम जीतने के बाद हम्पी अंतिम चार में पहुंचने से केवल एक ड्रॉ दूर थीं और उन्होंने चीनी खिलाड़ी के खिलाफ दूसरे गेम में कड़े मुकाबले में ड्रॉ के बाद यह उपलब्धि हासिल की। चौथा स्थान पक्का होने के साथ हम्पी को शीर्ष तीन में पहुंचने के दो मौके मिलेंगे जिससे उन्हें अगले महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह भी मिल जाएगी जिसके लिए शीर्ष तीन खिलाड़ी क्वालिफाई करेंगी। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी हरिका और हमवतन अंतरराष्ट्रीय मास्टर दिव्या देशमुख के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा जिसका मतलब है कि दोनों सोमवार को होने वाले टाई-ब्रेक में भिड़ेंगी। ग्रैंडमास्टर आर वैशाली पूर्व विश्व महिला चैंपियन चीन की झोंगयी टैन के खिलाफ हार गईं जबकि उन्होंने पहला गेम ड्रॉ खेला था। टैन के अलावा चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त टिंगजी लेई भी जॉर्जिया की नाना द्जाग्निद्जे को हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गईं।

12 साल बाद चैंपियंस लीग टी-20 की वापसी

आईसीसी से मंजूरी मिली, सितंबर-2026 में आयोजित होगी, 2027 से डब्ल्यूटीसी में लागू होगा 2 टायर सिस्टम

नई दिल्ली। सिंगापुर में चल रही आईसीसी बैठक से एक बड़ी खबर निकलकर आई है. इस समय कई देशों में टी20 लीग खेली जाती हैं. अब एक और टी20 लीग की वापसी होने जा रही है. इस लीग को साल 2014 के बाद बंद कर दिया गया था. लेकिन अब ये फिर से शुरू होने जा रही है. खास बात ये है कि इस लीग में कई देशों की फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेती हैं. इस लीग ने क्रिकेट की दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था और टी20 फॉर्मेट की लोकप्रियता को बढ़ाया था। टी20 क्रिकेट ने पिछले दो दशकों में क्रिकेट की दुनिया को पूरी तरह से बदल दिया है. इसकी तेज रफ्तार, रोमांचक मुकाबले और मनोरंजन ने इसे फैंस का चहेता बना दिया है. अब, टी20 चैंपियंस लीग की भी वापसी होने जा रही है. जिसमें दुनिया भर की टॉप टी20 फ्रेंचाइजी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगले साल सितंबर में टी20 चैंपियंस लीग को फिर से लॉन्च किया जाएगा।

टी20 चैंपियंस लीग का पहला सीजन 2008 में शुरू किया गया था और आखिरी सीजन 2014 में खेला गया था. आखिरी सीजन चेन्नई सुपर किंग्स ने एमएस धोनी की कप्तानी में जीता था. द सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि आईसीसी मीटिंग में सदस्यों के बीच चैंपियंस लीग टी20 की वापसी पर भी चर्चा हुई है. आईसीसी के सदस्य इस टी20 टूर्नामेंट को फिर से शुरू करने पर एकमत थे और रिपोर्ट में कहा गया है कि इसे अगले साल सितंबर में वापस लाने की योजना है। चैंपियंस लीग की वापसी पर खिलाड़ियों के सामने एक बड़ी चुनौती भी होगी. दुनिया के कुछ टॉप टी20 खिलाड़ी हर साल कम से कम दो और अक्सर चार या पांच अलग-अलग फ्रैंचाइजी लीग में भाग लेते हैं. ऐसे में उन्हें तय करना होगा कि टी20 चैंपियंस लीग में वह किस क्लब के लिए खेलेंगे।

क्या है 2 टीयर टेस्ट सिस्टम?

आईसीसी टेस्ट टीमों को 2 डिवीजन में बांटने की तैयारी कर रहा है। एक डिवीजन में भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड जैसी बड़ी टीमें होंगी। आईसीसीका प्लान है कि बड़ी टीमें आपस में ज्यादा सीरीज खेलें। इस स्कीम को मंजूरी मिलती है तो 2027 के बाद इसे लागू किया जाएगा। 2027 तक के शेड्यूल पहले से तय हैं। टेस्ट क्रिकेट में 2 टीयर सिस्टम का कॉन्सेप्ट 2016 में पेश किया गया था। हालांकि, इसे कई देशों के विरोध के कारण मना कर दिया गया था। विरोध करने वाले देशों का तर्क है कि इससे उनकी टीमों को टेस्ट मैच खेलने के मौके कम मिलेंगे। विरोध करने वाले देशों को भारत का सपोर्ट भी मिला था।

आर अश्विन से जलते हैं हरभजन?

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम में आए दिन खिलाड़ियों के बीच मनमुटाव की खबरें आती रहती हैं। इन्हीं में से एक हरभजन सिंह और आर अश्विन का भी जिक्र होता है। कहा जाता है कि, 2011 वर्ल्ड कप के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह के प्रदर्शन में अचानक गिरावट के बाद तमिलनाडु के स्पिनर अश्विन को मौका मिला। अश्विन ने अपने डेब्यू के बाद से लगभग 13 सालों तक टेस्ट क्रिकेट में अपना दबदबा बनाए रखा और 106 टेस्ट मैचों में 537 विकेट झटके। उन्होंने अपने सीनियर ऑफ स्पिनर हरभजन को भी पीछाड़ दिया जिन्होंने अपने 17 साल के करियर में 417 विकेट लिए थे। इन सब के बाद अश्विन- हरभजन के खेलने के दौरान दोनं दिग्गजों के बीच मतभेद की अफवाहें अक्सर फैलती रही थीं। हाल ही में अश्विन और हरभजन के कुट्टी स्टोरिज विद एश पर इस विषय पर बात की। जहां हरभजन सिंह ने अश्विन से सवाल किया कि क्या उन्हें लगता है कि वह उनसे जलते हैं? इस पर अश्विन ने कहा कि आप किसी समय जलते भी रहे होंगे तो ये कोई दिक्कत नहीं है। ये जायज है क्योंकि हम सभी इंसान हैं।

इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए कुट्टी स्टोरीज विद ऐश के आने वाले एपिसोड के एक अंश में अश्विन ने हरभजन सिंह से पूछा कि, ये पूरी जलने वाली बात। इससे पहले कि मैं आपको इसका जवाब दूं मैं कुछ स्पष्ट कर दूं। लोग हर चीज को अपने नजरिए से देखते हैं।

फिक्स्ड डिपॉजिट के अलावा अन्य सुरक्षित निवेश और बेहतर रिटर्न देने वाले विकल्पों पर दे ध्यान

नई दिल्ली। वित्तीय मामलों के जानकार एफडी के फायदे गिनाते हुए बताते हैं कि एफडी को सुरक्षित निवेश माना जाता है, खासकर बैंक और एनबीएफसीज में, जहां आपका पैसा जमा होता है। दरअसल, एफडी में आपको एक निश्चित ब्याज दर मिलती है, जो आपके निवेश पर सुनिश्चित रिटर्न की गारंटी देती है। आमतौर पर हममें से कई सारे लोग सालों-साल मेहनत करते हुए अपने सेविंग अकाउंट में पैसे जोड़ते हैं। जब कुछ पैसे इकट्ठा हो जाते हैं, तो उसकी एफडी (फिक्स डिपॉजिट) करा लेते हैं। ऐसा इसलिए कि भारत में ज्यादातर लोग एफडी को सबसे आसान और सुरक्षित ऑप्शन मानते हैं। लेकिन क्या एफडी वाकई आपके पैसे के लिए सबसे अच्छा ऑप्शन है? सवाल है कि एफडी के क्या नुकसान हैं? आपको अपनी गाढ़ी कमाई की पूरी सेविंग्स एफडी में क्यों नहीं डालनी चाहिए?

दरअसल, एफडी के अलावा दूसरे बेहतर और सुरक्षित इन्वेस्टमेंट विकल्प क्या क्या हैं? एफडी क्या है और यह कैसे काम करता है? जानकार आखिरकार क्यों बताते हैं कि कई बार एफडी कराना घाटे का सौदा हो सकता है, खासकर तब जब आप ज्यादा रिटर्न चाहते हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं कि फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) एक सुरक्षित निवेश विकल्प है, लेकिन यह हमेशा ÷घाटे का सौदा÷ नहीं होता है।

हालांकि, यह भी कड़वा सच है कि सावधि जमा यानी एफडी में अपनी पूरी सेविंग रखने से बेहतर है कि आप कुछ हिस्सा एफडी में और बाकी हिस्सा बेहतर रिटर्न के लिए उपलब्ध अन्य विकल्पों में निवेश करें। इससे सदैव आप मुनाफे में रहेंगे। इसलिए हमलोग पहले बात करते हैं एफडी की,, क्योंकि यह एक ऐसा निवेश विकल्प (इन्वेस्टमेंट ऑप्शन) है जिसमें आप अपना पैसा बैंक में एक तय समय के लिए जमा करते हैं। यह समय 7 दिन से लेकर 10 साल तक हो सकता है। इसके बदले में, बैंक आपको एक तय ब्याज दर पर आकर्षक रिटर्न देता है। उदाहरण के लिए, अगर आप 20,000 रुपए को 1 साल के लिए 6 प्रतिशत ब्याज दर पर स्नष्ठ में डालते हैं, तो एक साल बाद आपको 21,200 रुपए मिलेंगे। जहां तक एफडी के फायदे की बात है तो यह कहना उचित होगा कि इसमें आपके निवेश की ब्याज दर तय होती है, जिससे मार्केट के उतार-चढ़ाव का आपके बहुमूल्य निवेश पर कोई असर नहीं पड़ता है। यही नहीं, भारत में डीआईसीजीसी (DICGC) यानी Deposit Insurance and Credit Guarantee Corporation आपको 5 लाख रुपए तक के डिपॉजिट को इंश्योर करता है, यानी कि यदि बैंक डिफॉल्ट करता है, तो भी 5 लाख रुपए की धनराशि तक आपका पैसा सुरक्षित है। यही वजह है कि वित्तीय मामलों के जानकार एफडी के फायदे गिनाते हुए बताते हैं कि एफडी को सुरक्षित निवेश माना जाता है, खासकर बैंक और एनबीएफसीज में, जहां आपका पैसा जमा होता है। दरअसल, एफडी में आपको एक निश्चित ब्याज दर मिलती है, जो आपके निवेश पर सुनिश्चित रिटर्न की गारंटी देती है। वहीं, एफडी बाजार के उतार-चढ़ाव से अप्रभावित रहता है, जिससे यह एक स्थिर निवेश विकल्प बन जाता है। इसके अलावा, वरिष्ठ नागरिकों को एफडी पर आमतौर पर अधिक ब्याज दरें मिलती हैं। लेकिन वित्तीय दुनिया की हर चीज की तरह एफडी के भी कुछ नुकसान हैं, जिनके बारे में आपको जानना जरूरी है। इसलिए सवाल उठता है कि एफडी के नुकसान क्या क्या हैं? और यह घाटे का सौदा क्यों हो सकता है? तो इसका स्पष्ट जवाब होगा कि एफडी को लेकर कई बार लोग सोचते हैं कि यह सबसे सेफ और बेस्ट ऑप्शन है, लेकिन कुछ कारणों से यह घाटे का सौदा हो सकता है। इसलिए आइए इन नुकसान को विस्तार से समझते हैं। इस तरह के नुकसान की वजह से ही एफडी कई बार आपके पैसे को बढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका नहीं होता है। खासकर अगर आप लॉन्ग-टर्म में ज्यादा रिटर्न चाहते हैं, तो कुछ अन्य विकल्प एफडी से बेहतर साबित हो सकते हैं। इसलिए सवाल उठता है कि क्या अपनी पूरी सेविंग्स एफडी में निवेश करना चाहिए या फिर नहीं? तो जवाब मिलता है कि अपनी पूरी सेविंग्स एफडी में डालना कतई समझदारी वाली बात नहीं है।

बैंक एफडी या गवर्नमेंट बॉन्ड दोनों में क्या अंतर रिटर्न और रिस्क के लिहाज से कौन ज्यादा बेहतर

नई दिल्ली। फिक्स्ड डिपॉजिट या स्नष्ठ एक निवेश साधन है जिसे बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ (हृक्चस्नष्ट) अपने ग्राहकों को प्रदान करती हैं। स्नष्ठ के माध्यम से लोग एक निश्चित अवधि के लिए एक निश्चित राशि को स्नष्ठ में पूर्व निर्धारित ब्याज दर पर निवेश करते हैं।जब हमारी मेहनत की कमाई को निवेश करने की बात आती है तो सुरक्षा हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता होती है। हम चाहते हैं कि हमारे निवेश मूल राशि खोने के जोखिम के बिना लगातार बढ़ते रहें। दो लोकप्रिय निवेश विकल्प जो स्थिरता प्रदान करते हैं वे हैं सावधि जमा (स्नष्ठ) और सरकारी बॉन्ड। यहाँ हम सावधि जमा बनाम सरकारी बॉन्ड का तुलनात्मक विश्लेषण करेंगे ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि कौन सा विकल्प अधिक सुरक्षित है।

देश में लोगों के बीच बैंक एफडी सबसे लोकप्रिय निवेश विकल्प है। क्योंकि इसमें निश्चित रिटर्न और पूंजी सुरक्षा दोनों ही हैं। लेकिन, फिक्स्ड डिपॉजिट के अलावा सरकारी बॉन्ड भी निवेश के लिए बेहतर विकल्प हैं। बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) और सरकारी बॉन्ड दोनों ही कम जोखिम वाले निवेश विकल्प हैं, लेकिन रिटर्न, लिक्विडिटी और जोखिम प्रोफाइल के मामले में दोनों में अंतर है। एफडी आम तौर पर कम यील्ड के साथ गारंटीड और निश्चित रिटर्न देते हैं। दूसरी ओर, सरकारी बॉन्ड कम जोखिम होने के बावजूद संभावित रूप से एफडी की तुलना में अधिक रिटर्न दे सकते हैं।

फिक्स्ड डिपॉजिट क्या है

फिक्स्ड डिपॉजिट या स्नष्ठ एक निवेश साधन है जिसे बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ (हृक्चस्नष्ट) अपने ग्राहकों को प्रदान करती हैं। स्नष्ठ के माध्यम से लोग एक निश्चित अवधि के लिए एक निश्चित राशि को स्नष्ठ में पूर्व निर्धारित ब्याज दर पर निवेश करते हैं। ब्याज दर एक वित्तीय संस्थान से दूसरे में भिन्न होती है, हालाँकि यह आमतौर पर बचत खातों पर दिए जाने वाले ब्याज से अधिक होती है।

फिक्स्ड डिपॉजिट अलग-अलग अवधि के लिए उपलब्ध होते हैं, जो 7-14 दिनों की बहुत कम अवधि से लेकर 10 साल की लंबी अवधि तक होते हैं। फिक्स्ड डिपॉजिट को कभी-कभी टर्म डिपॉजिट के रूप में भी जाना जाता है।

सरकारी बॉन्ड क्या है?

सरकारी बॉन्ड एक ऋण सुरक्षा है जिसे सरकार द्वारा खर्च और दायित्वों का समर्थन करने के लिए जारी किया जाता है। सरकारी बॉन्ड बॉन्डधारकों को समय-समय पर ब्याज भुगतान करते हैं जिन्हें कूपन भुगतान कहा जाता है। राष्ट्रीय सरकारों द्वारा जारी और समर्थित सरकारी बॉन्ड को अक्सर कम जोखिम वाले निवेश माना जाता है। संघीय सरकार द्वारा जारी सरकारी बॉन्ड को सॉवरेन डेट के रूप में भी जाना जाता है।

रूस से तेल खरीद पर यूरोपीय संघ का प्रतिबंध

नई दिल्ली। यूरोपीय संघ (ईयू) ने रूस को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है। इसके तहत ईयू ने रूस से परोक्ष रूप से आने वाले तेल पर नई पाबंदिया लगाई हैं। ऐसे में अब इसका असर भारत पर भी देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट की माने तो यूरोपीय संघ के इस कदम से भारत के पेट्रोलियम उत्पादों के 15 अरब डॉलर के निर्यात पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। यह जानकारी आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने दी है।

बता दें कि ईयू के 27 देशों ने अपने 18वें प्रतिबंध पैकेज के तहत यह फैसला लिया है, जिसमें रूस के ऊर्जा क्षेत्र की आय को कम करने के लिए कड़े कदम उठाए गए हैं। अब यूरोपीय संघ किसी भी तीसरे देश से ऐसे पेट्रोलियम उत्पादों का आयात नहीं करेगा, जो रूसी कच्चे तेल से बने हों। इससे भारत, तुर्की और यूएई जैसे देश प्रभावित होंगे, जो रूस से तेल खरीदकर रिफाइन कर यूरोप को डीजल, पेट्रोल और जेट ईंधन बेचते हैं।

भारत पर कितना होगा असर?

यूरोपीय संघ के इस कदम से भारत पर पड़ने वाले असर की बात करें तो जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने बताया कि भारत के लगभग 5 अरब डॉलर मूल्य के पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर सीधा असर पड़ेगा। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत ने यूरोपीय संघ को 19.2 अरब डॉलर का पेट्रोलियम निर्यात किया था, जो 2024-25 में 27.1त्न गिरकर 15 अरब डॉलर रह गया। जीटीआरआई के अनुसार, भारत ने एफवाई2025 में रूस से 50.3 अरब डॉलर का कच्चा तेल आयात किया, जो कुल तेल आयात (143.1 अरब डॉलर) का एक तिहाई है। श्रीवास्तव ने कहा कि भारत रूस के साथ वैध व्यापार कर रहा है, लेकिन पश्चिमी देशों में इसका राजनीतिक असर बढ़ रहा है। आने वाले समय में भारत को आर्थिक हित और भू-राजनीतिक दबाव के बीच संतुलन बनाना होगा।

घरेलू गैस उपभोक्ताओं को राहत, एक समान रेट पर मिलेगी पाइपलाइन से रसोई गैस

नई दिल्ली। गैस पाइप का उपयोग करने वाले घरेलू उपभोक्ता के लिए राहत की खबर है। कारण है कि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने सभी सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे पाइप से मिलने वाली घरेलू रसोई गैस (पीएनजी) की कीमत हर उपभोक्ता के लिए एक समान रखें, चाहे वह कितना भी गैस इस्तेमाल करे।

बता दें कि सरकार शहरी गैस खुदरा विक्रेताओं को बाजार मूल्य से कम कीमत पर पीएनजी आवंटित करती है, ताकि वे इसे घरों में पाइप्ड प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के रूप में बेच सकें।

इसकी कीमत बाजार से कम होती है। यह सब्सिडी वाली गैस खास तौर पर घरेलू इस्तेमाल के लिए होती है ताकि आम लोगों को सस्ती दर पर रसोई गैस मिल सके। लेकिन जांच में पीएनजीआरबी ने पाया कि कुछ कंपनियां घरेलू उपभोक्ताओं पर टेलिस्कोपिक प्राइसिंग लागू कर रही हैं।

इसके मतलब है कि एक तय सीमा के बाद अगर गैस की खपत बढ़ती है, तो प्रति यूनिट रेट भी बढ़ा दिया जाता है।

कॉमर्शियल उपभोक्ताओं के चलते घरेलू उपभोक्ताओं पर होता है असर हालांकि मामले में रेगुलेटर का कहना है कि यह तरीका गलत है, क्योंकि इससे कुछ कॉमर्शियल उपभोक्ता (जैसे होटल) खुद को घरेलू उपभोक्ता बताकर सस्ती गैस का फायदा उठा सकते हैं। इसके लिए असली घरेलू उपभोक्ताओं को ज्यादा इस्तेमाल करने पर अनावश्यक रूप से ज्यादा बिल देना पड़ रहा है, जबकि कंपनियों को गैस एक ही रेट पर मिल रही है।

घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एक दर पर जोर

पीएनजीआरबी ने कहा कि हर घरेलू उपभोक्ता को गैस एक ही रेट पर दी जाए, चाहे वह कितनी भी गैस क्यों न इस्तेमाल करे। साथ ही सीजीडी कंपनियां खपत के पैटर्न की जांच करें और जिन उपभोक्ताओं की खपत असामान्य रूप से ज्यादा है, उनकी जांच कर उचित कार्रवाई करें। इससे गड़बड़ी और सब्सिडी के गलत इस्तेमाल को रोका जा सकेगा।

एलपीजी में भी होता है ऐसा अंतर गौरतलब है कि जैसे पीएनजी में घरेलू और कॉमर्शियल गैस के रेट अलग हैं, वैसे ही एलपीजी सिलेंडर में भी ऐसा होता है। आम लोग 14.2 किलो का घरेलू सिलेंडर सब्सिडी पर खरीदते हैं। होटल और रेस्टोरेंट जैसे कॉमर्शियल स्थानों के लिए 19 किलो का बाजार रेट वाला सिलेंडर होता है। लेकिन अक्सर इनका गलत इस्तेमाल भी होता है।

मूंगफली तेल तिलहन को छोड़कर बाकी के भाव मजबूती के साथ हुए बंद

नई दिल्ली। खाद्यतेलों, खासकर सोयाबीन और सूरजमुखी तेल जैसे सॉफ्ट (नरम) खाद्यतेलों के कम आयात और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव की वजह से आपूर्ति प्रभावित होने से देश के तेल-तिलहन बाजारों में सोयाबीन तेल के साथ बिनौला तेल कीमतों में सुधार देखने को मिला। दूसरी तरफ विदेशों में डी-आयल्ड केक (डीओसी) की मांग कमजोर रहने से सोयाबीन तिलहन में गिरावट रही। सामान्य कारोबार के बीच सरसों, मूंगफली तेल तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल कीमतें पूर्व-स्तर पर बंद हुई। बाजार सूत्रों ने कहा कि खपत बढ़ने पर पिछले साल की तरह खाद्यतेलों का आयात भी बढ़ना चाहिए था। नवंबर-दिसंबर, 2022 के दौरान 31,11,669 टन (खाद्य एवं अखाद्य) तेलों का आयात हुआ था जो नवंबर-दिसंबर, 2023 में 21 प्रतिशत घटकर 24,72,276 टन रह गया।

नवीनतम पेशकश: बायर के कंज़्यूमर हेल्थ डिविजन का मल्टीविटामिन ब्रांड सुप्राडिन ने पुरुषों के लिए खासतौर पर तैयार किया गया अपना नया प्रोडक्ट सुप्राडिन नेचुरल्स जिनसेंग लॉन्च किया है। श्री संदीप वर्मा क्लस्टर हेड साउथ एशिया बायर कस्टमर हेल्थ ने कहा बायर में हम उपभोक्ताओं की बदलती ज़रूरतों को समझते हैं और ऐसे नए हेल्थ सोल्यूशन्स बनाते हैं जो लोगों को अपनी सेहत की ज़िम्मेदारी खुद लेने में सक्षम बनाते हैं। सुप्राडिन Fatigue Survey 2024 के अनुसार, 73 प्रतिशत पुरुषों को शाम होते-होते थकान महसूस होती है और हर 3 में से 2 पुरुषों को याददाश्त या चीजें याद रखने में परेशानी होती है। भारत के नंबर 1 मल्टीविटामिन ब्रांड सुप्राडिन ने आज के मॉडर्न भारतीय पुरुषों की एनर्जी, स्टैमिना और फोकस बढ़ाने के लिए यह खास नया फॉर्मूला पेश किया है। बायर की साइंटिफिक विशेषज्ञता से तैयार इस फॉर्मूले में जिनसेंग, ग्रेपसीड एक्सट्रैक्ट, 12 विटामिन्स और 5 मिनरल्स शामिल हैं। यह वेजिटेरियन और शुगर-फ्री है, और इसमें पहले के फॉर्मूले की तुलना में 30 प्रतिशत ज्यादा एक्टिव जिनसेंग और ग्रेपसीड एक्सट्रैक्ट है, जो 10 गुना ज्यादा एंटीऑक्सीडेंट एक्शन देता है, जो बेहतर एनर्जी, स्टैमिना और फोकस के लिए मदद करता है।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला में 262 मरीजों का हुआ उपचार

हलिया (मिर्ज़ापुर)। उच्चीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया सहित नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में कुल 262मरीजों का चिकित्सक द्वारा उपचार कर निःशुल्क दवा वितिरत किया गया है। उच्चीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया पर आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला डॉक्टर विवेक खरे कि देखरेख में 66मरीजों का उपचार किया गया। इसी प्रकार नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मतवार में मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का आयोजन चिकित्सक कामेश्वर तिवारी के देखरेख में 43मरीजों का उपचार किया गया। इसी प्रकार नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ड्रमण्डगंज में आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का आयोजन डॉक्टर बालकृष्ण मिश्रा के देखरेख में 53मरीजों का उपचार किया गया। इसी प्रकार नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरौधा में आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का डॉक्टर रविराज के देखरेख में 51मरीजों का उपचार कर दवा वितिरत किया गया है। नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मुड़पेली पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला चिकित्सक मनीष कुमार कि देखरेख में 39मरीजों का उपचार कर दवा वितरण किया गया। नया इस संबंध में प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉक्टर अवधेश कुमार ने बताया की उच्चीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया सहित नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मतवार, ड्रमण्डगंज, बरौधा मुड़पेली में आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला में कुल 262 मरीजों का उपचार कर निःशुल्क दवा वितिरत किया गया है। इस दौरान चिकित्सक डॉक्टर निर्मल, फार्मासिस्ट अजय कुशवाहा, मनोज कुमार,सुभाष पटेल किशोर कुमार,राकेश पटेल, अरविन्द कुमार, स्टॉफनर्स माया आदि मौजूद रहें।

प्राथमिक विद्यालय के बगल बस्ती तालाब में मगरमच्छ को देखकर ग्रामीणों में दहशत

हलिया (मिर्ज़ापुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के मवई खुर्द गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय के बगल बस्ती के समीप तालाब मे रविवार को एक मगरमच्छ को देखकर ग्रामीणों ने पीआरवी 112 व वन विभाग कि टीम को सूचना दिया। मौके पर पहुँचे पीआरवी के कर्मी व वन विभाग के वन दरोगा सत्री सिंह वन्यजीव रक्षक अंकुर शुक्ला ने मगरमच्छ को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन मगरमच्छ तालाब के पानी में होने से टीम मगरमच्छ को पकड़ने में सफ्ल नहीं हो पाई और बैरंग वापस लौट आई है। वन विभाग के वन दरोगा सत्री सिंह ने ग्रामीणों को सतर्क किया है कि तालाब कि तरफमवेशी लेकर ना जाय अन्यथा मगरमच्छ हिंसक हो सकता है। अगर मगरमच्छ तालाब के बाहर निकले तो तत्काल वन विभाग को सूचना दे जिससे मगरमच्छ को पकडकर ददरी जलाशय में छोड़ा जा सके वंही तालाब में बस्ती के समीप मगरमच्छ के होने से बस्ती के ग्रामीण दहशत में है। तालाब कि तरफ जाने वाले मवेशियों को मगरमच्छ पकड़ रहा है। इस संबंध में रेंजर हलिया अवध नारायण मिश्र ने बताया कि मवई खुर्द प्राथमिक विद्यालय के बगल में स्थित बस्ती के समीप के तालाब में मगरमच्छ के होने कि सूचना मिलने पर वन दरोगा को टीम के साथ मौके पर भेजा गया था लेकिन मगरमच्छ के तालाब में होने से टीम मगरमच्छ को पकड़ने में सफ्ल नहीं हो पाई है। ग्रामीणों को सतर्क किया गया है कि तालाब कि तरफमवेशी को लेकर ना जाये अगर मगरमच्छ तालाब के बाहर आता है तो सूचना दे मगरमच्छ को पकडकर ददरी जलाशय में छोड़ा जायेगा।

समय पर इलाज की जगह झाड़ फूंक पर जताया भरोसा, कुत्ता के काटने से 18 वर्षीय युवक की मौत

स्वतन्त्र भारत गाज़ीपुर। मरदह थाना क्षेत्र के रायपुर बाघपुर गांव के रहने वाले 18 वर्षीय सोनू राजभर की कुत्ता काटने से उपजी बीमारी के कारण बीती देर रात मौत हो गई। परिवार ने बिना पोस्टमार्टम के शव का अंतिम संस्कार कर दिया। सोनू दिल्ली में मजदूरी करता था। दो माह महीने पहले दिल्ली में एक कुत्ते के बच्चे ने उसे काट लिया था।लेकिन उसने वहां कोई इलाज नहीं कराया। गांव लौटकर उसने एक नीम हकीम से झाड़-फूंक कराया।उसी से ली दवा खाता रहा जिसका उसकी सेहत पर सकारात्मक असर नही हुआ। इसके कुछ दिन बाद वह फिर से दिल्ली चला गया। एक सप्ताह पहले अचानक बुखार और तबीयत बिगड़ने पर वह घर लौटा। स्थानीय डॉक्टरों को दिखाने के बाद भी हालत में सुधार नहीं हुआ। परिजन उसे वाराणसी के वाराणसी के बीएचयू ले गए। जहां डॉक्टरों ने जवाब दे दिया। घर लौटने के बाद बीती रात उसकी हालत और बिगड़ गई।जिससे उसकी मृत्यु हो गई। सोनू के पिता नंदू राजभर के छह बच्चों में चार बेटियां और दो बेटे हैं। सोनू चौथे नंबर पर था। उसकी दो छोटी बहनें अविवाहित हैं। हाईस्कूल की पढ़ाई के बाद वह दिल्ली में मजदूरी कर परिवार की आर्थिक मदद करता था। उसकी मृत्यु से मां धुनिया देवी और परिवार का रो रोकर बुरा हाल है। गांव में मातम का माहौल है सैकड़ों ग्रामीण मौके पर जुटे रहे। गांव में रैबिज से हुई मौत के बाद गांव के कुछ लोग कुत्ता काटने पर डॉक्टरी सलाह लेने के साथ ही सही समय पर रैबीज का टीका लगाने की चर्चा करते हुए पाए गए।

शिक्षक एमएलसी चुनाव के लिए सपा ने कसी कमर

मिर्जापुर। सपा कार्यालय लोहिया ट्रस्ट पर रविवार को विधान परिषद शिक्षक क्षेत्र के चुनाव के संबंध में शिक्षक सभा एवं वित्तविहिन शिक्षक संघ की संयुक्त पदाधिकारियों की बैठक सपा जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी की अध्यक्षता में हुई। इस अवसर पर विधान परिषद नेता प्रतिपक्षलाल बिहारी यादव ने कहा कि शिक्षकों का सम्मान हमेशा सपासरकार में हुआ। सपाके राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की सरकार ने वित्त विहीन शिक्षकों को मानदेय देने का ऐतिहासिक फैसला लेकर लाखों शिक्षकों के भविष्य बनाने का काम किया था। हम शिक्षकों की समस्याओं के लिए हमेशा संघर्ष करेंगे। सपा जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने भाजपा पर झूठ बोलकर वोट लेने का आरोप लगाया। शिक्षक सभा के जिलाध्यक्ष डॉ0 रतन सिंह पटेल एवं वित्तविहिन शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष विजय कुमार सिंह ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि शिक्षकों के चुनाव को देखते हुये फार्म भरवाने का काम करें। बैठक में भोलानाथ यादव, आदर्श यादव, आदर्श श्रीवास्तव, अजय यादव, अजय पटेल, ललित यादव, दिनेश पाण्डेय, संजय सिंह, रमेश पटेल, विनय सिंह, रमेश यादव आदि सैकड़ो शिक्षक मौजूद रहें।

पशु पालक के 32 भेड़ों को उठा ले गए चोर, पीड़ित ने थाने में दिया तहरीर

हलिया (मिर्ज़ापुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के खम्हरिया कला से शनिवार कि रात्रि में पशु पालक के 32 भेड़ो को कोई चोर चुरा ले गया। पशु पालक कि नींद खोलने पर भेड़ो को नहीं देखकर पशु पालक ने भेड़ो का खोजबीन किया लेकिन भेड़ नहीं मिलने पर पशु पालक ने थाने पर पहुंचकर तहरीर देकर कार्रवाई कि मांग किया है। वहीं पुलिस मामले कि जांच पड़ताल करने में जुट गई है। थाना क्षेत्र के खम्हरिया कला गांव निवासी बसीरुद्दीन ने रविवार को थाने में तहरीर देकर बताया है कि भेड़ बीच गांव में रहती है कि शनिवार कि रात में मेरी 32 भेड़ चोरी हो गई रात में जानकारी होने पर खोजबीन करते रहे पता नहीं चलने पर सूचना दे रहा हूँ। पीड़ित पशु पालक ने बताया कि 300 भेड़ो के बीच से 32 भेड़ कोई चुरा ले गया। जानकारी होने पर खोजबीन किया लेकिन भेड़ का कोई बता नहीं चलने पर थाने में तहरीर दिया है।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र सिंह ने बताया कि सूचना मिली है मामले कि जांच पड़ताल किया जा रहा है।

पिकअप और बाइक की टक्कर में युवक की मौत

स्वतन्त्र भारत गाजीपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के डेढगावां चट्टी के? पास ताड़ीघाट- बारा नेशनल हाईवे 124 सी पर शनिवार की देर शाम को पिकअप और बाइक सवारों की टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। जबकि दूसरा घायल? हो गया। रेवतीपुर थाना क्षेत्र के लखमीपुर निवासी बब्बन यादव(30)वर्ष एवं शिवम यादव (28) बाइक गांव जा रहे थे। इसी दौरान गैस एजेंसी के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार पिकअप ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक बब्बन यादव की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि शिवम यादव गंम्भीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जबकि घायल को एम्बुलेंस से रेवतीपुर सीएचसी भेजा। चिकित्सकों ने मेडिकल अस्पताल रेफर कर दिया। घायल शिवम की हालात गंम्भीर बनी हुई है। थानाध्यक्ष रमेश कुमार पटेल ने बताया कि हादसे में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घायल को इलाज के लिए मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गंगा नदी के बाढ़ व कटान की जद में आया अंत्येष्टि स्थल

चुनार (मिर्जापुर)। क्षेत्र के ग्राम सभा आराजी लाइन सुल्तानपुर में एक दशक पूर्व बना अंत्येष्टि स्थल

एक दशक पूर्व बना था अंत्येष्टि स्थल

गंगा कि बाढ़ में बह गया। जानकारी के अनुसार सीखड़ विकास खंड क्षेत्र के आराजी लाइन सुल्तानपुर में लगभग एक दशक पूर्व निर्मित अंत्येष्टि स्थल रविवार सुबह गंगा नदी के तेज बहाव और कटान की भेंट चढ़ गया। उक्त अंत्येष्टि स्थल का निर्माण 2015-16 में तत्कालीन ग्राम प्रधान अजय सोनकर द्वारा कराया गया था।सुबह करीब 6 बजे गंगा नदी में कटान के चलते एक पिलर पानी में बह गया और अन्त्येष्टि स्थल के चारों तरफपानी हो जाने से उसके कुछ हिस्से कट कर नदी समा गए। पूर्व प्रधान अजय सोनकर ने बताया कि इस वर्ष कटान की स्थिति पहले की तुलना में कहीं अधिक है।घटना की सूचना मिलते ही ग्राम पंचायत सचिव मुकेश मिश्रा मौके पर पहुंचे और पूरी स्थिति से उच्चाधिकारियों को अवगत कराया। अंत्येष्टि स्थल पर लगा कुछ टिन शेड पानी में बह गया।

बिजली के प्रवाहित करंट की चपेट में आने से बालक की मौत

हलिया (मिर्जापुर)। थाना क्षेत्र के मवई कला गाँव में रविवार को सुबह 9 बजे घर से दुकान पर सामान लेकर वापसआ रहे बालक की बिजली के पोल में लगे स्टे में प्रवाहित करंट की चपेट में आने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई। रास्ते सेगुजर रहे लोगों ने बालक को गिरा हुआ देखकर परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजन बांस बल्ली के सहारे बिजली के तार से दूर किया और आनन फानन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए। जहां चिकित्सक ने देखते ही मृतघोषित कर दिया।

थाना क्षेत्र के मवई कला गाँव निवासी सभाजीत का बेटा सुंदरम 9 वर्ष घर से चौराहे पर दुकान पर सामान लेने गया था। सामान लेकर वापस आते समय घर से 200 मीटर दूर स्थित बिजली के पोल के स्टे केबिल में प्रवाहित बिजली करेंट की चपेट में आ गया। जिससे बालक ने घटनास्थल पर ही तड़प तड़प कर दम तोड़ दिया।हादसे के कुछ देर बाद बाइक से गुजर रहे गांव निवासी सूर्यमनि व वीरेंद्र सिंह ने बच्चे को जमीन पर गिरा पड़ा देख परिजनों को सूचना दी। साथ ही बांस के सहारे बिजली के करंट से बच्चे को दूर करते हुए परिजनों के साथ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आए। जहां देखते ही चिकित्सक ने बालक को मृत घोषित कर दिया।

सूचना पर पहुंची पुलिस कार्रवाई में जुट गई है।

बिजली विभाग की लापरवाही के कारण बालक की मौत के बाद लोगों ने बिजली विभाग के एसडीओ से स्टे के तारको सुरक्षित करवाने को कहा है।

मृतक गाँव मवई कला प्राथमिक विद्यालय में कक्षा तीन का छात्र था। दो भाई एक बहन मेंसबसे छोटा था। मांता रन्नो देवी का रो-रो कर बुरा हाल है।

थानाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह ने बताया कि बिजली के करेंट से बालक की मौत हो गई है। पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

होनहार खिलाड़ी का स्टेट बॉक्सिंग चैम्पियनशिप के लिए चयन

स्वतंत्र भारत दिलदारनगर (गाजीपुर)। क्षेत्र के फतेहपुर गांव की होनहार बॉक्सर परीधि सैनी का चयन स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप के लिए हुआ है। जो 21 से 23 जुलाई तक मथुरा में आयोजित की जाएगी। परीधि मास्क एकेडमी व एसकेबीएम इंटर कॉलेज में नियमित रूप से अभ्यास करती हैं और उ कठिन परिश्रम और समर्पण से यह मुकाम हासिल की है। कोच अब्दुल सलाम ने परीधि की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि परीधि ने हमेशा अनुशासन और लगन के साथ अभ्यास किया है और यही उनकी सफलता की कुंजी है। स्थानीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया है और अब राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने को तैयार है।

बनीडीह गांव के पंद्रह भूमिहीन वनवासियों को जिलाधिकारी की सौगात

रामपुर जौनपुर। विकास खंड के बनीडीह गांव में जिलाधिकारी ने लगाया जनचौपाल, जिसमे जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुनते हुए विभागीय अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश। जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र ने बताया कि मड़ियाहूं तहसील में कल संपूर्ण समाधान दिवस पर मुसहर जाती के समस्याएं सामने आई थी जिसका धरातल पर वास्तविक परीक्षण कराते हुए उनको सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित कराने के लिए जन चौपाल लगाया गया। जिसमे आज 15 भूमिहीन बनवासियों को आवासीय पट्टा जिलाधिकारी ने दिया। वही इस जनचौपाल में संपूर्ण अधिकारियों की मौजूदगी में समस्याओं का निस्तारण किया गया है। वही जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी में गर्भवती महिला का गोदभराई व 6 माह के बच्चे का अन्यप्रासय अपने हाथों से कराया। उपस्थित रहे मड़ियाहूं उपजिलाधिकारी सुनील कुमार , नायब तहसीलदार संदीप सिंह ,खंड विकास अधिकारी अभिनव सरोज , , बनीडीह प्रधान कुसुम देवी ,पत्नी स्वर्गीय बागेश मिश्रा उर्फ सरपंच, रमेश चंद्र मिश्रा सुरक्षा के मद्देनजर नजर रामपुर प्रभारी निरीक्षक देवानंद।

बारिश में गिरे कच्चे मकानों का एसडीएम ने किया निरीक्षण

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। बीते 17 व 18 जुलाई को हुई भारी बारिश के कारण क्षेत्र के लहुरियादह गांव में पांच कच्चे मकानों के गिरने व पानी के दबाव के कारण टकटकइया बंधी के टूटने की सूचना मिलने के बाद शनिवार की शाम एसडीएम लालगंज संजीव कुमार यादव ने मौके का निरीक्षण किया। बारिश के कारण लहुरियादह निवासी राजू यादव, रामजस यादव, बंशमणि यादव, लालबहादुर तथा बऊ धरिकार का कच्चा मकान गिर गया था। जिसकी सूचना ग्राम प्रधान कौशलेन्द्र गुप्ता ने तहसील प्रशासन को दी थी। निरीक्षण के बाद एसडीएम ने पीड़ित लोगों को हर संभव सरकारी सहायता दिलाने का आश्वासन दिया है।

पुलिस ने आईटी एक्ट के आरोपित को गिरफ्तार कर भेजा जेल

हलिया (मिर्ज़ापुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के हलिया तिराहा से रविवार को आईटी एक्ट के आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र सिंह मय हमराह के साथ आईटी एक्ट के आरोपित मड़ीहान थाना क्षेत्र के दारा नगर निवासी शिवम तिवारी को हलिया तिराहा से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपित कही भागने के लिए किसी वाहन का इंतजार कर रहा था कि मुखबिर कि सूचना पर प्रभारी निरीक्षक ने गिरफ्तार किया है। घटना के संबंध में मवई खुर्द गांव निवासी राजेंद्र सिंह ने तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था कि बीते 25 जून को हलिया बाजार में गृहस्थी का सामान लेने के लिए आया था कि भीड़ भाड़ वाले स्थान पर किसी ने मोबाइल फ़ेन चुरा लिया था और मोबाइल फोन से बीस हजार रूपये भी निकाल लिया था। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपित कि तलाश शुरू कर दिया था। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र सिंह ने बताया कि आईटी एक्ट के आरोपित को हलिया तिराहा से मुखबिर कि सूचना पर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। आरोपित कही भागने के फ़िराक में वाहन का इंतजार कर रहा था।

नीलगाय के आतंक से ग्रामीण परेशान, आए दिन हो रहे हमलावर

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। क्षेत्र के गलरा गांव में कई महीने से गांव में डेरा जमाएं दो नीलगायों के आतंक से ग्रामीण परेशान हैं। नील गाय जहां फसलों को नष्ट कर रहे हैं वहीं अब ग्रामीणों पर भी हमला करने लगे हैं। गलरा गांव निवासी गुलाब तिवारी, ब्रह्मानंद मिश्र, आशुतोष तिवारी ने बताया कि दो नील गायों ने फरवरी माह से ही नदी किनारे और बगीचे में अपना डेरा जमा दिया है।

पहले नील गाय बस्ती में नही आते थे लेकिन अब दोनों नील गाय आए दिन बस्ती में आ जा रहे हैं और ग्रामीणों पर हमला करने लगे हैं। गांव निवासी योगेन्द्र तिवारी ने बताया कि शनिवार सुबह खेत पर जाते समय नील गाय चचेरे भाई सुरेन्द्र पर हमला करने के लिए दौड़ा लिया किसी तरह से दौड़कर जान बचाई। दोनों नील गाय के बस्ती में आने से खतरा पैदा हो गया है। ग्रामीणों ने नीलगायों को पकड़कर जंगल में छोड़ने के लिए वनविभाग से मांग की है इस संबंध में रेंजर ड्रमंडगंज वीरेंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि ग्रामीणों ने बस्ती में नील गायों के आने की सूचना दी है। ग्रामीणों को पटाखा फोड़ने के लिए कहा गया है जिससे नीलगाय बस्ती से दूर चले जाएं। ग्रामीणों को नील गायों से सावधानी बरतने के लिए कहा गया है।

तकनीकी खेती से समृद्ध होंगे किसान : जिलाधिकारी

जौनपुर। सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन ÷आत्मा÷ योजना अंतर्गत गठित अधिशासी समिति की बैठक जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में शनिवार देर सायं कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद कृषि प्रधान जनपद है, कृषि के क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं बस जरूरत है कि सभी संस्थाएं मिलकर काम करें तो कृषि के क्षेत्र में जरूर समृद्धि आएगी, परंपरागत खेती से हटकर तकनीकी खेती करने पर किसानों में खुशहाली आएगी, प्रशिक्षण, प्रदर्शन और जागरूकता से किसानों के हालात बदलेंगे। वर्तमान वित्तीय वर्ष में जिला कृषि कार्य योजना में 6.78 करोड रुपए खर्च पर किसानों की मदद की जाएगी, उन्होंने कृषि तकनीकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा), राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन (एनएफएसएनएम) और उत्तर प्रदेश श्री अन्न (मिलेट्स) पुनरोद्धार कार्यक्रम की वर्ष 2025 - 26 के लिए जिला कार्य योजनाओं को अनुमोदन प्रदान किया। ष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन के तहत 4.26 करोड रुपए की धनराशि व्यय होगी। उप कृषि निदेशक को निर्देशित किया कि कृषकों को अच्छी संस्थानों में प्रशिक्षण एवं भ्रमण कराकर उनकी क्षमता विकास कराए ताकि नई तकनीकी से खेती करके अपनी आमदनी बढ़ा सके।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का तहसीलदार ने किया निरीक्षण

स्वतन्त्र भारत जमानिया (गाजीपुर)। स्थानीय क्षेत्र में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर ने बाढ़ की स्थिति उत्पन्न कर दी है। इसी क्रम में रविवार को तहसीलदार ने बाढ़ प्रभावित सबलपुर कला क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि क्षेत्र में करीब 5000 मवेशी बाढ़ के पानी से घिर गए हैं। तहसीलदार रामनारायण वर्मा ने बताया कि पिछले तीन दिनों में लगभग 200 मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है, और शेष मवेशियों को भी शीघ्र ही वहां से निकालने की कार्रवाई तेजी से चल रही है। प्रशासन ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि यदि उनका क्षेत्र बाढ़ से प्रभावित हो रहा हो, तो वे घबराएं नहीं और सहयोग करें। प्रशासन उन्हें और उनके मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। बाढ़ की गंभीरता को देखते हुए संबंधित विभागों को भी अलर्ट कर दिया गया है और राहत कार्यों में तेजी लाई जा रही है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें।

मंदिर के संस्थापक सदस्य के निधन से क्षेत्र में शोक

स्वतंत्र भारत मऊ। मोहम्मदाबाद गोहना बाजार स्थित श्री हनुमान मंदिर के संस्थापक सदस्य एवं सेवानिवृत्त अवर अभियंता परदेशी राजभर 68 वर्ष का शनिवार को आज़मगढ़ राजकीय मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान निधन हो गया। राजभर गैर पारंपरिक ऊर्जा विभाग से सेवानिवृत्त हुए थे। श्री राजभर ने हनुमान मंदिर दुर्गा पूजा समिति एवम नवयुवक मंगल दल की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है।

1942 के आंदोलन ने देश की चेतना को एक नई दिशा दी : मणि प्रसाद मिश्र

मीरजापुर। लालगंज उपरौध अधिवक्ता समिति की ओर से रविवार को आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि कानून, न्याय और नैतिक मूल्यों के समन्वय से ही समाज का संतुलित विकास संभव है। गोष्ठी में बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुए प्रदेश के पूर्व सचिव एवं पूर्व आईएएस अधिकारी मणि प्रसाद मिश्र ने कहा कि 1942 के आंदोलन ने देश की चेतना को एक नई दिशा दी।

उस कालखंड का वातावरण आज भी हमारी सोच पर प्रभाव डालता है। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई मूल्यों और आदर्शों के आधार पर लड़ी गई। अब ज़रूरत है कि नई पीढ़ी उन्हें आत्मसात करे। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानी शिवमूर्ति दुबे को स्मरण करते हुए कहा कि गांव के विद्यालयों से निकली प्रतिभाएं ही समाज और राष्ट्र को दिशा देती हैं। प्रयागराज के समाजसेवी गौरव करवरिया ने कहा कि जो समाज अपने आदर्शों को थामे रखता है। वही प्रगति करता है। प्रदेश युवक कांग्रेस अध्यक्ष विशाल सिंह ने कहा कि कानून से समाज को न्याय, ऊर्जा और विकास की दिशा मिलती है। कोरांव के पूर्व प्रमुख गायत्री प्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि न्याय प्रक्रिया विकास की आधारशिला है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशिभूषण ने अधिवक्ता समाज को पीड़ितों की आवाज बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृष्णकांत दुबे ने की और संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता चंद्रदत्त त्रिपाठी ने किया। आभार अधिवक्ता समिति के पूर्व अध्यक्ष अरुण तिवारी ने व्यक्त किया।

पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस समाचारपत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जांच-पड़ताल कर लें। समाचारपत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार भी नहीं होंगे।

स्वतंत्र भारत
एग्रो फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्टमेन्ट्स प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अतुल शुक्ला** द्वारा 1, जॉपलिंग रोड, लखनऊ-226001 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक : के.के. श्रीवास्तव
स्थानीय संपादक : विष्णु मोहन*
फोन : 0522-4043151
swatantrabharat77@gmail.com
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी।
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष ने बताया विकसित भारत का रोडमैप

दोहरी रणनीति की बदौलत प्रगति कर रहा देश

संयुक्त राष्ट्र। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने संयुक्त राष्ट्र में विकसित भारत का रोडमैप बताया। उन्होंने बताया कि भारत ने विभिन्न सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में प्रगति की है। यह मजबूत सुरक्षा जाल और विकास को बढ़ावा देने वाले सुधारों की दोहरी रणनीति की बदौलत संभव हुआ है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन द्वारा नीति आयोग के सहयोग से सतत विकास पर उच्च स्तरीय राजनीतिक फोरम (एचएलपीएफ) में एसडीजी : एजेंडा 2030 के लिए गति बनाए रखना विषयक कार्यक्रम में सुमन बेरी ने कहा कि 2013-14 और 2022-23 के बीच के 240 मिलियन भारतीय गरीबी से बाहर निकल आए और 2015 के बाद से सामाजिक सुरक्षा कवरेज दोगुने से भी अधिक हो गया है।

उन्होंने कहा कि भारत सतत विकास लक्ष्यों के तहत वर्ष 2030 से पहले मातृ, शिशु और शिशु मृत्यु दर के स्वास्थ्य लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में काम कर रहा है। भारत की प्रगति दोहरी रणनीति से संभव हुई है। इससे भारत आज सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है। नीति आयोग के उपाध्यक्ष ने कहा कि भारत ने अपनी ऊर्जा परिवर्तन यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है तथा हमने अपनी स्थापित विद्युत क्षमता का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से प्राप्त किया है। इससे पता चलता है कि भारत ने अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए एक वितरण तंत्र स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विकास एक राजनीतिक कार्य है और हम सतत विकास लक्ष्यों के बौद्धिक और संकेतक ढांचे पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत के समावेशी विकास के एजेंडे और 2015 में विश्व द्वारा एक साथ मिलकर अपनाए गए एजेंडे का सुखद संगम है, जब हम सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) और पेरिस जलवायु समझौते दोनों पर एकमत थे।

उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में टीटीपी के पांच आतंकी ढेर

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शनिवार को सुरक्षा बलों ने अभियान चलाया। इस दौरान सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के कम से कम पांच आतंकवादियों को मार गिराया जबकि आठ को जिंदा

आठ आतंकियों को जिंदा पकड़ा

पकड़ लिया गया। पुलिस के अनुसार, अभियान के दौरान दो आतंकी घायल भी हो गए। तहसील दरगई के सहायक आयुक्त वहीदुल्लाह खान के मुताबिक, यह अभियान मलकंद जिले के मेहरदाय इलाके में चलाया गया। अभियान पुलिस और आतंकवाद निरोधी विभाग (सीडीटी) ने मिलकर चलाया। इसके अलावा, पुलिस ने बताया कि शनिवार सुबह प्रांत के हांगू जिले में

एक और अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान हुई गोलीबारी में नौ आतंकवादी मारे गए और तीन सुरक्षा अधिकारी घायल हो गए।

एक साल में बढ़ीं आतंकवाद की घटनाएं

पिछले एक साल में पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकवाद की घटनाएं बढ़ी हैं। ये घटनाएं ऐसे समय में हुई हैं जब प्रतिबंधित टीटीपी ने नवंबर 2022 में सरकार के साथ संघर्ष विराम समाप्त कर दिया था। वैश्विक आतंकवाद सूचकांक 2025 के अनुसार, पाकिस्तान दूसरे नंबर पर है, जहां आतंकी हमलों में मरने वालों की संख्या पिछले साल की तुलना में 45 फीसदी बढ़ गई है, और 1,081 पहुंच गई है। खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवाद से संबंधित घटनाओं में वृद्धि देखी गई है।

इजरायल में सड़कों पर उतरी भीड़

तेल अवीव। इजरायल-हमास के बीच गाजा में करीब डेढ़ साल से चल रहे युद्ध को रोकने की मांग उठ रही है। समझौते की मांग को लेकर इजरायल की

जनता सड़कों पर उतर आई है। लोगों ने युद्ध विराम को लेकर समझौता

गाजा से बंधकों की वापसी की मांग

करने की मांग की। लोगों ने कहा कि युद्ध समाप्त किया जाए और गाजा में बंद सभी 50 जीवित और मृत बंदियों को वापस लाया जा सके। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को समझौते कराने के लिए हस्तक्षेप करना चाहिए। प्रदर्शनकारी हाथों में बैनर लिए हुए थे, जिस पर लिखा था कि ट्रंप को बड़ा समझौता कराना चाहिए। इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका लगातार प्रयास कर रहा है कि गाजा में संघर्ष को खत्म करने के लिए सभी संबंधित पक्षों को एक टेबल पर लाया जा सके। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो यह संघर्ष और जटिल हो सकता है और इसका असर पूरे पश्चिम एशिया पर पड़ेगा। अमेरिका यह भी सुनिश्चित करना चाहता है कि गाजा में मानवीय संकट न बढ़े।

वियतनाम में डूबा जहाज, 37 की मौत

हनोई। उत्तरी वियतनाम की हा लॉन्ग खाड़ी में एक यात्री जहाज के डूबने से 37 लोगों की जान चली गई। यह जानकारी वियतनाम की सरकारी समाचार एजेंसी ने रविवार को साझा की। दुर्घटनाग्रस्त जहाज के अवशेषों को रविवार तड़के जांच के लिए तट पर लाया गया। हादसे के समय नौका पर 48 वियतनामी पर्यटक और चालक दल के पांच सदस्य सवार थे। बचाव कार्यों में 10 पर्यटकों को सुरक्षित निकाल लिया गया। वियतनाम के उप-प्रधानमंत्री ट्रान होंग हा के आदेश पर क्वांग निन्ह प्रांत प्रशासन ने बचाव कार्यों के लिए चार बड़े जहाजों और मुख्य बचाव बल को तैनात किया। स्थानीय मीडिया वीएनएक्सप्रेस के अनुसार, तूफान विफा के क्षेत्र की ओर बढ़ने के कारण बचाव दल अब लापता लोगों की तलाश में जुटा है।

ईरान की सबसे बड़ी ऑइल रिफाइनरी में लगी भीषण आग

तेहरान। ईरान की सबसे बड़ी अबादान ऑइल रिफाइनरी में रविवार को भीषण आग लग गई। कई घंटों

जानें मुस्लिम देश को कितना नुकसान

की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। ईरान की मीडिया के मुताबिक इस हादसे में कम से कम एक कर्मचारी की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हो गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक आग से रिफाइनरी के ऑपरेशन में रुकावट नहीं आई है। आग लगने की वजह से कई कर्मचारी घायल भी हुए हैं। रिफाइनरी की एक यूनिट में आग लगी थी, इसलिए नुकसान ज्यादा नहीं हुआ है। हालांकि यूनिट जलकर खाक हो गई है।

अबादान ऑइल रिफाइनरी ईरान की सबसे बड़ी और सबसे पुरानी ऑइल रिफाइनरी है। अबादान ऑइल रिफाइनरी राजधानी तेहरान से करीब 670 किलोमीटर की दूरी पर है। इसकी शुरुआत 1912 में हुई थी। इस्लामिक रिपब्लिक की यह सबसे बड़ी रिफाइनरी हर दिन करीब 52 लाख बैरल तेल रिफाइन करती है जो कि देश के कुल तेल उत्पादन का 25 फीसदी है।

गुजरात : एक ही परिवार के पांच लोगों ने की आत्महत्या

अहमदाबाद। अहमदाबाद के ग्रामीण इलाके बगोदरा में एक ही परिवार के पांच सदस्यों द्वारा सामूहिक आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, बगोदरा में एक दंपति ने अपने एक बेटे, दो बेटियों के साथ सामूहिक आत्महत्या कर ली। बागोदरा पुलिस ने पूरी घटना की गहन जांच शुरू कर दी है। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मृतक परिवार मूल रूप से धोलका का रहने वाला था और बगोदरा गांव में किराए के मकान में रह रहा था। परिवार में पति-पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा था। अहमदाबाद ग्रामीण के एसपी ने बताया कि परिवार के पांच सदस्यों ने जहरीला तरल पदार्थ पीकर सामूहिक आत्महत्या की है। आत्महत्या का कारण अज्ञात है।

एक नज़र

रूस में घंटेभर के भीतर 5 बार हिली धरती, सुनामी की चेतावनी

मॉस्को। रूस के सुदूर पूर्वी इलाके कामचाटका में रविवार को महज़ एक घंटे के अंदर धरती पांच बार कांपी। इन भूकंपों की तीव्रता 6.6 से 7.4 के बीच रही। सबसे बड़ा झटका 7.4 तीव्रता का था, जिसके बाद अमेरिका और रूस के तटीय इलाकों के लिए सुनामी का अलर्ट जारी किया गया है। लोगों को ऊंचाई वाले इलाकों में जाने की सलाह दी गई है। सभी भूकंपों का केंद्र पेत्रोपावलोव्स्क-कामचात्स्की शहर के पूर्व में था और इनकी गहराई केवल 10 किलोमीटर रही, जिससे झटकों का असर ज़मीन पर काफी ज्यादा महसूस हुआ। भूकंप से किसी प्रकार के जाल-माल के नुकसान की खबर नहीं है, लेकिन प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण विभाग ने बताया कि 7.4 तीव्रता वाले भूकंप के बाद समुद्र में खतरनाक लहरें उठने की आशंका है। अलर्ट के मुताबिक, भूकंप के केंद्र से 300 किलोमीटर के दायरे में सुनामी लहरें आ सकती हैं। हवाई और रूस के तटीय इलाकों को सतर्क रहने के लिए कहा गया है।

उड़ते हुए विमान के इंजन में लगी आग, इमरजेंसी लैंडिंग

लॉस एंजिलिस। अमेरिका में हवा में उड़ते हुए विमान के इंजन में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद आनन-फानन में विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। डेल्टा एयरलाइन का यह बोइंग विमान लॉस एंजेलिस इंटरनेशनल एयरपोर्ट से अटलांटा जा रहा था। फ्लाइट डीएल446 के इंजन में टेकऑफ के तुरंत बाद आग लग गई। इसका वीडियो भी सामने आया है। इसमें बाएं इंजन से धुआं निकलता दिखाई दे रहा है। हालांकि किसी तरह का हादसा नहीं हुआ और विमान को सुरक्षित एयरपोर्ट पर उतार लिया गया। फिलहाल किसी के घायल होने की जानकारी नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक विमान में आग लगने की घटना के बाद तुरंत विमान में इमरजेंसी की घोषणा की गई। इसके बाद विमान को वापस एयरपोर्ट पर ले जाने की तैयारी शुरू हो गई। लॉस एंजिलिस एयरपोर्ट पर एटीसी ने विमान को वापस आने के लिए गाइड किया। इसके बाद ग्राउंड की इमरजेंसी सेवाओं की तैनाती का आदेश दे दिया गया।

सूडान में बढ़ा हिंसक संघर्ष, मानवीय संकट बदतर हुआ

काहिरा। सूडान के कोरडोफान क्षेत्र में हिंसक संघर्ष में सैकड़ों लोग मारे जा चुके हैं और दारफुर में हिंसा जारी है, जिससे देश के मानवीय संकट को बदतर बना दिया। राहत कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि उनके लिए लोगों तक मदद पहुंचाना अब बेहद मुश्किल हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, 12 जुलाई के सप्ताहांत पर उत्तर कोरडोफान प्रांत के बारा कस्बे के आसपास के गांवों पर हुए हमलों में 450 से अधिक लोग मारे गए, जिनमें 35 बच्चे शामिल थे। सूडान में अप्रैल 2023 से तब युद्ध शुरू हुआ था, जब सेना और अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के बीच लंबे समय से चल रहा तनाव खुलकर संघर्ष में बदल गया। इस हिंसा में अब तक 40 हजार से ज्यादा लोगों की जानें जा चुकी हैं और यह दुनिया का सबसे खराब विस्थापन और भुखमरी संकटों में से एक बन गया है। हाल के महीनों में ज्यादातर संघर्ष दारफुर और कोरडोफान क्षेत्रों में हुआ है।

महाराष्ट्र विधानसभा में फोन पर गेम खेल रहे थे मंत्री

मुंबई। महाराष्ट्र में शरद पवार गुट के विधायक ने मंत्री माणिकराव कोकाटे का एक वीडियो एक्स पर पोस्ट किया है। इस वीडियो में मंत्री कोकाटे विधानसभा में मोबाइल पर गेम खेलते नजर आ रहे हैं। राकांपा-शरद पवार के विधायक रोहित पवार ने अजीत पवार की राकांपा की आलोचना की है। उन्होंने रविवार को कहा कि यह पार्टी भाजपा से सलाह-मशविरा किए बिना कोई काम नहीं कर सकती। मंत्री के इस वीडियो पर कांग्रेस ने भी उनके ऊपर निशाना साधा है। राकांपा (एसपी) के विधायक रोहित पवार ने पोस्ट में लिखा कि सत्तारूढ़ राकांपा गुट भाजपा से सलाह-मशविरा किए बिना काम नहीं कर सकता। यही वजह है कि राज्य में कृषि से जुड़े कई मुद्दे लंबित होने और रोजाना आठ किसानों द्वारा आत्महत्या किए जाने के बावजूद कृषि मंत्री के पास कोई काम नहीं है। वह रमी खेलने में व्यस्त दिखते हैं। बार-बार प्रयास किये जाने के बावजूद राकांपा और मंत्री कोकाटे से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी।

एक ही परिवार के चार लोग समुद्र में डूबे

रत्नागिरि। महाराष्ट्र के रत्नागिरि जिले में आरे-वारे समुद्र तट पर शनिवार शाम एक ही परिवार के चार सदस्य डूब गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी के अनुसार, यह हादसा शाम छह बजे के करीब हुआ। वे सभी पानी में खड़े होने के दौरान एक बड़े ज्वार में बह गए। अन्य पर्यटकों ने उन्हें डूबते हुए देखा, लेकिन समुद्र की लहरों के कारण वे उनकी मदद नहीं कर सके। पुलिस की टीम ने शव बरामद किए।

ईरान में बस पलटने से 21 मरे

तेहरान। दक्षिण ईरान में एक बस के पलटने से कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और 34 लोग घायल हो गए हैं। यह जानकारी ईरान की सरकारी मीडिया ने शनिवार को दी। यह हादसा फार्स प्रांत की राजधानी शीराज के दक्षिण में हुआ है। फार्स प्रांत के आपातकालीन संगठन के प्रमुख मसूद आबेद ने बताया कि हादसा सुबह 11ः05 बजे हुआ। हादसे की सूचना मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंच गया। एक यात्री बस जो शीराज की ओर जा रही थी, अनियंत्रित होकर पलट गई। यह बस यात्रियों से भरी हुई थी। हादसा उस समय हुआ जब बस चालक ने एक मोड़ पर नियंत्रण खो दिया और बस सड़क किनारे पलट गई।

12156 में से सिर्फ 10 दंपतियों ने चुनी चीन की नागरिकता

ताइपे। चीन के साथ संभावित टकराव के बीच बुधवार तक ताइवानी नागरिकों से विवाहित 90

लगातार घट रही लोकप्रियता

प्रतिशत चीनी महिला-पुरुषों ने चीन में अपने नागरिकता को रद्द करने का फैसला लिया है। सिर्फ 10 दंपतियों ने चीन को चुना है। मतलब ज्यादातर चीनी नागरिकों ने मुख्यभूमि मामलों की परिषद के निर्देश का पालन किया। एक स्थानीय समाचार पत्र के अनुसार यह बीजिंग के प्रभाव के विरुद्ध ताइवान की रक्षा को दर्शाता है। एमएसी के उप मंत्री लियांग वेन-ची ने बताया है कि 12,156 चीनी जीवनसाथियों को ट्रैक किया गया था, जिसके बाद यह आंकड़ा सामने आया है। यह आंकड़ा ताइपे की संप्रभुता के प्रति प्रतिबद्धता के सामने बीजिंग की घटती नरम शक्ति को उजागर करता है। लियांग ने बताया कि 6,569 लोगों ने चीन में नागरिकता रद्द करने का सत्यापन योग्य प्रमाण प्रस्तुत किया। 4,287, गंभीर बीमारी या चोट के कारण प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए।

पांच बांग्लादेशी महिलाएं हिरासत में ली गईं

पुणे। वैध दस्तावेजों के बिना देश में रहने के आरोप में पांच संदिग्ध बांग्लादेशी प्रवासियों को शनिवार को महाराष्ट्र में पुणे के बुधवारपेठ इलाके से हिरासत में लिया गया। फरासखाना पुलिस थाने के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इलाके में बिना दस्तावेज के रह रहे कुछ बांग्लादेशी प्रवासियों के बारे में सूचना मिलने के बाद छापेमारी की गई और पांच महिलाओं को हिरासत में लिया। अधिकारी ने कहा कि महिलाओं ने उचित दस्तावेजों के बिना भारत में रहने की बात स्वीकार की।

सऊदी अरब के स्लीपिंग प्रिंस का निधन

रियाद। सऊदी अरब के युवराज अलवलीद बिन खालेद का शनिवार को निधन हो गया। युवराज अलवलीद बीते 20 वर्षों से कोमा में थे। इस वजह से अलवलीद बिन खालेद को स्पीपिंग प्रिंस के नाम से भी जाना जाता था। साल

20 साल से कोमा में थे अलवलीद बिन खालेद

2005 में लंदन में एक कार हादसे में अलवलीद बिन खालेद गंभीर रूप से चोटिल हुए थे। सिर में गहरी चोट लगने के बाद अलवलीद कोमा में चले गए थे।

सऊदी प्रिंस अलवलीद बिन खालेद बिन तलाल का 36 साल की उम्र में निधन हुआ। उनके परिवार ने इसकी पुष्टि कर दी है। युवराज अलवलीद जब 15 साल के थे, तब लंदन में एक सैन्य कॉलेज में पढ़ाई के दौरान युवराज एक कार हादसे का शिकार हुए थे। इस हादसे में युवराज के सिर में गंभीर चोट लगी और उससे उनके मस्तिष्क में आंतरिक ब्लीडिंग हुई और वे कोमा में चले गए। बाद में युवराज को रियाद के किंग अब्दुलअजीज मेडिकल सिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां वे 20 साल तक मेडिकल सपोर्ट पर रहे।

असम में पत्नी की हत्या का आरोपी स्टेशन मास्टर गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम में पत्नी की हत्या के मामले में फरार आरोपी रेलवे स्टेशन मास्टर को गुवाहाटी से गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। राज्य के कामरूप जिले में रंगिया के पास केंदुकोना रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर आरोपी राहुल सिंह की पत्नी का शव 15 दिन पहले उनके मकान से बरामद हुआ था जिसके बाद सिंह गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया, वह गुवाहाटी की एक इमारत में भेष बदलकर निजी सुरक्षा कर्मी के तौर पर काम कर रहा था। गिरफ्तारी के बाद उसे रंगिया लाया गया। सिंह को एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के अधिकारी सिंह ने दो जुलाई को बच्चों के सामने पत्नी की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी थी और फरार हो गया था। हत्या के कुछ दिनों बाद, पीड़िता द्वारा अपने रिश्तेदारों को कथित तौर पर भेजी गई एक ऑडियो क्लिप सामने आई थी। ऑडियो क्लिप में अंजलि को यह कहते हुए सुना गया कि पति और सास उसे मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। अंजलि ने यह भी कहा कि पति ने उसे जान से मारने की धमकी दी थी।

ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन ने शुरू किया सबसे बड़े बांध का निर्माण

बीजिंग। भारत और बांग्लादेश के विरोध के बावजूद चीन ने दक्षिण-पूर्वी तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध का निर्माण शुरू कर दिया है। उसका दावा है कि इससे हर

भारत का है कड़ा विरोध

साल 300 अरब किलोवाट बिजली का उत्पादन होगा। चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ ने कहा कि इस बांध से तिब्बत में बिजली की जरूरतें पूरी होंगी। परियोजना पर कुल 1.2 ट्रिलियन युआन (167 अरब डॉलर, करीब 14 लाख करोड़ रुपये) का निवेश होने की योजना है। विशेषज्ञों के अनुसार, चीन ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को भारत के खिलाफ हथियार की तरह इस्तेमाल कर सकता है। चीन की इस परियोजना का भारत और बांग्लादेश

विरोध कर रहे हैं। इसके बावजूद चीन ने इस परियोजना को जोर-शोर से शुरू करने का फैसला किया है। ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध बनाने की शुरुआत का एलान खुद चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग ने किया है। शनिवार को चाइना याजियांग ग्रुप नाम की एक नई कंपनी का भी आधिकारिक तौर पर अनावरण किया गया। शिन्हुआ ने बताया कि यह कंपनी तिब्बत के दक्षिण-पूर्व में स्थित निंगची शहर में स्थित पांच जलप्रपात बांधों वाली इस जलविद्युत परियोजना के निर्माण के लिए जिम्मेदार होगी।

भारत-चीन के बीच तनाव का कारण बनेगा ब्रह्मपुत्र पर बांध

तिब्बत में इस नदी को यारलुंग जांगबो नाम से जाना जाता है। परियोजना के लिए इसी पर बांध निर्माण शुरु हुआ है। इसे हिमालय के करीब एक विशाल घाटी में बनाया जाएगा। इसी स्थान से ब्रह्मपुत्र नदी अरुणाचल प्रदेश और फिर बांग्लादेश की तरफ मुड़ जाती है। यह बांध चीन और भारत के बीच तनाव का कारण बन सकता है। चीन का दावा है कि निचले इलाकों पर इसका कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। चीन के पर्यावरणविद लंबे समय से ब्रह्मपुत्र घाटी में बांध निर्माण के अपरिवर्तनीय प्रभाव को लेकर चिंतित हैं, जहां नदी 50 किलोमीटर (31 मील) के क्षेत्र में 2,000 मीटर (6,560 फीट) की ऊंचाई तक गिरती है। यह क्षेत्र एक राष्ट्रीय प्रकृति अभयारण्य और देश के प्रमुख जैव विविधता केंद्रों में से एक है।

म्यूज़िक वीडियो में लगाया एनर्जी का तड़का

आगामी शो 'छोरियाँ चली गाँव' - एक दमदार नया नॉन फिक्शन शो है, जहां 11 शहरी महिलाएं अपनी आरामदायक सिटी लाइफ को पीछे छोड़कर एक भारतीय गांव में सर्वाइव करने, वहां के माहौल में ढलने और आगे बढ़ने की कोशिश करेंगी। देसी स्वैग और इमोशनल मजबूती के मेल के साथ, यह शो इंडिया और भारत की दुनियाओं को अनोखे अंदाज़ में जोड़ता है। शो की इसी भावना को पहले बीट से ही ज़ोरदार अंदाज में सामने लाता है इसका जोशीला टाइटल ट्रैक, जिसे गाया है म्यूजिक पावरहाउस मीका सिंह ने और जिसमें नज़र आते हैं वो खुद और शो के होस्ट रणविजय सिंघा। भरत और हरिदत्त द्वारा तैयार किया गया यह गाना शो की देसी ऊर्जा और बिंदास तेवर को बखूबी सामने लाता है और साथ ही एक मज़ेदार अंदाज़ में ये भी बता देता है कि कंटेस्टेंट्स के लिए आगे क्या-क्या आने वाला है। इस गाने को खास बनाता है मीका और रणविजय का साथ आना, दो पुराने दोस्त जो करीब बीस साल बाद किसी प्रोजेक्ट में साथ काम कर रहे हैं। गांव के रंग-बिरंगे माहौल में शूट हुआ यह म्यूज़िक वीडियो शो में ज़बर्दस्त जोश जगाता है। इस गाने ने शो के प्रीमियर से पहले ही शानदार चर्चा छेड़ दी है। मीका सिंह ने कहा, ''जब मैंने ज़ी

टीवी के आगामी शो 'छोरियाँ चली गाँव' के टाइटल ट्रैक का ब्रीफ सुना, तो उसी वक्त लगा कि ये कुछ खास बनने वाला है। इसकी धुन बहुत जोशीली है, इसमें वो देसी अंदाज़ है जो मेरे गाने के स्टाइल से पूरी तरह मेल खाता है। ये गाना है आपको खुद-ब-खुद थिरकने पर मजबूर कर देगा और इसकी हर बीट दिल तक पहुंचेगी। इसमें जज़्बात हैं, जबर्दस्त बीट्स हैं और हर सुर में उनका प्यार झलकता है। रणविजय के साथ ने इस अनुभव को और भी खास बना दिया। हम कई सालों से एक-दूसरे को जानते हैं और अब साथ काम करने का यह मौका मिला। मुझे पूरा भरोसा है कि यह गाना छोरियाँ चली गाँव के जज़्बात को पूरी तरह दर्शाता है - उसकी ताकत, जज़्बा और युवा सोच।'' रणविजय सिंघा ने कहा, '' छोरियाँ चली गाँव के टाइटल ट्रैक में उनके साथ काम करना बहुत मजेदार रहा। हर गाने में वो एक खास असर लाते हैं। मुझे पूरा यकीन है कि यह म्यूज़िक इस शो की एक खास पहचान बन जाएगा। ये इतना असरदार है कि अभी भी इसकी धुन मेरे ज़ेहन में गूंज रही है।''

लीड रोल में होंगी शुभांगी लाटकर

आगामी फिक्शन शो 'गंगा माई की बेटियां' एक ऐसी महिला की भावुक लेकिन प्रेरणादायक कहानी को सामने लाता है, जिन्हें समाज ने ठुकरा दिया लेकिन फिर भी उसने हार नहीं मानी। कन्नड़ भाषा के लोकप्रिय शो 'पुट्टकाना मक्कलू' से प्रेरित इस कहानी में गंगा माई की ज़िंदगी दिखाई गई है, जिन्हें बेटे न होने पर उनका पति छोड़ देता है। लेकिन इस धोखे के बावजूद गंगा माई झुकती नहीं। वो अपना सिर ऊंचा रखती हैं और मां और पिता दोनों की भूमिका निभाते हुए अपनी पूरे सम्मान, ममता और हिम्मत के साथ अपनी तीन बेटियों की परवरिश करती हैं। ज़ी टीवी के नए ब्रैंड प्रॉमिस 'आपका अपना ज़ी टीवी' के तहत यह शो एक ऐसी सशक्त नायिका की कहानी है, जो जज़्बातों की सच्चाई और आत्मसम्मान की मिसाल पेश करती है। इस शो में गंगा माई के किरदार में दिखेंगी जानी-मानी अदाकारा शुभांगी लाटकर, जो एक अनपढ़ लेकिन बेहद समझदार और गहरे जज़्बातों वाली महिला की भूमिका निभा रही हैं। वो वाराणसी में एक छोटा-सा मेस चलाती

हैं, जिससे अपनी तीन बेटियों का पालन-पोषण करती हैं और साथ ही समाज के उन लोगों की भी मदद करती हैं, जो उन्हें अपना सहारा मानते हैं। उनके मन में अपने पति के छोड़े जाने का गम ज़रूर है, लेकिन वो इस दर्द को अपने ऊपर हावी नहीं होने देतीं। वो अपनी बेटियों को टूटने नहीं देतीं और हर मुश्किल में उनके साथ चट्टान बनकर खड़ी रहती हैं। उनका संतुलित व्यवहार, अडिग ईमानदारी और मां जैसी ममता उन्हें इस कहानी की जान बना देती है।

बाजार दर्पण